epaper.dehatsandesh.com

3 जम्मू में पहली बार जंबू लोचन टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज़

5 जेसिका पेगुला ने एलिसाबेटा कोच्चियारेटो से लिया बदला, क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

8 आंवला का पौधा

मौसम जम्मू न्यूनतम 18 अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-82 | जम्मू तवी, शनिवार 04 अप्रैल, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

आईएनएस तारागिरी ने भारत की समुद्री शक्ति को किया और मजबूतः रक्षा मंत्री राजनाथ

विशाखापत्तनम, 03 अप्रैल। उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट INS Taragiri को शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय नौसेना में शामिल किया। यह भारतीय नौसेना की क्षमताओं को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि यह कमीशनिंगहमारी नौसेना की शक्ति, मूल्यों और प्रतिबद्धता को और मजबूत करने वाला कदम है।

उन्होंने नौसेना की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा,हमारी नौसेना, चाहे वह फारस की खाड़ी हो या मलक्का जलडमरूमध्य, हिंद महासागर में लगातार अपनी उपस्थिति बनाए रखती है। किसी भी संकट की स्थिति में—चाहे वह निकासी अभियान हो या मानवीय सहायता—हमारी नौसेना हमेशा अग्रिम पंक्ति में रहती है। यह भारत के मूल्यों और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आईएनएस तारागिरी का शामिल होना इस शक्ति को और बढ़ाएगा।

उन्होंने इस अवसर को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा,आज अत्याधुनिक युद्धपोत 'तारागिरी' भारतीय नौसेना में शामिल हो रहा है। यह भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति का प्रतीक है। इस अवसर पर मैं मजगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड और भारतीय नौसेना सहित सभी देशवासियों को बधाई देता हूं।

रक्षा मंत्री ने भारत के विकास में समुद्री शक्ति के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा,जब हमारे प्रधानमंत्री विकसित भारत 2047 की बात करते हैं, तो उसमें समुद्री शक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। 11,000 किलोमीटर से अधिक लंबी तटरेखा और तीन ओर से समुद्र से घिरे देश के रूप में भारत अपने विकास को समुद्र से अलग नहीं देख सकता। लगभग 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्गों से होता है और हमारी ऊर्जा सुरक्षा भी समुद्र पर निर्भर है। ऐसे में एक मजबूत नौसेना हमारे लिए विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है।

भारत की परिचालन तैयारियों पर उन्होंने कहा,तनाव की हर स्थिति में भारतीय नौसेना ने हमारे व्यापारिक जहाजों और तेल टैंकरों की सुरक्षा सुनिश्चित की है। हमारी नौसेना ने यह साबित किया है कि वह न केवल भारत के हितों की रक्षा करने में सक्षम है, बल्कि जरूरत पड़ने पर वैश्विक स्तर पर भी अपने नागरिकों और व्यापार मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है। आईएनएस तारागिरी का शामिल होना ऐसे समय में हुआ है जब भारत के पूर्वी तट का सामरिक महत्व लगातार बढ़ रहा है, विशेषकर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बदलती परिस्थितियों के बीच। यह भारतीय नौसेना के अपने बेड़े को मजबूत करने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है प्रोजेक्ट 17 श्रेणी का चौथा शक्तिशाली युद्धपोत होने के नाते, तारागिरी केवल एक जहाज नहीं बल्कि 'मेक इन इंडिया' पहल का प्रतीक है। लगभग 6,670 टन वजनी यह फ्रिगेट Mazagon Dock Shipbuilders Limited द्वारा मुंबई में निर्मित किया गया है। इस जहाज में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है, जिसमें 200 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) का योगदान शामिल है, जिससे हजारों लोगों को रोजगार मिला है

अयोध्या सभ्यता की शाश्वत जन्मस्थलीः सिन्हा कहा—दुनिया को भगवान राम के धर्म और त्याग के आदर्शों से सीख लेनी चाहिए

जम्मू, 03 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित 8वें अयोध्या पर्व में भाग लिया और अयोध्या के विचार को आत्मसात करने के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा,अयोध्या सभ्यता की जन्मस्थली और चेतना का शाश्वत स्रोत है। जब हम अयोध्या का स्मरण करते हैं, तो हम उस चेतना को जागृत करते हैं, जो प्रभु श्री राम का आशीर्वाद है और जिसने मानव सभ्यता को अर्थ दिया है।卐उपराज्यपाल ने भगवान राम के आदर्शों—सत्यनिष्ठा, धर्म, कर्तव्य और त्याग—से सीख लेने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने वाले अंततः विजयी होते हैं।यह कार्यक्रम इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में आयोजित किया गया, जिसका आयोजन श्री अयोध्या न्यास ने प्रज्ञा संस्थान के सहयोग से

किया।उपराज्यपाल ने कहा कि अयोध्या को समझना केवल एक शहर या उसके भूगोल को समझना नहीं है, बल्कि स्वयं को समझना है। उन्होंने कहा,अयोध्या वर्तमान की जीवंत चेतना और भविष्य का मार्गदर्शक है। यह केवल एक शहर नहीं, बल्कि हमारी जड़ है; यह केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि राष्ट्र की प्रेरणा है।卐उन्होंने कहा कि अयोध्या हमें अपनी आंतरिक चेतना को जागृत करने के लिए प्रेरित करती है और यह विश्वास देती है कि चाहे बाधाएं कितनी भी बड़ी हों या समय कितना भी बदल जाए, यदि आस्था और जागरूकता बनी रहे तो परंपरा कभी

उपराज्यपाल ने नई दिल्ली में 8वें अयोध्या पर्व में भाग लिया

समाप्त नहीं होती।उपराज्यपाल ने कहा कि अयोध्या नैतिक मूल्यों, सिद्धांतों और जीवन में संतुलन की भावना को जागृत करती है।अयोध्या हमें यह सिखाती है कि प्रगति का अर्थ अपनी जड़ों को छोड़ना नहीं है, बल्कि सही दिशा में आगे बढ़ना है,卐 उन्होंने कहा।उन्होंने कहा कि आज के वैश्विक परिदृश्य में अयोध्या हमारे सामने एक मार्गदर्शक के रूप में खड़ी है। यह कर्तव्य, गरिमा, करुणा, त्याग और संतुलन जैसे मूल्यों का प्रतीक है, जिन्हें वहां केवल सिखाया ही नहीं गया, बल्कि जीवन में उतारा गया।उन्होंने कहा,एक विचार के रूप में अयोध्या हमें सिखाती है कि शक्ति और संवेदनशीलता साथ-साथ चल सकते हैं, क्योंकि नेतृत्व केवल शासन नहीं, बल्कि सेवा भी है

JERC ने BPL पावर श्रेणी की घोषणा की, 30 यूनिट तक राहत प्रदान

जम्मू तवी, 3 अप्रैल। Joint Electricity Regulatory Commission (JERC) ने जम्मू-कश्मीर के लिए गरीबी रेखा से नीचे उपभोक्ताओं की एक अलग श्रेणी बनाई है, जिसके तहत सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर उपभोक्ताओं को प्रति माह 30 यूनिट तक बिजली खपत पर राहत दी जाएगी।

सरकार ने हाल ही में सदन को जानकारी दी कि आयोग ने BPL उपभोक्ताओं के लिए यह विशेष श्रेणी बनाई है ताकि उन्हें 30 यूनिट प्रति माह तक बिजली खपत पर राहत मिल सके। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि केवल वही उपभोक्ता इस श्रेणी में शामिल होंगे, जो राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी BPL प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे, सरकार ने कहा। सरकार ने यह भी बताया कि यदि इस श्रेणी में मासिक खपत 30 यूनिट से अधिक होती है, तो अतिरिक्त खपत पर घरेलू मीटर्ड श्रेणी के अनुसार निर्धारित दरों के तहत शुल्क लिया जाएगा। इसके अलावा, सरकार ने बताया कि घरेलू टैरिफ की यह श्रेणी घरेलू परिसरों, धार्मिक संस्थानों, समूह आवास समितियों, अनाथालयों, वृद्धाश्रमों, ि-ःशुल्क या नाममात्र शुल्क पर सेवाएं प्रदान करने वाले चैरिटेबल संस्थानों, ग्रामीण क्षेत्रों में आवासीय डाकघरों तथा आर्किटेक्ट, इंजीनियर, वकील, डॉक्टर, शिक्षक, कलाकार, बुनकर, सिलाई एवं कढ़ाई कार्य करने वाले लोगों के आवासीय परिसरों पर लागू होगी, बशर्ते कि वे अपने पेशे के लिए निर्मित क्षेत्र के 20 प्रतिशत से अधिक हिस्से का उपयोग न करें।

सीमाओं पर बदलाव की मिसाल बन रही भारतीय सेनाः विक्रमादित्य सिंह

श्रीनगर, 02 अप्रैल। पूर्व एमएलसी एवं पूर्ववर्ती डोगरा शाही परिवार के वंशज विक्रमादित्य सिंह ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के तंगधार और करनाह सहित सीमावर्ती क्षेत्रों में छात्रों और स्थानीय समुदायों के समर्थन के उद्देश्य से भारतीय सेना द्वारा चलाए जा रहे व्यापक नागरिक संपर्क और सामुदायिक विकास प्रयासों की सराहना की है। हाल ही में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर स्थित टीटवाल के शारदा मंदिर में नवरात्र पूजा के अवसर पर इन क्षेत्रों के दौरे के दौरान उन्होंने नागरिक समाज के वरिष्ठ सदस्यों, छात्रों और सेना के अधिकारियों से बातचीत की तथा जमीनी स्तर पर विभिन्न पहलों के सकारात्मक प्रभाव का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। उन्होंने विशेष रूप से आर्मी गुडविल स्कूल, हाजीनार और कम्युनिटी रेडियो 'रूह-ए-करनाह' के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि ये संस्थान स्थानीय युवाओं को सशक्त बनाने, शिक्षा को बढ़ावा देने और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह छात्रों और युवा प्रतिभागियों की क्षमता और उत्साह से अत्यंत प्रभावित हुए, जो भारतीय सेना के सहयोग से इन पहलों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं और नेतृत्व कर रहे हैं।

अरहामा मुठभेड़ मामले की होगी मजिस्ट्रेट जांच, उपराज्यपाल ने आदेश दिए

जम्मू, 03 अप्रैल । जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गांदरबल जिले के अरहामा में हुई हालिया मुठभेड़ की गहन और निष्पक्ष मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। जांच में घटना से जुड़े सभी पहलुओं और परिस्थितियों की पड़ताल की जाएगी, ताकि तथ्यों का पता लगाया जा सके और दोषियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। उपराज्यपाल ने कहा कि मैंने गांदरबल के अरहामा घटना की गहन और निष्पक्ष मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। जांच में घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल की जाएगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि न्याय मिले। गांदरबल के अरहामा इलाके में 1 अप्रैल को हुई मुठभेड़ में स्थानीय निवासी राशिद अहमद मुगल शहीद हो गए थे।

2018 से जम्मू-कश्मीर में 1,436 किमी से अधिक राष्ट्रीय राजमार्ग बनाए गए : केंद्र

कहा—कमियों और देरी के मामलों में कार्रवाई की गई

जम्मू तवी, 3 अप्रैल। केंद्र ने लोकसभा को बताया कि 2018-19 से अब तक जम्मू और कश्मीर में लगभग 1,436 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस केंद्र शासित प्रदेश में राजमार्ग निर्माण में वर्षों के दौरान उतार-चढ़ाव देखा गया। 2018-19 में 95 किमी, 2019-20 में 46 किमी, 2020-21 में 234 किमी, 2021-22 में 263 किमी, 2022-23 में 217 किमी, 2023-24 में 243 किमी, 2024-25 में 214 किमी और 2025-26 में फरवरी तक 124 किमी राजमार्ग बनाए गए।

केंद्र ने यह भी बताया कि जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रखरखाव पर खर्च में हाल के वर्षों में स्थिर वृद्धि हुई है। 2020-21 में यह खर्च 2,932 करोड़ रुपये था, जो 2021-22 में 6,817 करोड़ रुपये, 2022-23 में 7,370 करोड़ रुपये और 2023-24 में 10,528 करोड़ रुपये तक बढ़ गया, जबकि 2024-25 में यह थोड़ी कमी के साथ 10,204 करोड़ रुपये रहा।सरकार ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रखरखाव की मुख्य जिम्मेदारी केंद्र की है, जबकि क्रियान्वयन विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से किया जाता है। सड़क सुरक्षा पर केंद्र ने कहा कि देशव्यापी आंकड़े राष्ट्रीय राजमार्गों पर दुर्घटनाओं और मृत्युदर में वृद्धि को दर्शाते हैं। 2021 में 1.28 लाख दुर्घटनाएं और 56,007 मौतें दर्ज की गईं, जो 2024 में बढ़कर 1.50 लाख दुर्घटनाएं और 64,772 मौतें हो गईं।

272 किमी उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक पूरा

कहा—बुनियादी ढांचे के विकास से जम्मू-कश्मीर में कनेक्टिविटी, अर्थव्यवस्था और विकास को बढ़ावा

नई दिल्ली, 3 अप्रैल। 272 किलोमीटर लंबा उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक राष्ट्रीय रेल योजना के तहत एक बड़े बुनियादी ढांचा विस्तार के हिस्से के रूप में पूरा हो गया है। यह जानकारी भारत सरकार ने लोकसभा में दी। एक तारांकित प्रश्न के उत्तर में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह परियोजना देशभर में कनेक्टिविटी और क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से किए जा रहे प्रमुख रेल विकास कार्यों में शामिल है। सरकार ने बताया कि भारतीय रेलवे ने पिछले एक दशक में अपने नेटवर्क और क्षमता का व्यापक विस्तार किया है, जिसमें नई रेल लाइनों का निर्माण, ट्रैक का दोहरीकरण और विद्युतीकरण शामिल है, ताकि क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और माल परिवहन में सुधार हो सके। उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक के पूरा होने से जम्मू-कश्मीर में कनेक्टिविटी मजबूत होगी और क्षेत्र में यात्रियों तथा माल के परिवहन में सुधार आएगा। अधिकारियों के अनुसार, रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाएं सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, क्योंकि ये माल की तेज आवाजाही सुनिश्चित करती हैं, परिवहन लागत को कम करती हैं और लॉजिस्टिक्स की दक्षता बढ़ाती हैं। उन्होंने कहा, 卐ऐसी परियोजनाएं रोजगार के अवसर भी पैदा करती हैं और जुड़े हुए क्षेत्रों में पर्यटन तथा औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देती हैं। सरकार ने आगे बताया कि देशभर में वर्तमान में 35,966 किलोमीटर लंबाई की 431 रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाएं स्वीकृत हैं, जिनकी अनुमानित लागत लगभग 6.75 लाख करोड़ रुपये है।

सरकार ने यह भी कहा कि परियोजनाओं के समय पर पूरा होने में भूमि अधिग्रहण, वन स्वीकृतियां, उपयोगिताओं का स्थानांतरण और स्थानीय परिस्थितियां जैसे कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सकीना इत्तू ने GMC अनंतनाग में 1.5 टेस्ला MRI सुविधा जनता को समर्पित की

सरकार की आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं और समान पहुंच सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई

अनंतनाग, 03 अप्रैल। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने आज Government Medical College Anantnag में अत्याधुनिक 1.5 टेस्ला मैग्नेटिक रेज़ोनेंस इमेजिंग सुविधा को जनता को समर्पित किया। उन्होंने त्नस्ष्ट अनंतनाग के संबद्ध अस्पताल के नेत्र विज्ञान विभाग में तीन मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर और विट्रेक्टॉमी मशीन का भी उद्घाटन किया।

इस अवसर पर विधायक अनंतनाग-पश्चिम अब्दुल मजीद भट (लार्मी), विधायक राजपोरा गुलाम मोही-उद-दीन मीर, विधायक पंपोर न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) हसनैन मसूदी, विधायक जैनापोरा शौकत अहमद गनी, विधायक देवसर पीरजादा फिरोज अहमद, प्रिंसिपल त्नस्ष्ट अनंतनाग डॉ. रुखसाना नजीब, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं कश्मीर डॉ. जहांगीर भक्शी, विभिन्न विभागों के प्रमुख, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, सीएमओ अनंतनाग, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि GMC अनंतनाग में MRI सुविधा की स्थापना ओमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं के आधुनिकीकरण और समाज के सभी वर्गों को उन्नत चिकित्सा सुविधाओं की समान पहुंच सुनिश्चित करने की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा, सरकार जिला और मेडिकल कॉलेज स्तर पर निदान क्षमताओं को मजबूत कर सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में बदलाव लाने पर केंद्रित है। GMC अनंतनाग में इस MRI सुविधा के शुरू होने से मरीजों की देखभाल बेहतर होगी और उन्हें अपने घर के पास ही समय पर जांच की सुविधा मिलेगी। सकीना इत्तू ने मुख्यमंत्री ओमर अब्दुल्ला को GMC अनंतनाग में पहले से कार्यरत कैथ लैब का श्रेय देते हुए कहा कि यह दक्षिण कश्मीर और पीर पंजाल क्षेत्र के लोगों के लिए जीवनरक्षक साबित हुई है। उन्होंने कहा, पहले इस अस्पताल से रेफर किए गए कई मरीज 'गोल्डन आवर' में श्रीनगर नहीं पहुंच पाने के कारण अपनी जान गंवा देते थे, लेकिन अब यहां कैथ लैब के चलते हृदय रोगों का उन्नत इलाज यहीं उपलब्ध है।

जम्मू-कश्मीर में तीन दिनों तक बारिश और बर्फबारी की संभावना

श्रीनगर, 03 अप्रैल । मौसम विभाग ने शुक्रवार से रविवार तक जम्मू-कश्मीर में मौसम में बदलाव का पूर्वानुमान लगाया है, जिसकी चरम स्थिति 4 अप्रैल के आसपास रहने की संभावना है। स्थानीय मौसम विभाग ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 3 से 5 अप्रैल तक कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी के साथ मौसम में बदलाव की संभावना है, जिसकी चरम स्थिति 4 अप्रैल के आसपास रहने की उम्मीद है। शुक्रवार को आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और ऊंचे इलाकों में रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी होगी। साथ ही छिटपुट स्थानों पर दोपहर में गरज, ओलावृष्टि और तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटा) चलेंगी। मौसम विभाग ने कहा कि 4 अप्रैल को भी बारिश जारी रहेगी। घाटी और जम्मू डिवीजन में मध्यम बारिश और बर्फबारी की उच्च संभावना है, जिसकी चरम स्थिति इसी दिन रहने की संभावना है। 5 अप्रैल को मौसम में थोड़ा सुधार होने की संभावना है। आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और केवल छिटपुट हल्की बारिश होगी। मौसम विभाग ने संवेदनशील क्षेत्रों, विशेष रूप से जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन, कीचड़ और पत्थर गिरने की आशंका जताई है। किसानों और बागवानों को 3-4 अप्रैल के दौरान बारिश और तेज हवाओं की आशंका के चलते कीटनाशक छिड़काव और अन्य कृषि कार्यों को स्थगित करने की सलाह दी गई है। इस दौरान दिन के तापमान में भारी गिरावट आने की संभावना है। मौसम आमतौर पर अस्थिर रहने की आशंका है और 7-9 अप्रैल के बीच बारिश, बर्फबारी का एक और दौर आ सकता है।

मुख्य सचिव ने D-BRAP 2025 के तहत लंबित सुधारों को तेज़ी से पूरा करने के निर्देश दिए

जम्मू तवी, 3 अप्रैल। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों और विभागों में जिला व्यवसाय सुधार कार्य योजना (D-BRAP)-2025 के तहत हुई प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। ये सुधार Department for Promotion of Industry and Internal Trade के मार्गदर्शन में लागू किए जा रहे हैं। यह बैठक उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित की गई, जिसमें संबंधित प्रशासनिक सचिव, वरिष्ठ अधिकारी, निदेशक उद्योग जम्मू और अन्य अधिकारी उपस्थित

थे। विभागवार सेवाओं और D-BRAP के तहत निर्धारित सुधार मानकों की व्यापक समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि ये सुधार नागरिक कल्याण में सुधार और केंद्र शासित प्रदेश में बेहतर व्यावसायिक माहौल बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने जोर दिया कि यह पहल जमीनी स्तर पर 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी।

2025-26 में जम्मू-कश्मीर में 3.07 लाख पीने के पानी के नमूने जांचे गए

नई दिल्ली, 3 अप्रैल। भारत सरकार ने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 (31 मार्च तक) में जम्मू और कश्मीर की विभिन्न प्रयोगशालाओं में 3.07 लाख से अधिक पीने के पानी के नमूने जांचे गए।

लोकसभा में एक असूचित प्रश्न के उत्तर में, जल शक्ति मंत्रालय ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए पानी की गुणवत्ता का नियमित परीक्षण किया जा रहा है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में 2023-24 में 2,53,364 नमूनों की प्रयोगशालाओं में जांच हुई और 34,793 नमूने फील्ड टेस्टिंग किट्स (स्न्रञ्जयह्य) के माध्यम से जांचे गए। 2024-25 में प्रयोगशालाओं में 2,66,547 नमूनों और स्न्रञ्जयह्य के माध्यम से 2,129 नमूनों की जांच की गई।

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रयोगशालाओं में जांचे गए नमूनों की संख्या बढ़कर 3,07,793 हो गई, जबकि स्न्रञ्जयह्य के माध्यम से केवल 32 नमूनों की जांच हुई।

सरकार ने कहा कि पीने का पानी एक राज्य विषय है और जल आपूर्ति योजनाओं की योजना, कार्यान्वयन और रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों की है।

'भारतीय नौसेना का लक्ष्य युद्ध के लिए तैयार, विश्वसनीय, संगठित और भविष्य-उन्मुख बल बने रहना है': नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली, 3 अप्रैल। भारत की बढ़ती नौसैनिक शक्ति और आत्मनिर्भरता पर प्रकाश डालते हुए नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने शुक्रवार को कहा कि युद्धपोत INS Taragiri का शामिल होना भारतीय नौसेना की परिचालन क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने एक युद्ध के लिए तैयार और भविष्य के अनुरूप बल की परिकल्पना पर जोर देते हुए बताया कि पिछले एक वर्ष में नौसेना ने 12 जहाज, एक पनडुब्बी और एक विमान स्क्वाड्रन को शामिल किया है।

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा,भारतीय नौसेना का लक्ष्य स्पष्ट है—एक ऐसी ताकत बने रहना जो युद्ध के लिए तैयार, विश्वसनीय, संगठित और भविष्य के अनुरूप हो।

उन्होंने आगे कहा,इस लक्ष्य के तहत रक्षा मंत्रालय के सहयोग से भारतीय नौसेना ने पिछले वर्ष से अब तक 12 जहाज, एक पनडुब्बी और एक विमान स्क्वाड्रन को शामिल किया है। आज की यह कमीशनिंग नौसेना की परिचालन पहुंच, उपस्थिति और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को और मजबूत करेगी। अपनी मजबूत युद्ध क्षमता और अत्याधुनिक प्रणालियों के साथ 'तारागिरी' भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

बाल कहानी

गुलाबी छतरी

सोनू ने मन मारते हुए दूसरी छतरी खरीद ली। छतरी खरीद कर वे दोनों घर आ गए। सोनू ने पीले रंग की मोरपंखी छतरी खरीदी थी, लेकिन गुलाबी छतरी के सामने वह अत्यंत फीकी नजर आ रही थी। सोनू मन मारकर मोरपंखी छतरी को लेकर ही स्कूल जाने लगा

चिटू छातेवाले की दुकान पूरे नंदनवन में प्रसिद्ध थी। उसके पास ढेरों रंग-बिरंगे नए-नए छाते मिलते थे। नंदनवन के बच्चों के लिए तो वह दूर-दूर से नए डिजाइन और काटरून से सजे छाते लेकर आता था। चिटू बंदर की छातों की दुकान बहुत पुरानी थी। उसके दादा टिकू ने नंदनवन में सबसे पहले छातों की दुकान खोली थी। टिकू दादा के गुजर जाने के बाद उनके बेटे मिटू ने दुकान संभाली। कुछ दिनों से मिटू बीमार था, इसलिए उनका बेटा चिटू दुकान को संभाल रहा था।

बारिश के दिन थे, इसलिए चिटू की बिक्री धड़ाधड़ हो रही थी। उसकी दुकान के छाते अत्यंत मजबूत और बेहतर क्वालिटी के होते थे। एक दिन जुडवां भाई सोनू-मोनू खरगोश उसके पास सुंदर छाते खरीदने के लिए आए।

सोनू-मोनू दोनों को ही एक गुलाबी रंग की छतरी बहुत पसंद आई। उस छतरी पर उनके जैसे ही छोटे-छोटे खरगोश बने हुए थे। सोनू ने उस छतरी को जैसे ही हाथ में उठाया, वैसे ही मोनू ने उससे छतरी छीनते हुए कहा कि यह गुलाबी छतरी मेरी है। तुम दूसरी छतरी देख लो।

वह गुलाबी रंग की छतरी डिजाइनर छतरी थी, इसलिए उसका एक ही पीस बचा था। सोनू ने मन मारते हुए दूसरी छतरी खरीद ली। छतरी खरीद कर वे दोनों घर आ गए। सोनू ने पीले रंग की मोरपंखी छतरी खरीदी थी, लेकिन गुलाबी छतरी के सामने वह अत्यंत फीकी नजर आ रही थी। सोनू मन मारकर मोरपंखी छतरी को लेकर ही स्कूल जाने लगा।

नंदनवन में जब झमाझम बारिश होती तो मोनू गुलाबी छतरी लेकर थिरकते हुए सबको चिढ़ाता। वह सोनू को भी उस छतरी को हाथ नहीं लगाने देता था।

सोनू समझदार था, इसलिए वह मोरपंखी छतरी के साथ ही खुश था। एक दिन जब सोनू-मोनू स्कूल से आ रहे थे तो बारिश होने लगी। बारिश रुकने का नाम ही नहीं ले रही थी। घर पहुंचने के बाद सोनू-मोनू ने कपड़े बदले और खाना खाकर खेलने लग गए। सोनू ने अपने घर की खिड़की से झांका तो वह यह देखकर दंग रह गया कि पूरा नंदनवन पानी-पानी हो गया था।

सोनू-मोनू के घर के समीप ही चींटियों के ढेर सारे घर बने हुए थे। पानी में डूब जाने से कई चींटियां मर चुकी थीं। जो बची हुई थीं, वे डरी सहमी अपने लिए सुरक्षित स्थान तलाश रही थीं। सोनू-मोनू दोनों ने अपनी प्रिय दोस्त निक्की, मिक्की, टिक्की और रिक्की चींटियों को पानी के बहाव में बहत दखा ता दोनों का दिल धक्क से रह गया। उन्होंने उनको बचाने की सोची।

सोनू सोच ही रहा था कि वह पानी के बहाव से चींटियों को निकालकर कौन सी सुरक्षित जगह पर रखे तभी मोनू अपनी गुलाबी छतरी लिए हुए आया और उसे खोल कर बोला, छू, जल्दी करो निक्की, मिक्की, टिक्की और रिक्की के साथ मेरी बहुत सारी दोस्त पानी में बह कर मर जाएंगी। उन्हें पानी से निकालकर इस छतरी पर रख दो। यहां ये सुरक्षित रहेंगी। मेरी छतरी सूखी हुई है। जब पानी सूख जाएगा तो हम इन्हें नीचे छोड़ देंगे। तब तक इन्हें घर में ही हम कुछ खाना-पानी देंगे, जिससे कि ये जीवित रहे।'

मोनू की बात सुनकर सोनू ने जल्दी से अनेक चींटियों को बहते पानी से निकाला और उन्हें गुलाबी छतरी के ऊ पर रखता रहा। उसने मोनू से अपनी मोरपंखी छतरी भी खोलने को कहा। इसके बाद तो सोनू-मोनू दोनों ने ही मिलकर छोटे-छोटे जीवों को बारिश के बहाव में बहने से बचाकर उन्हें छातों के ऊपर रख दिया।

उनके छातों पर अनेक चींटियां सुरक्षित बैठी थीं। सभी की जान बच गई थी। कुछ देर बाद बारिश कम हुइ। उनक माता-पिता दोनो नौकरी पेशा थे। वे नंदनवन के मॉल में काम करते थे। रात को वह किसी तरह बचकर भीगते-भीगते घर पहुंचे।

उन्होंने देखा कि सोनू-मोनू की छतरियों पर अनेक नन्हीं-नन्हीं चींटियां विराजमान हैं। सोनू-मोनू दोनों ने अपने माता-पिता को विस्तार से सारी बात बताई तो उन्हें अपने बच्चों पर गर्व हुआ। चींटियां उनकी खुली हुई छतरियों पर ही सो गईं। सुबह नंदनवन में ताजी खिली हुई धूप निकली। उस धूप ने पूरे नंदनवन के प्राणियों को जगा दिया। सोनू-मोनू भी जाग गए। कुछ ही देर में धूप से पूरा नंदनवन सूख गया। सोनू-मोनू ने चींटियों को छतरियों पर से जमीन पर उतारा तो मोनू यह देखकर दंग रह गया कि उसकी प्रिय छतरी एक जगह से फट गई थी।

मोनू को गुलाबी छतरी बहुत प्रिय थी। एक बार तो छतरी की हालत देखकर उसकी रुलाई ही फूट पड़ी। लेकिन जब उसने अपनी छतरी पर से अनेक नन्ही-मुन्नी चींटियों को जीवित हंसते-खिलखिलाते हुए गले मिलकर उतरते हुए देखा तो उसे सुकून और शांति का अनुभव हुआ। उसकी टूटी हुई छतरी को देखकर मोनू उसे गले लगाता हुआ बोला, 'दोस्त, छतरी टूटने के कारण दुखी मत होओ। मैं तुम्हें चिटू की दुकान से बिल्कुल ऐसी ही छतरी लाकर दे दूंगा।'

मोनू की बात पर सोनू बोला, 'यह छतरी तो बेजान और निर्जीव थी। इसी ने नंदनवन की अनेक चींटियों को बचाया है। मां-पापा और टीचर भी हमेशा यही कहते हैं कि वही वस्तु अच्छी होती है, जो सदुपयोग में लाई जाती है। इस छतरी को एक न एक दिन तो टूटना ही है।'

सोनू की यह बात सुनकर सभी चींटियों ने खूब सारी तालियां बजाई।

सोनू के माता-पिता और मोनू की आंखों में खुशी के आंसू झलक आए थे। सभी सोच रहे थे कि गुलाबी छतरी ने आखिरकार उनके बेटे को सही राह पर ला ही दिया था।

क्या आप जानते कट्टम-मोक्षपटम के बारे

खेल हर बच्चों को प्रिय खेल होता है। जिसमें कई प्रकार के खेल शामिल हैं। खासकर घर में खेले जाने वाले खेल बच्चों को खासे पसंद आते हैं।और आजकल तो बारिश भी शुरू हो गई है। यह मौसम ऐसा मौसम है जिसमें खेलने पर बच्चों को मम्मी-पापा से काफी डांट खानी भी पड़ जाती है।ऐसे में क्यों न तुम पचीसी और मोक्षपटम जैसे खेल खेलो। नाम पढ़ कर पड़ गए न चक्कर में।भला ये कौन-से खेल हैं! दरअसल, ये सैकड़ों साल पुराने भारतीय बोर्ड गेम्स हैं, जिन्हें आज तुम किसी और नाम से जानते हो। आज इनके बारे में जानते हैं।

पुराने तो हैं ही बेस्ट..

लूडो खेलो

लूडो एक पुराना गेम है। तुम्हारे मम्मी-पापा ने इसे बचपन में खेला होगा। तुम बाजार से इसे खरीद लाओ। ज्यादा महंगा नहीं होता।

फायदे: मम्मी-पापा या भाई-बहन के साथ खेल सकते हो। ग्रुप में खेल कर दोस्तों से अच्छा रिलेशन बना सकते हो। चोट लगने का डर भी नहीं। इसमें गोटी की चाल को सोच-समझ कर चलना होता है, जिससे तुम्हारे दिमाग की कसरत होती है। इसमें जीतता हुआ खिलाड़ी भी अंत तक आते-आते हार जाता है। पूरे खेल में रोमांच बना रहता है।

चेस तो ट्राई करो

भारत में शुरू हुआ यह खेल दिमाग के विकास के लिए काफी अच्छा है। घर बैठे इसे खेल कर इंटेलिजेंट बनोगे और बोर भी नहीं होगे।

फायदे: कन्सन्ट्रेशन बढ़ता है। फोकस करना सीखते हो। इमेजिनेशन का विकास होता है, जो भविष्य के बारे में सोचने की क्षमता को बढमता है। क्या सही क्या गलत, क्या करना सही रहेगा, यह सोचते हैं। प्लानिग, अनुशासन सीखते हो। मैथ्स पर अच्छी पकड़ बनती है।

कैरम है खास

कैरम भी पुराना गेम है। इसे तुम कम खेलते होगे, पर ये बड़ा फायदेमंद है।

फायदे: तेज नजर और हाथों पर कंट्रोल होता है। मैथ्स अच्छा होता है। आंख और हाथ का समन्वय सही रहता है।

सांप-सीढ़ी वाला मोक्षपटम

सांप और सीढ़ी की शुरुआत भी भारत में ही हुई। पुराने जमाने में इस खेल को मोक्षपटम कहा जाता था। यह भी डाइस बोर्ड गेम्स का ही हिस्सा है। मोक्षपटम धीरे-धीरे इंग्लैंड पहुंचा और वहां इसे स्नेक एंड लैडर्स के नाम से बेचा जाने लगा। इस खेल को एक साथ चार खिलाड़ी खेल सकते हैं। इस खेल में 1 से लेकर 100 तक के खाने बने होते हैं। बोर्ड पर ढेर सारे सांप और सीढियां होती हैं। सांप के काटने पर खिलाड़ी को सांप की पूंछ वाले खाने पर आना पड़ता है, वहीं सीढ़ी चढ़ कर खिलाड़ी कई खाने ऊपर भी पहुंच सकता है। इसमें सांप की संख्या, सीढियों से ज्यादा होती है।

चतुरंग बन गया है शतरंज

चतुरंग यानी शतरंज। इसे तुम चेस के नाम से भी जानते हो। ऐसा माना जाता है कि शतरंज का खेल भी लूडो और सांप-सीढ़ी की तरह सबसे पहले भारत में ही खेला गया। आज तुम इन सब खेलों को जिस रूप में खेल रहे हो, उसमें वक्त के साथ-साथ बदलाव आया है। चतुरंग संस्कृत के दो शब्दों से बना है, जिसका मतलब होता है- चार भाग। हाथी, घोड़ा, रथ और सिपाही चतुरंग के चार हिस्से होते हैं। यह खेल सफेद और काले रंग के बोर्ड पर खेला जाता था। आजकल तुम चेस का जो खेल खेलते हो, उसमें और चतुरंग के बीच की समानता को अनदेखा नहीं किया जा सकता। तब चतुरंग का यह खेल कैसे खेला जाता था, इस बारे में अब तक किसी को कुछ खास पता नहीं है। पर शतरंज के इतिहास को जानने वालों का कहना है कि दोनों खेल के नियम मिलते-जुलते होते होंगे।

इस बारिश इन्हें भी आजमाओ

पिलो गेम

दोस्तों को घर बुलाओ और म्यूजिक चलाओ, तकिए को पास करो, जिस पर म्यूजिक रुका वो डांस करेगा, गाना सुनाएगा, किसी फिल्म का डायलॉग बोलेगा या जानवर की आवाज निकालेगा।

न्यूजपेपर में नाम ढूंढ़ों

इसमें दो-चार से ज्यादा दोस्त मिल कर भी खेल सकते हैं। इसमें एक खिलाड़ी ए, बी, सी, डी या अ, आ, ई, क, ख, ग बोलता है। दूसरा खिलाड़ी जब स्टॉप बोल देता है तो जो अक्षर आता है, न्यूजपेपर में उस एल्फाबेट से शब्द ढूंढ़ने पड़ते हैं। जो पहले पांच शब्द ढूंढ़ लेगा, वह स्टॉप बोल देगा और फिर जिसके जितने शब्द, उसके उतने नम्बर।

गेम्स के कितने सारे फायदे...

वर्ड गेम में आंखों की कसरत होती है।

नए-नए शब्द पढ़ते हो और उनका मतलब भी जानने की कोशिश करते हो। लैंग्वेज अच्छी होती है। पिलो गेम में डांस करने से फिजिकल एक्सरसाइज होती है, जिससे टांगें मजबूत होती हैं।

स्टेज पर जाने से कैसा डर

हम सब कई बार बोलना कुछ और चाहते हैं लेकिन अपनी बेकार की हिचकिचाहट के कारण बोल नहीं पाते।जिससे हमें अक्सर किसी न किसी समस्या का सामना करना पड़ जाता है।देखा जाए तो बोलना भी एक कला है। दोस्तों के बीच बोलना और किसी प्रतियोगिता या सभा में बोलना बिल्कुल अलग ही बात होती है।जब हम दोस्तों से बातचीत कर रहे होते हैं तब हमें डर नहीं लगता, क्योंकि वहां कोई तुम्हें जज नहीं करता। लेकिन जब बच्चे पोडियम पर खड़े होते हैं तब उन्हें हॉल में बैठे मैडम, जज, बच्चे और बाहर के स्कूलों से आए दूसरे बच्चे भी सुन रहे होते हैं। ऐसे में कई बच्चे ठीक से नहीं बोल पाते। कुछ तो हकलाने लगते हैं तो कुछ बोलते-बोलते चुप हो जाते हैं। उन्हें याद किया हुआ भाषण, कविता कुछ भी याद ही नहीं आती। ऐसे में बच्चे रुआंसा सा चेहरा लेकर वापस आ जाते हैं। और दूसरा बच्चा जो बेधड़क बोल कर जाता है उसे अवॉर्ड मिल जाता है।

इसलिए अब तुम खुद तय करो कि तुम किस तरह के बनना चाहोगे।

बोलने से डरना नहीं है। बल्कि कैसे बोलना है, क्या बोलना है, किस तरह से बोलना है, इसकी तैयारी तुम्हें करनी चाहिए। जो भी विषय यानी विषय मिला है उस पर मैडम, पापा, भइया या दीदी से विचार-विमर्श यानी जानकारी हासिल कर अच्छे से तैयारी करनी चाहिए।

पोडियम पर सीधे खड़ा होना ही अच्छा रहता है। दूसरी जरूरी बात यह कि तुम्हारे सामने जो बैठे या खड़े हैं उनकी आंखों में आंखें डाल कर बोलना चाहिए। इससे पता चलता रहता है कि सुनने वाले तुम्हारी बात ध्यान से सुन भी रहे हैं या नहीं। हां, पता है कि जब तुम दूसरे बच्चों को देखते हो तो वो तुम्हें मुंह चिढ़ाते हैं, हंसाने की कोशिश करते हैं। लेकिन तुम्हें उन लोगों को ऐसे देखना है, जैसे वो कुछ नहीं कर रहे हैं। अगर एक बच्चे को ही देखोगे तब मुश्किल है, इसलिए किसी भी एक पर नजरें मत टिकाना। सभी की नजरों में देखने की कोशिश करना।

जिस भी विषय पर बोलना है उसकी प्रैक्टिस घर पर, ग्राउंड में, मिरर के सामने कई बार बोल कर करनी चाहिए। इससे पता चलता है कि कहां गलती हो रही है। कई बार बच्चे पॉकेट में हाथ डालकर खड़े होते हैं तो कई अपने कपड़े, बाल ही संवारते रहते हैं। ऐसे में तुम्हारे मार्क्स कटते हैं और दूसरा जीत जाता है।

बोलते समय तुम्हारा उच्चारण बिल्कुल साफ, शुद्ध और धाराप्रवाह होना चाहिए। तुम्हारी प्रस्तुति कैसी है इस पर भी ध्यान दिया जाता है। इसलिए हाथ, चेहरे, शरीर के हाव-भाव भी जीत दिलाने में मदद करते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जम्मू में पहली बार जंबू लोचन टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज़

जम्मू, 03 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर मास्टर्स गेम्स एसोसिएशन द्वारा 5 अप्रैल से 12 अप्रैल तक एम.ए. स्टेडियम में प्रथम जंबू लोचन टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है।

इस प्रतियोगिता में जम्मू-कश्मीर की 10 टीमें हिस्सा लेंगी जो क्षेत्र की उभरती क्रिकेट प्रतिभाओं को मंच प्रदान करेंगी।

टूर्नामेंट में मुलान स्पोर्ट्स क्लब, शाइन स्टार वॉरियर्स, रहाड़ी किंग्स 11, तंत्रे स्पोर्ट्स क्लब, हंटर क्रिकेट टीम, टाइगर इलेवन, एपेक्स क्रिकेट क्लब, जेंटल जायंट्स, ग्रीन स्टार भद्रवाह और मावेरिक्स क्रिकेट क्लब शामिल हैं।

मैचों में निष्पक्षता बनाए रखने के लिए अंपायर हर्ष नागर और दीपक गुप्ता की नियुक्ति की गई है जबकि स्कोरर की जिम्मेदारी सुरिंदर कुमार निभाएंगे।

टूर्नामेंट में विजेता टीम को 1,00,000 रुपये और ट्रॉफी जबकि उपविजेता को 50,000 रुपये और ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। मैन ऑफ द सीरीज को 5,000 रुपये और मैन ऑफ द मैच विजेताओं सहित विजेता टीम के खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह दिए जाएंगे। जेकेएमजीए के अध्यक्ष रणजीत सिंह चिब ने कहा कि यह टूर्नामेंट जमीनी स्तर पर क्रिकेट को बढ़ावा देने और युवाओं को प्रतिस्पर्धात्मक मंच देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। वहीं महासचिव नीते कौर ने सभी व्यवस्थाओं के पूर्ण होने की जानकारी दी। टूर्नामेंट के समन्वयक रमन आयोजन की देखरेख कर रहे हैं। आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि रणजी ट्रॉफी या जेकेसीए/बीसीसीआई से मान्यता प्राप्त प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे खिलाड़ी इसमें हिस्सा नहीं ले सकेंगे। यह टूर्नामेंट जम्मू-कश्मीर में खेल संस्कृति को मजबूत करने और युवा क्रिकेटरों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय पहल माना जा रहा है।

वाइब्रेंट विलेज योजना की समीक्षा, डीसी ने योजनाओं के 100 प्रतिशत लाभ पर दिया जोर

कठुआ, 03 अप्रैल (हि.स.)। उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने शुक्रवार को डीसी कार्यालय परिसर में बैठक कर वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 के तहत चिन्हित छह सीमावर्ती गांवों के एक्शन प्लान की समीक्षा की। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा तैयार ड्राफ्ट योजनाओं और प्रगति की जानकारी दी गई। उपायुक्त ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं का 100 प्रतिशत लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाया जाए, ताकि कोई भी लाभार्थी वंचित न रहे। उन्होंने विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने, संसाधनों के बेहतर उपयोग और योजनाओं को जमीन से जुड़ा, परिणाम आधारित और समयबद्ध बनाने पर जोर दिया। साथ ही अधिकारियों को फील्ड स्तर पर सत्यापन कर कमियों की पहचान करने और अंतिम छोर तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि बोबिया, कड़याला, गजनाल, करोल कृष्णा, रठुआ और गुज्जर चक्क गांवों को इस योजना के तहत चिन्हित किया गया है, जहां बुनियादी ढांचे और जनकल्याण योजनाओं के पूर्ण क्रियान्वयन पर फोकस किया जा रहा है। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गुड फ्राइडे पर सेंट पीटर कैथोलिक चर्च में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने जुलूस में लिया भाग

जम्मू, 03 अप्रैल (हि.स.)। सेंट पीटर कैथोलिक चर्च में आज गुड फ्राइडे के अवसर पर एक श्रद्धापूर्ण और भावुक जुलूस निकाला गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यह आयोजन यीशु मसीह के क्रूस पर चढ़ाए जाने की स्मृति में किया गया जो त्याग, प्रेम और मुक्ति के संदेश को दर्शाता है। यह जुलूस कैंडल चर्च चौक, क्रिश्चियन कॉलोनी से शुरू होकर रेजिडेंसी रोड और विवेकानंद चौक से होते हुए चर्च परिसर में संपन्न हुआ। पूरे मार्ग में श्रद्धालु प्रार्थना और मौन के साथ आगे बढ़ते रहे जिससे माहौल अत्यंत शांत और भावुक बना रहा।

कार्यक्रम के दौरान 'स्टेशंस ऑफ द क्रॉस' का मार्मिक मंचन भी किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने यीशु के कष्टों और बलिदान को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कई प्रतिभागी अपने कंधों पर क्रॉस उठाए हुए थे जिसे देखकर उपस्थित लोगों ने इसे अत्यंत भावुक दृश्य बताया।

इस अवसर पर सहायक पेरिश प्रीस्ट फादर ब्राबिन जैनी ने अपने संदेश में कहा कि क्रॉस ईश्वर के असीम प्रेम का प्रतीक है जो मानवता को पाप, नफरत और संघर्ष से बचाने के लिए दिया गया। उन्होंने कहा कि यह हमें जीवन की कठिनाइयों को समझने और उनसे उबरने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम के अंत में पेरिश प्रीस्ट फादर अरुल निर्मल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने जम्मू पुलिस, नगर निगम और मीडिया का शांतिपूर्ण आयोजन सुनिश्चित करने के लिए आभार व्यक्त किया। गुड फ्राइडे के इस पावन अवसर के बाद अब श्रद्धालु ईस्टर रविवार की तैयारी में जुट गए हैं जो यीशु मसीह के पुनरुत्थान और जीवन की विजय का प्रतीक है।

मानसर झील में नेशनल पेंटर्स कैंप का शुभारंभ

जम्मू, 03 अप्रैल (हि.स.)। भारतीय ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित नेशनल पेंटर्स कैंप का आज जेकेटीडीसी टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स मानसर झील में भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आईएफएए के अध्यक्ष राजिंदर मोहन सिंह छिन्ना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि डॉ. पी एस ग्रोवर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। तीन दिवसीय इस कला शिविर का आयोजन दिवंगत डॉ. बलदेव गंभीर की स्मृति में किया जा रहा है जो आईएफएए के आजीवन सदस्य रहे और ललित कला अकादमी सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित थे। इस कैंप में देश के विभिन्न हिस्सों से 11 वरिष्ठ और प्रतिष्ठित कलाकार भाग ले रहे हैं जिनमें जंग एस वर्मन, गगन शर्मा, वरिंदर पाल सिंह, धरमिंदर शर्मा, सुखपाल सिंह, रविंदर ढिल्लों, नरिंदर सिंह, के एस गिल, अतुल मेहरा, अजीत सिंह जब्बल और ओ पी शर्मा शामिल हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान डॉ. बलदेव गंभीर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके कला क्षेत्र में योगदान को याद किया गया। वक्ताओं ने उन्हें एक महान कलाकार और विनम्र व्यक्तित्व के रूप में याद किया।

इस मौके पर सभी प्रतिभागी कलाकारों को सम्मानित भी किया गया। कैंप के दौरान सभी कलाकार डॉ. बलदेव गंभीर की स्मृति में एक-एक कला कृति तैयार करेंगे जो उन्हें श्रद्धांजलि स्वरूप समर्पित की जाएगी। यह कला शिविर क्षेत्र में कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ कलाकारों के बीच रचनात्मक आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

एसएसपी को भावभीनी विदाई, उत्कृष्ट सेवाओं के लिए किया गया सम्मानित

डोडा, 03 अप्रैल। जिले के युवा संगठन यूथ एक्शन कमेटी (वाईएसी) की ओर से स्थानांतरित हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डोडा को एक गरिमामय समारोह के दौरान भावभीनी विदाई दी गई। जिला मुख्यालय में आयोजित इस सम्मान समारोह में एसएसपी को उनके उत्कृष्ट कार्यकाल और जनसेवा के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वाईएसी के चेयरमैन एवं भद्रवाह के सलाहकार नसीर महबूब ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एसएसपी को प्रशंसा पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इसके साथ ही उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें पारंपरिक शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने एसएसपी के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ पुलिस और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई।

साधना सप्ताह के तहत जीडीसी महानपुर में एआई पर व्याख्यान, छात्रों को नई तकनीक से जोड़ा

कठुआ, 03 अप्रैल (हि.स.)। साधना सप्ताह के अंतर्गत गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज महानपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 2 से 8 अप्रैल तक मनाए जा रहे साधना सप्ताह के तहत प्राचार्य डॉ. संगीता सुदान के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

व्याख्यान कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रमुख प्रो. गगनदीप सिंह ने दिया। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास क्रम, मूल सिद्धांतों और वर्तमान दौर में इसके बढ़ते प्रभाव को सरल भाषा में समझाया। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग और दैनिक जीवन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोगों पर भी प्रकाश डाला। प्रो. सिंह ने छात्रों को इस क्षेत्र में रुचि विकसित करने और आधुनिक तकनीकी कौशल हासिल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मोहिंदर नाथ शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्रों व स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. बिंटी शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

राणा ने डॉ. फारूक अब्दुल्ला से की मुलाकात, विकास कार्यों पर हुई चर्चा

जम्मू, 03 अप्रैल (हि.स.)। जल शक्ति, वन, पर्यावरण एवं जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने शुक्रवार को जम्मू में नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला से उनके आवास पर मुलाकात की।

इस दौरान राणा ने अपने विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास पहलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा समावेशी विकास और आम जनता के कल्याण के लिए विभिन्न स्तरों पर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुलाकात के दौरान राणा ने डॉ. अब्दुल्ला को शाहान-ए-गुज्जर, जिसमें गुज्जर समुदाय के इतिहास का उल्लेख है, तथा फ़शख्स, शख्सियत और खिदमातफ़ (लेखकरू डॉ. मसूद ए. चैधरी) की प्रतियां भी भेंट कीं।

6.18 ग्राम हेरोइन के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार, स्कूटी जब्त

कठुआ, 03 अप्रैल (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए हीरानगर थाना क्षेत्र में एक नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 6.18 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी की स्कूटी भी मौके पर जब्त की है।

जानकारी के अनुसार थाना हीरानगर की पुलिस टीम ने गुड़ाह बेलदारियां लिंक रोड पर नाका लगाकर जांच के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका।

पूछताछ के दौरान उसने अपनी पहचान परशोतम कुमार उर्फ सोनू निवासी ढक्की, तहसील हीरानगर के रूप में बताई। तलाशी लेने पर उसके पास से चिट्टा जैसा नशीला पदार्थ बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना हीरानगर में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है और नशे की सप्लाई से जुड़े अन्य लिंक खंगाले जा रहे हैं।

पशु तस्करी नाकाम पुलिस ने वाहन जब्त कर पांच मवेशी बचाए

पुंछ 03 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में मवेशियों की अवैध ढुलाई नाकाम करने के लिए पुलिस दिन-रात प्रयास कर रही है। अवैध गतिविधियों के खिलाफ जारी अभियान में जिला पुलिस पुंछ को मवेशियों की अवैध ढुलाई रोकने में सफलता मिली है।

नियमित जांच के दौरान पुलिस की एक टीम ने चांदीमढ़ में रजिस्ट्रेशन नंबर जेके12ए-0688 वाले एक टाटा मोबाइल वाहन को रोका जो बुफ़लियाज से कश्मीर की ओर जा रहा था। जांच के दौरान वाहन में बिना किसी वैध अनुमति के पांच मवेशी ले जाए जा रहे थे, जो मौजूदा नियमों और विनियमों का उल्लंघन था।

वाहन के चालक को मौके पर ही गिरफ़्तार कर लिया गया और वाहन के साथ-साथ मवेशियों को भी कब्ज़े में केर लिया गया। इस संबंध में मामले का संज्ञान लिया गया है और क़ानून के अनुसार आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

स्कूली शिक्षा निदेशक ने श्रीनगर के कई स्कूलों में अचानक निरीक्षण किया

श्रीनगर, 03 अप्रैल (हि.स.)। कश्मीर स्कूल शिक्षा निदेशक, नसीर अहमद वानी ने आज श्रीनगर के कई स्कूलों में सुबह स्कूल खुलने के पहले आधे घंटे के भीतर अचानक निरीक्षण किया। उनका मुख्य उद्देश्य समय की पाबंदी, अनुशासन और संस्थागत जवाबदेही सुनिश्चित करना था।

इन दौरों के दौरान एसईके निदेशक ने शिक्षण कर्मचारियों की उपस्थिति पर बारीकी से नजर रखी और महत्वपूर्ण शुरुआती समय में स्कूलों के समग्र कामकाज का आकलन किया। उन्होंने सरकारी मिडिल स्कूल अलूची बाग का दौरा किया जहां उन्होंने व्यक्तिगत रूप से कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच की और बाद में छात्रों के साथ सुबह की प्रार्थना में शामिल हुए।

कर्मचारियों से बातचीत करते हुए निदेशक ने इस बात पर जोर दिया कि स्कूल खुलने के शुरुआती क्षण पूरे दिन का माहौल तय करते हैं और इसलिए उनमें अनुशासन, प्रतिबद्धता और उद्देश्य की भावना झलकनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि सुबह की सभाएं पूरे उत्साह के साथ आयोजित की जाएं जिसमें नैतिक और मूल्य-आधारित शिक्षा को एक आवश्यक घटक के रूप में शामिल किया जाए।

व्यवस्थित शैक्षणिक कार्यप्रणाली के महत्व पर जोर देते हुए वानी ने कहा कि सभी शिक्षण-अधिगम गतिविधियाँ संगठित तरीके से और विभाग द्वारा निर्धारित शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार ही संचालित की जानी चाहिए। नियमित निगरानी के महत्व को दोहराते हुए निदेशक ने कश्मीर मंडल के सभी क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों का सौ प्रतिशत निरीक्षण सुनिश्चित करें और निदेशालय को साप्ताहिक रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। निदेशालय क्षेत्र के सभी विद्यालयों में जवाबदेही को मजबूत करने, शैक्षणिक मानकों में सुधार करने और अनुशासित एवं मूल्य-आधारित शैक्षिक वातावरण को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है।

एसीबी ने उड़ी के नायब तहसीलदार और पटवारी के खिलाफ 50,000 रुपये रिश्वत मामले में आरोप पत्र किया दाखिल

श्रीनगर, 03 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के भ्रष्टाचार-विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को बारामूला जिले के उड़ी के एक नायब तहसीलदार और एक पटवारी के खिलाफ राजस्व दस्तावेज उपलब्ध कराने के बदले रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में आरोप पत्र दाखिल किया है।

अधिकारियों ने बताया कि एक आरोपी को 50,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। एक प्रवक्ता ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के भ्रष्टाचार-विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने दो लोक सेवकों, तत्कालीन नायब तहसीलदार उड़ी अल्ताफ हुसैन खान और पटवारी हलका उड़ी प्रदीप कुमार के खिलाफ रिश्वतखोरी/फंसाने के मामले में माननीय न्यायालय के समक्ष आरोप पत्र प्रस्तुत किया है। इन दोनों पर एसीबी थाने बारामूला की एफआईआर संख्या 12-2024 में संलिप्तता का आरोप है।

उन्होंने बताया कि 11.09.2023 को एसीबी को बारामूला जिले के उड़ी निवासी से शिकायत मिली जिसमें आरोप लगाया गया था कि उसने 10 मरला जमीन खरीदी और उस पर घर बनाया। विक्रेता से विवाद होने के कारण शिकायतकर्ता ने आवश्यक राजस्व दस्तावेजों के लिए उड़ी तहसील कार्यालय से संपर्क किया।

आरोप है कि आरोपी अधिकारियों ने आवश्यक रिपोर्ट/दस्तावेज उपलब्ध कराने के बदले में 10 लाख रुपये की रिश्वत की मांग कीजिसे बाद में बातचीत के बाद 1 लाख रुपये में कम कर दिया गया। प्रवक्ता ने बताया कि भ्रष्टाचार के आगे न झुकते हुए, शिकायतकर्ता ने कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए एसीबी बारामूला पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई। सत्यापन के बाद मामला दर्ज किया गया और जाल बिछाया गया।

ऑपरेशन के दौरान आरोपी अल्ताफ हुसैन खान को शिकायतकर्ता से 50,000 रुपये की रिश्वत मांगते और लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि रिश्वत की राशि उसके पास से बरामद की गई और उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में माननीय न्यायालय द्वारा उन्हें समय-समय पर पुलिस/न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

जांच में प्रथम दृष्टया दोनों आरोपी अधिकारियों की संलिप्तता सिद्ध हो गई है जिसमें पटवारी प्रदीप कुमार की भूमिका भी शामिल है जो जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों पर आधारित है। प्रवक्ता ने कहा कि जांच पूरी होने और जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश सरकार से अभियोजन के लिए आवश्यक स्वीकृति प्राप्त करने के बाद एसीबी ने आज दोनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 और धारा 12 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 61 के साथ पढ़ी जाने वाली धारा के तहत बारामूला स्थित माननीय विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार विरोधी न्यायालय के समक्ष आरोप पत्र (चालान) दाखिल किया है।

उन्होंने कहा कि माननीय न्यायालय ने इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 02/05/2026 तय की है।

कठुआ में अवैध लकड़ी तस्करी पर शिकंजा, 116 लॉग से भरा ट्रक जब्त

कठुआ, 03 अप्रैल (हि.स.)। अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कठुआ पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लकड़ी से भरा एक ट्रक जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार जम्मू से पंजाब की ओर जा रहे ट्रक नंबर जेके02डीडी-9719 को जांच के लिए रोका गया। तलाशी के दौरान ट्रक में करीब 116 लकड़ी के बड़े-बड़े लॉग पाए गए। इसके बाद पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई के लिए वन विभाग को सौंप दिया। वन विभाग कठुआ के रेंज अधिकारी डॉ. नितिन खजुरिया ने बताया कि ट्रक के पास लकड़ी के परिवहन से संबंधित अनुमति पत्र मौजूद था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह ट्रक सुंदरबनी क्षेत्र से आ रहा था और हटली मोड़ की ओर जा रहा था। उन्होंने कहा कि लकड़ी की वैधता और दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

कश्मीर के फल उद्योग को राष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने की पहल तेज

जम्मू, 03 अप्रैल (हि.स.)। कश्मीर घाटी के प्रसिद्ध फल उद्योग और पार्सल व्यापार को राष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने के उद्देश्य से जम्मू मंडल में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रेलवे बोर्ड के अतिरिक्त सदस्य (वाणिज्य) ने की जिसमें वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जम्मू उचित सिंघल, कश्मीर के पार्सल व्यापारी, प्रमुख फल उत्पादक और कार्गो एग्रीगेटर्स शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य कश्मीर क्षेत्र से पार्सल ट्रैफिक बढ़ाने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार करना रहा। इस दौरान चेरी और अन्य नाशवान फलों के परिवहन के लिए सड़क मार्ग के बजाय रेल को एक विश्वसनीय, समयबद्ध

और किफायती विकल्प के रूप में स्थापित करने पर जोर दिया गया। चर्चा के दौरान बडगाम से सुबह 6-15 बजे चलने वाली जेपीपी-आरसीएस पार्सल ट्रेन के अधिकतम उपयोग पर बल दिया गया जो बाड़ी ब्राह्मणा और अंबाला कैंट के रास्ते अगले दिन सुबह 5-30 बजे आदर्श नगर, दिल्ली पहुंचती है।

इससे फलों की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित हो सकेगी। बैठक में यह भी सहमति बनी कि छोटे व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के लिए कार्गो एग्रीगेटर्स के साथ समन्वय बढ़ाया जाएगा, ताकि छोटे-छोटे पार्सल को एकत्रित कर रेल के माध्यम से भेजा जा सके। इसके अलावा बडगाम रेलवे स्टेशन, श्रीनगर रेलवे स्टेशन और पंपोर रेलवे स्टेशन पर लोडिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को उन्नत करने की योजना भी साझा की गई।रेलवे प्रशासन ने पार्सल सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिस्पर्धी भाड़ा दरें और थोक बुकिंग पर रियायतें देने का भी प्रस्ताव रखा। इस अवसर पर उचित सिंघल ने कहा कि कश्मीर के उत्पादों की वैश्विक पहचान है

आम जनता पर सख्ती, सरकारी विभागों पर नरमी का आरोप; 3000-4000 करोड़ बकाया पर उठे सवाल

जम्मू, 03 अप्रैल (हि.स.)। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बाली भगत ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अगुवाई वाली सरकार पर बिजली बकाया और कथित भेदभावपूर्ण वसूली नीति को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसे जनविरोधी और पक्षपातपूर्ण करार देते हुए सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। जारी बयान में भगत ने कहा कि जहां आम उपभोक्ताओं को मामूली देरी पर नोटिस, जुर्माना और कनेक्शन काटने जैसी कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है, वहीं सरकारी विभागों पर हजारों करोड़ रुपये का बकाया होने के बावजूद कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही। उन्होंने दावा किया कि यह बकाया राशि करीब 3000 से 4000 करोड़ रुपये के बीच है।

उन्होंने कहा कि जल शक्ति, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण और शहरी स्थानीय निकाय जैसे विभाग बिजली के बड़े उपभोक्ता होने के बावजूद समय पर भुगतान नहीं कर रहे जिससे बिजली क्षेत्र पर भारी वित्तीय बोझ पड़ रहा है। भगत ने आरोप लगाया कि सरकार फ़चयनात्मक कार्रवाईफ़ की नीति अपना रही है, जिसमें छोटे उपभोक्ताओं पर सख्ती दिखाई जाती है जबकि बड़े सरकारी डिफॉल्टरों को नजरअंदाज किया जाता है। उन्होंने इसे प्रशासनिक विफलता और जवाबदेही की कमी बताया।

उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि विभागवार बकाया राशि सार्वजनिक की जाए, पारदर्शी वसूली तंत्र लागू किया जाए और सभी उपभोक्ताओं के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन्होंने बिजली संकट, अनियमित आपूर्ति और वित्तीय कुप्रबंधन जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देने की अपील की।

ग्रीन कैंपस फॉर क्लीन एयर' अभियान के तहत पौधारोपण

जम्मू, 03 अप्रैल (हि.स.)। वायु प्रदूषण से निपटने और कश्मीर की हरित विरासत को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए पारस हेल्थ और कश्मीर कंसर्न ने 'ग्रीन कैंपस फॉर क्लीन एयर' अभियान को गांदरबल जिले तक विस्तार दिया। इस पहल के तहत विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस चरण में पांच सरकारी स्कूलों और गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज गंदरबल में 50 चिनार के पौधे लगाए गए जो कश्मीर की पारिस्थितिक और सांस्कृतिक पहचान माने जाते हैं। इसके साथ ही फलदार और छायादार प्रजातियों के सैकड़ों अन्य पौधे भी रोपे गए।

अभियान में छात्रों, शिक्षकों, पर्यावरण कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह पौधारोपण रेयान पब्लिक स्कूल, रिवर हिल एजुकेशन इंस्टीट्यूट, गवर्नमेंट मिडिल स्कूल हकीम गुंड समेत अन्य संस्थानों में किया गया। अभियान का नेतृत्व कर रहे डॉ. तौसीफ भट ने कहा कि चिनार केवल एक पेड़ नहीं बल्कि कश्मीर की जीवित धरोहर है। उन्होंने बताया कि इस पहल का उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा उपलब्ध कराना और हर शैक्षणिक परिसर को फ़ग्रीन लंगफ़ बनाना

वहीं पारस हेल्थ के प्रवक्ता ने कहा कि वायु गुणवत्ता का सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है और यह अभियान प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय स्कूलों और पॉलिटेक्निक कॉलेज के स्टाफ ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि ये पेड़ भविष्य में छाया देने के साथ-साथ पर्यावरण शिक्षा का भी माध्यम बनेंगे। गौरतलब है कि 'ग्रीन कैंपस फॉर क्लीन एयर' अभियान के तहत पहले ही कश्मीर के कई जिलों में पौधारोपण किया जा चुका है।

संपादकीय

एक बहुत बड़ा बयान

हालांकि नेशनल कॉन्फ्रेंस का इतिहास उतार-चढ़ाव भरा रहा है, लेकिन इसके नेतृत्व की नीयत हमेशा जनहित में रही है। सामाजिक न्याय के लिए इस पार्टी के प्रयासों का सबसे अच्छा उदाहरण इसके संस्थापक शेख मोहम्मद अब्दुल्ला द्वारा 1950 में उठाया गया कदम है, जब वे उस समय जम्मू-कश्मीर के प्रधानमंत्री थे और उन्होंने 'लैंड टू टिलर लॉ 1950' लागू किया। इस कानून के तहत जमींदारों की भूमि स्वामित्व सीमा 22.75 एकड़ तक सीमित कर दी गई और अतिरिक्त भूमि राज्य द्वारा अधिग्रहित कर किसानों टिलर्स में बांट दी गई। सबसे दिलचस्प बात यह थी कि किसानों को मिली इस जमीन के लिए कोई मुआवजा नहीं देना पड़ा, जो लगभग 1.23 एकड़ प्रति किसान थी। हालांकि इस कानून की कई लोगों ने आलोचना की, लेकिन कुल मिलाकर इसने तत्कालीन राज्य के गरीब किसानों के जीवन की दिशा बदल दी और यह कृषि न्याय के इतिहास में एक मील का पत्थर बन गया।

इस साहसिक निर्णय का प्रभाव केवल आर्थिक नहीं था, बल्कि सामाजिक भी था, क्योंकि इसने सबसे वंचित वर्गों को सशक्त बनाया और उन्हें गरिमा तथा स्वामित्व का अहसास कराया। इसने नेतृत्व और जनता के बीच विश्वास की नींव रखी, जिसे आज भी याद किया जाता है। ऐसे ऐतिहासिक कदम यह दर्शाते हैं कि मजबूत इरादों के साथ लिया गया निर्णायक शासन कैसे पीढ़ियों की तकदीर बदल सकता है और एक अधिक न्यायसंगत समाज का निर्माण कर सकता है।

अब लगभग 75 वर्षों के बाद, वही नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी एक बार फिर लोगों के जीवन में बदलाव लाने का मौका रखती है, विशेषकर क्षेत्र के हजारों दैनिक वेतनभोगियों और शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए। पिछले कई वर्षों में केंद्र शासित प्रदेश में विभिन्न दलों की सरकारों से निराशा झेलने के बाद, लोगों ने अंततः एनसी नेतृत्व पर भरोसा जताया है और उन्हें शासन चलाने का जनादेश दिया है। इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि मुख्यमंत्री ओमर अब्दुल्ला लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए क्रांतिकारी कदम उठाएं।

यह अच्छा है कि मुख्यमंत्री ने विधानसभा में आश्वासन दिया है कि दैनिक वेतनभोगियों को चालू वित्तीय वर्ष के दौरान चरणबद्ध तरीके से नियमित किया जाएगा और उपलब्ध 28,000 में से 25,000 रिक्तियों को इस वर्ष पारदर्शी तरीके से भरने का लक्ष्य रखा गया है। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा में किए गए ये वादे काफी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यदि इन्हें समय पर पूरा किया गया, तो ये क्षेत्र के एक लाख से अधिक लोगों के जीवन में खुशियां ला सकते हैं और शासन में विश्वास बहाल कर सकते हैं।

इसलिए कहा जा सकता है कि ये वास्तव में बड़े बयान हैं, और जरूरत इस बात की है कि जम्मू-कश्मीर की सरकार इन्हें हकीकत में बदलने के लिए हरसंभव प्रयास करे और यह साबित करे कि नेशनल कॉन्फ्रेंस एक अलग तरह की पार्टी है, क्योंकि पहले सत्ता में रही अन्य पार्टियां ऐसे आश्वासनों को वास्तविकता में बदलने में असफल रही हैं। एनसी सरकार के सामने चुनौतियां जरूर होंगी, क्योंकि मुद्दे जटिल और पेचीदा हैं, लेकिन अच्छे इरादों, मजबूत संकल्प और समयबद्ध क्रियान्वयन के साथ इन चुनौतियों को पार किया जा सकता है और नए मानक स्थापित किए जा सकते हैं।

पचास फीसद सीट वृद्धि पर भ्रामक है कांग्रेस का विमर्श

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वर्तमान बजट सत्र के दौरान लोकसभा की सीटों में पचास प्रतिशत वृद्धि के संभावित प्रस्ताव को लेकर देश की राजनीति में एक नया विमर्श खड़ा किया जा रहा है।

मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इसे दक्षिण और छोटे राज्यों के खिलाफ एक साजिश के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की है, परंतु इस पूरे मुद्दे का विश्लेषण यह संकेत देता है कि यह विमर्श तथ्यों से अधिक आशंकाओं और राजनीतिक पूर्वाग्रहों पर आधारित है। इसे कांग्रेस की नासमझी की पराकाष्ठा कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा!

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि भारत की संसद और विशेष रूप से लोकसभा की संरचना समय के साथ स्थिर नहीं रही है, इसमें कई महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। 1952 में पहली लोकसभा के गठन के समय कुल सीटों की संख्या 489 थीं, 1957 में सीटों की संख्या बढ़कर 494 हो गई। 1967 के परिसीमन के बाद सीटों की संख्या बढ़कर 520 कर दी गई जोकि 1973 (31वां संविधान संशोधन) जब सीटों की संख्या में बड़ी वृद्धि की गई। 1971 की जनगणना के आधार पर 1977 तक सीटों को 525 से बढ़ाकर 545 (543 निर्वाचित + 2 मनोनीत) कर दिया गया। वस्तुत- कांग्रेस को यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि यह वृद्धि देश की बढ़ती जनसंख्या और प्रतिनिधित्व की आवश्यकता को ध्यान में रखकर की गई थी।

इसके बाद 42वां संविधान संशोधन (1976) के तहत परिसीमन की प्रक्रिया को वर्ष 2001 तक स्थगित कर दिया गया।

बाद में 84वां संविधान संशोधन के माध्यम से इस स्थगन को 2026 तक बढ़ा दिया गया। इसका उद्देश्य था कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के प्रयास किए हैं, उन्हें प्रतिनिधित्व में नुकसान न हो। यही संदर्भ बताता है कि संसद की सीटों का निर्धारण एक जटिल और संतुलित प्रक्रिया है, न कि किसी एक सरकार की मनमानी का परिणाम। ऐसे में कांग्रेस द्वारा यह आरोप लगाना कि नरेंद्र मोदी सरकार जबरन पचास फीसद सीट वृद्धि का बिल ला रही है, तथ्यों से परे प्रतीत होता है।

नए संसद भवन में लोकसभा के लिए 888 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था की गई है, जो भविष्य में होने वाली संभावित वृद्धि की ओर संकेत करती है। अब वर्तमान में 2026 के बाद होने वाली पहली जनगणना के आधार पर सीटों की संख्या को 543 से बढ़ाकर 800+ करने के प्रस्तावों पर चर्चा चल रही है। जिसमें कि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अपने बयान में दक्षिणी राज्यों को संभावित नुकसान की बात कही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु की सीटों का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया, परंतु उनका यह तर्क अधूरा है क्योंकि यह केवल संख्यात्मक वृद्धि को देखता है, प्रतिनिधित्व के व्यापक सिद्धांत को नहीं।

वस्तुत- वे कैसे भूल सकते हैं कि लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व का मूल आधार जनसंख्या होती है। यदि किसी राज्य की जनसंख्या अधिक है तब स्वाभाविक रूप से उसके प्रतिनिधियों की संख्या भी अधिक होगी। यह सिद्धांत न सिर्फ भारत में बल्कि विश्व के अधिकांश लोकतंत्रों में लागू होता है। ऐसे में यदि उत्तर प्रदेश की सीटें 80 से बढ़कर 120 होती हैं और तमिलनाडु की 39 से 59 तो यह वृद्धि अनुपातिक ही मानी जाएगी।

इसके अलावा, यह भी ध्यान देने योग्य है कि प्रस्तावित वृद्धि सभी राज्यों में समान प्रतिशत (50फीसद) के आधार पर की जा रही है। इससे किसी भी राज्य के वर्तमान अनुपात में तत्काल कोई बदलाव नहीं होगा। कांग्रेस का यह दावा कि इससे गहरे प्रभाव होंगे, अधिकतर काल्पनिक आशंकाओं पर आधारित है। मनीष तिवारी ने भी इस मुद्दे पर चिंता जताते हुए परिसीमन को फ्रीज करने या नया फार्मूला खोजने की बात कही है, किंतु यह दृष्टिकोण भी व्यवहारिक नहीं लगता। यदि जनसंख्या बढ़ रही है और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को प्रभावी बनाना है, तब सीटों की संख्या बढ़ाना एक स्वाभाविक और आवश्यक कदम है।

महिला आरक्षण के संदर्भ में भी इस प्रस्ताव को देखा जाना चाहिए। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के लिए सीटों की संख्या बढ़ाना एक व्यावहारिक समाधान हो सकता है। इससे वर्तमान प्रतिनिधियों की सीटें सुरक्षित रहने के साथ ही नए अवसर भी पैदा होंगे। वहीं कांग्रेस का यह तर्क देना कि इससे दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों को नुकसान होगा, एक प्रकार से क्षेत्रीय असंतोष को बढ़ावा देने का प्रयास प्रतीत होता है। जबकि वास्तविकता यह है कि परिसीमन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है, जोकि सभी राज्यों के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेता है। अरे, इसका तो गठन ही जनगणना के आधार पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का निर्धारण करने के लिए होता है। जिसे स्वयं राष्ट्रपति अनुच्छेद 82 के अंतर्गत करते हैं।

इस संबंध में अब तक एतिहासिक संदर्भ यही बताते हैं कि संसद में परिवर्तन हमेशा व्यापक सहमति और संवैधानिक प्रक्रिया के तहत हुए हैं। चाहे वह 1976 का संशोधन हो या 2001 का, सभी निर्णयों का उद्देश्य देश की एकता और लोकतांत्रिक संतुलन को बनाए रखना रहा है। आज जब भारत विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति के रूप में उभर रहा है, तब संसद की संरचना को भी समय के अनुसार विकसित करना आवश्यक है। जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना वर्तमान भारतीय लोकतांत्रिक आवश्यकता है, निश्चित ही यह शासन की प्रभावशीलता को भी बढ़ाएगा।

महिला आरक्षण के संदर्भ में भी इस प्रस्ताव को देखा जाना चाहिए। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के लिए सीटों की संख्या बढ़ाना एक व्यावहारिक समाधान हो सकता है। इससे वर्तमान प्रतिनिधियों की सीटें सुरक्षित रहने के साथ ही नए अवसर भी पैदा होंगे।

कुल सार रूप में यहां कहना यही है कि आज कांग्रेस का इस मुद्दे पर खड़ा किया गया विमर्श तथ्यों की बजाय राजनीतिक आशंकाओं पर आधारित है। संसद की सीटों में वृद्धि एक दीर्घकालिक और आवश्यक सुधार है, जिसे क्षेत्रीय दृष्टिकोण से नहीं बल्कि राष्ट्रीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए, इसलिए जरूरी यह है कि इस विषय पर गंभीर और तथ्यात्मक चर्चा हो, न कि भ्रम और भय फैलाने वाली राजनीति। हम सतत एक मजबूत, संतुलित और समावेशी लोकतंत्र की दिशा में आगे बढ़ते रहें, इसके लिए यही आवश्यक है कि देश में राजनीतिक या सामाजिक स्तर पर कोई झूठा नैरेटिव न गढ़े, जोकि इस वक्त कांग्रेस गढ़ती हुई दिखाई दे रही है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

वैश्विक सहयोग- ग्लोबल साउथ की आवाज

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

नई तकनीकी क्रांति के इस दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वैश्विक शक्ति संतुलन, आर्थिक निवेश और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाला परिवर्तनकारी उपकरण बन चुका है। देश की राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने यह संकेत स्पष्ट कर दिया कि भारत इस परिवर्तन के केंद्र में स्वयं को स्थापित कर रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार यह आयोजन भव्य रूप से सफल रहा और देश को एआई क्षेत्र में 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। यह आंकड़ा आज सिर्फ आर्थिक भरोसे का संकेत नहीं है, यह तो वैश्विक मंच पर भारत की नीति-दृष्टि की स्वीकृति को रेखांकित करता है।

मानव-केंद्रित एआई - भारत की विशिष्ट पहचान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मानव एआई की परिकल्पना इंसानों का, इंसानों द्वारा और इंसानों के लिए एआई को व्यापक वैश्विक समर्थन मिला। इस दृष्टि का सार यह है कि एआई का विकास केवल व्यावसायिक लाभ या तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित न रहे, बल्कि सामाजिक कल्याण, नैतिक मानकों और समावेशी विकास को प्राथमिकता दे। समिट में 70 से अधिक देशों ने अंतिम घोषणा पर हस्ताक्षर किए, जोकि पिछले सम्मेलन से अधिक संख्या है। वस?तुत- यह तथ्य दर्शाता है कि जिम्मेदार और नैतिक एआई पर भारत की पहल को बहुपक्षीय समर्थन प्राप्त हुआ है।

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अवसंरचना से जुड़े निवेश प्रस्ताव 250 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुके हैं, जबकि डीप-टेक और वेंचर कैपिटल निवेश प्रतिबद्धताएं लगभग 20 अरब डॉलर तक पहुंच गई हैं। इन प्रतिबद्धताओं का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि एआई अवसंरचना में उच्च क्षमता वाले डेटा सेंटर, क्लाउड कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर निर्माण और साइबर सुरक्षा जैसे घटक शामिल होते हैं।

यह निवेश संकेत देता है कि भारत केवल उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि एआई समाधान विकसित करने वाला वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सीमित संसाधनों के बावजूद भारतीय इंजीनियरों और शोधकर्ताओं द्वारा विकसित उच्च गुणवत्ता वाले मॉडल उद्योग जगत के लिए आश्चर्य का विषय बने हैं।

समिट में 5 लाख से अधिक आगंतुकों ने भाग लिया। विश्व के लगभग सभी प्रमुख एआई प्रतिष्ठानों, उद्योग दिग्गजों और स्टार्टअप्स की भागीदारी ने इसे वैश्विक मंच का रूप दिया। प्रदर्शनी में नई तकनीकों, नवाचारों और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का प्रदर्शन हुआ। मंत्रिस्तरीय संवाद, लीडर्स प्लेनरी और उद्घाटन सत्रों में चर्चाओं की गुणवत्ता को असाधारण बताया गया।

ढाई लाख विद्यार्थियों की भागीदारी के साथ एक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बना, जो यह दर्शाता है कि भारत एआई को युवा शक्ति से जोड़ने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह भागीदारी भविष्य की कौशल संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक ठोस कदम है।

एआई स्टैक और सॉवरेन मॉडल- रणनीतिक आत्मनिर्भरता

भारत ने एआई स्टैक की पांच परतों के निर्माण की नीति अपनाई है, जिसमें डेटा, प्लेटफॉर्म, मॉडल, एप्लिकेशन और गवर्नेंस शामिल हैं। सॉवरेन बुके मॉडल की अवधारणा का उद्देश्य देश के लिए स्वदेशी एआई क्षमताओं का विकास करना है, जिससे रणनीतिक निर्भरता कम हो सके।

एआई सुरक्षा के लिए 12 संस्थानों का नेटवर्क तैयार किया गया है, जो मानकों, शोध और परीक्षण पर कार्य कर रहा है। सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन को सुदृढ़ करने के लिए पैक्स सिलिका समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह पहल चिप निर्माण और संपूर्ण सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

एआई का व्यावहारिक उपयोग- भारत की बढ़त

अमेरिकी कंपनी ओपनएआई के अनुसार तकनीकी कार्यों के लिए चैटजीपीटी के उपयोग में भारत वैश्विक औसत से काफी आगे है। भारत में डेटा विश्लेषण का उपयोग वैश्विक औसत से लगभग चार गुना अधिक है, जबकि कोडिंग के लिए कोडेक्स का उपयोग करीब तीन गुना ज्यादा है। भारतीय उपयोगकर्ता कोडिंग से जुड़े प्रश्न वैश्विक औसत की तुलना में तीन गुना अधिक पूछते हैं और शिक्षा से संबंधित प्रश्न लगभग दोगुने हैं। साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या 10 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जिससे भारत अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा बाजार बन गया है। कार्य से संबंधित उपयोग 35 प्रतिशत तक है, जो वैश्विक औसत से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि एआई को कार्यालयों में ड्राफ्टिंग, एडिटिंग, तकनीकी सहायता और डिबगिंग के लिए प्रभावी उपकरण के रूप में अपनाया जा रहा है।

18 से 24 वर्ष आयु वर्ग कुल संदेशों का लगभग आधा हिस्सा भेजता है, जबकि 18 से 34 वर्ष वर्ग 80 प्रतिशत उपभोक्ता संदेशों के लिए जिम्मेदार है। यह जनसांख्यिकीय प्रवृत्ति बताती है कि भारत की युवा आबादी तकनीकी परिवर्तन को तेजी से अपना रही है। भौगोलिक दृष्टि से तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे तकनीकी केंद्र कोडिंग क्षमताओं के उपयोग में अग्रणी हैं।

यह क्षेत्रीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की मजबूती को दर्शाता है।

कनाडा, स्विट्जरलैंड, ब्राजील और अन्य देशों के प्रतिनिधियों ने भारत की पहल की सराहना की। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला के नेतृत्व में आए बड़े प्रतिनिधिमंडल ने एआई, रक्षा, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में साझेदारी को ऐतिहासिक बताया। कनाडा के मंत्री इवान सोलोमन ने इसे सभी देशों के लिए खुला मंच बताया। यह सम्मेलन ग्लोबल साउथ के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि तकनीकी क्रांति में विकासशील देशों की भागीदारी सुनिश्चित करना वैश्विक असमानताओं को कम करने का माध्यम बन सकता है।

डब्ल्यूएचओ की पूर्व डिप्टी डायरेक्टर जनरल सौम्या स्वामीनाथन ने स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इमेज रिकग्निशन और पैटर्न एनालिसिस के माध्यम से एक्स-रे और पैथोलॉजी स्लाइड पढ़ने जैसे कार्य विशेषज्ञों की कमी वाले क्षेत्रों में सहायक हो सकते हैं। उन्होंने एआई उत्पादों के लिए क्लिनिकल ट्रायल, नियामक ढांचा और सुरक्षा मूल्यांकन की आवश्यकता पर जोर दिया।

उभरती हुई डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्वच्छ ऊर्जा

- श्री मनोहर लाल

प्राचीन प्रार्थना तमसो मा ज्योतिर्गमय - अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो - केवल आध्यात्मिक आकांक्षा भर नहीं, अपितुआधुनिक भारत की गाथा को भी दर्शाती है। बीते दशक में, कभी लगातार कमी से परिभाषित होने वाले विद्युत इकोसिस्टीम को दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते, सबसे वैविध्यतपूर्ण और सुधार-प्रेरित विद्युत बाज़ारों में से एक में परिवर्तित कर हमने इस आदर्श भावना को वास्तविकता में बदल दिया है।

जैसे-जैसे भारत स्वयं को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र, उभरती हुई डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित कर रहा है, वैसे-वैसेविद्युत क्षेत्र हमारी राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता की आधारशिला बन गया है।

पिछले दशक में, हमने उत्पादन और पारेषण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे राष्ट्रीय ऊर्जा की कमी वित्त वर्ष2013-14 में4.2% से घटकरवित्त वर्ष2025-26 तक मात्र0.03% रहगई है। केवल वित्त वर्ष2025-26 मेंही (जनवरी2026 तक), सभी स्रोतों से रिकॉर्ड 52.53 गीगावाट क्षमता जोड़ी गई है, जोएक ही वर्ष मेंजोड़ी गई अबतक कीसर्वाधिक क्षमता है, जिसने 2024-25 में स्थापित 34.05 गीगावाटके पिछले सर्वोच्च स्तर को भी पार कर लिया है। कुल विद्युत उत्पादन वित्तवर्ष2014 में1,020.2 बीयू से बढ़कर वित्त वर्ष2025 में1,830 बीयू होगया है। प्रति व्यक्ति खपत2014 में957 किलोवाट-घंटेसे बढ़कर2025 में1,460 किलोवाट-घंटाहो गई है, जोआर्थिक विकास और बेहतर पहुँच को दर्शाती है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि हर घर, खेत और उद्योग के पास उसकी आवश्यकता के अनुसार विश्वसनीय विद्युत उपलब्धह हो और भारत अब दुनिया मे विद्युत का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता बन गया है।

यद्यपि हम 520 गीगावाट से अधिक विद्युत उत्पायदित करने में सक्षम हैं, लेकिन किसीभी प्रणाली की असली परीक्षा अधिकतम मांगया पीक लोड को बिनाकिसी तरह के संचालनात्मक दबाव के संभाल सकने की उसकी क्षमता होती है। साल 2024 की गर्मियों में अधिकतम मांग रिकॉर्ड250 गीगावाटतक पहुँच गई थी और वित्त वर्ष2025-26 में यह242.49 गीगावाटर ही। इससे पहले मांग में इस तरह की वृद्धिसे ग्रिड पर दबाव पड़ सकता था, लेकिन हमारे लोड डिस्पैच केंद्रों ने लगभग शून्य ऊर्जा हानि के साथ इसे सफलतापूर्वक प्रबंधित किया। यह मजबूती दुनिया के सबसे बड़े समकालिक ग्रिडों में से एक के कारण संभव हुई है, जिसमें120 गीगावाटअंतर-क्षेत्रीय स्थानांतरण क्षमता है, जो देश को एक राष्ट्र-एक ग्रिड-एक फ्रीक्वेंसी में एकीकृत करती है।

प्रेरणादायक बात केवल यह नहीं है कि हम कितनी विद्युत का उत्पा दन करते हैं, बल्कि यह भी है कि हम उसे कैसे उत्पीदित करते हैं। गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारितक्षमता का अंशतेजी से बढ़ा है, जिसकी बदौलत भारत50% संचयी गैर-जीवाश्म ईंधनपर आधारित विद्युत क्षमता हासिल करने केअपने एनडीसी लक्ष्य को निर्धारित समय से लगभग पाँच वर्ष पहले ही हासिलकरने में समर्थ हो सका है।यह स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और जलवायु के प्रति हमारी संकल्पिबद्धता को दर्शाता है।

2014 से, मिशनमोड योजनाओं के माध्यम सेविद्युत क्षेत्र को नए रूप में ढाला गया है, जिन्होंने पहुँच का विस्तार करते हुए सतत परिवर्तन को भी गति दी है। दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजनाने भारत के हर गांवतक बिजली पहुँचायी, इसके बाद सौभाग्य योजना आई, जिसने लाखों घरोंको बिजली से रोशन किया और ऊर्जा तक पहुँच को सभीके लिए वास्तविकता बना दिया।

एकअन्य परिवर्तनकारी सुधार सितंबर2025 मेंसमान आईएसटीएस सब स्टेशनो पर सौर और गैर-सौर घंटों के लिए अलग-अलग कनेक्टिविटी की शुरुआत है। सौर परियोजनाओं को सौर घंटों के दौरान पहुँच मिलती है, जबकि भंडारण और पवन परियोजनाओं को गैर-सौर घंटों में पहुँच मिलती है। इससे बड़ी मात्रा में अप्रयुक्त पारेषण क्षमता का उपयोग संभव होता है, अतिरिक्त लाइनों की आवश्यकता के बिना नवीकरणीय और भंडारण परियोजनाओं के कमीशनिंग में तेजी आती है, पारेषण लागत घटती है और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होता है।

डिजिटल सशक्तिकरण हमारे आधुनिकीकरण कीगाथाका महत्वपूर्णअंशहै। संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत 3.03 लाख करोड़ रुपये के खर्च के साथ हम पूरे देश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लागू कररहे हैं, जिससे उपयोगिताओं और नागरिकों के बीच संबंधों में परिवर्तन आ रहा है। इस योजना के सकारात्मक परिणाम भी सामने आचुकेहैं-एटी एंड सी हानियां2021 में21.91ब्न सेघटकर2025 में15.04ब्न होगई हैं, औरप्रति यूनिट आपूर्ति पर अंडर-रिकवरी69 पैसेसे घटकर6 पैसेरह गई है।

जैसे-जैसेहमारी डिजिटल अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही है, भविष्य की मांग का पूर्वानुमान लगानाभी उतना हीमहत्वपूर्ण है,जितना कि वर्तमान मांग का प्रबंधन करना। डेटा सेंटर की क्षमता 2030 तक1.4 गीगावाट से बढ़कर 9 गीगावाट होने का अनुमान है, औरकेवल ये सुविधाएँ ही भारत की कुल विद्युत खपत के लगभग 3% का उपयोग कर सकतीहैं।

हमारा अगला लक्ष्य एआई, अनुसंधानएवं विकास और अन्य प्रौद्योगिकी-संचालित इकोसिस्टम से उत्पन्नविद्युतकी विशाल औरलगातार बढ़ती मांग कोनिरंतर रूपसे पूरा करना है। जैसे-जैसे नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार हो रहा है, ऊर्जा भंडारण अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत तेजी से बढ़ती डिजिटल अवसंरचनाको स्वच्छ ऊर्जा से संचालित करने के लिए पम्पडस्टोरेज परियोजनाओं और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों का बड़े पैमाने पर विकास कररहा है ।राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन भारत को स्वच्छ ईंधनों के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है, ग्रिड स्थिरता और नवीकरणीय ऊर्जा की अधिक पैठ को बढ़ावा दे रहा है।

हम परमाणु ऊर्जाके क्षेत्र मेंभी निर्णायक कदम उठा रहे हैं, जोकम कार्बन और विश्वसनीय पावर मिक्साका एक आवश्यक हिस्सा है।2047 तक100 गीगावाट परमाणु क्षमता का हमारा लक्ष्य और SHANTI अधिनियम, 2025, हमारी तकनीकी संप्रभुता को प्रमाणित करते हैं और निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए कानूनी व नीति गत ढाँचा तैयार करतेहैं। अब हमें जो चाहिए, औरजिसे यह समिट उत्प्रेरित कर सकता है, वहहै तकनीक, वित्तऔर आपूर्ति श्रृंखलाओं में वैश्विक साझेदारियाँ। विकसित भारत को ऊर्जा प्रदान करने, ग्लो बलसाउथ मेंविद्युतीकरण को तेज करने औरमजबूत, भविष्य-सक्षमऊर्जा तंत्र बनाने के लिए, हमें महत्वाकांक्षा तक सीमितन रह कर, समन्वित कार्रवाई की दिशा में आगे बढ़ना होगा।यही वह समय है जब सरकारें, उद्योग जगत के दिग्गज, नवप्रवर्तनकर्ता और वैश्विक साझेदार मिलकर एक ऐसी नई ऊर्जा संरचना का निर्माण करें—जो स्वच्छ, विश्वसनीय, डिजिटल रूप से एकीकृत और वैश्विक रूप से आपस में जुड़ी हुई हो। भारत को सीमा-पार विद्युत सहयोग कानेतृत्व करना चाहिए; अगलीपीढ़ी केपारेषण, डिजिटल ग्रिड इंटेलिजेंस और ओएस ओडब्ल्यूओजी - संरेखित बाजार तंत्र में साहसपूर्वक निवेश करना चाहिए; और डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोपावर नवाचार, लचीले गैस संसाधनोंऔर स्वच्छ ऊजा का त्वरितउपयोग करन ाचाहिए। इस गति कोट्रांसमिशन सिस्टम ऑपरेटर और डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम ऑपरेटर के बीच मजबूत समन्वय और2047 तक के लिएएकीकृत पावर सेक्टर रोडमैप द्वारा और भी सुदृढ़ किया जाना चाहिए, जो भारत को मजबूत, टिकाऊऔर किफायती विद्युतीकरण का वैश्विक मॉडल बनाए। इस पृष्ठभूमि में, नई दिल्ली में आयोजित भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 विशेष महत्व रखता है। यह ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है जब राष्ट्र टिकाऊ, सुरक्षित और प्रौद्योगिकी-संचालित विद्युत तंत्र की दिशा में अपने संक्रमण को तेज कर रहा है। विकास को विद्युतीकृत करना, टिकाऊ भविष्य को मजबूत बनाना और दुनिया से जुड़ना (अर्थात इलेक्ट्रिफाइंग ग्रोथ, एम्पावरिंग सस्टेनेबिलिटी, कनेक्टिंग ग्लोबली)विषय के साथ, यहसमिट विभिन्न हितधारकों को एक मंच परलाते हुए वैश्विक ऊर्जा संक्रमण में भारत कीनेतृत्वकारी क्षमता को प्रदर्शित करेगा।

फीफा विश्व कप: ईरान के मैचों को अमेरिका की जगह मैक्सिको में कराने का मामला नहीं सुलझा

एजेंसी

नई दिल्ली । मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और युद्ध जैसे हालातों के बीच फीफा और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल राजनीति (डिप्लोमेसी) एक नए मोड़ पर पहुंच गई है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले ने हालात को मुश्किल और जटिल बनाया था। ईरान की फुटबॉल टीम और उसके विश्व कप अभियान पर इसका सीधा असर पड़ा था। इस बीच फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो और ईरानी फुटबॉल अधिकारियों के बीच तुर्की में हुई बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब ईरान की विश्व कप भागीदारी को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे थे। हालांकि इस मुलाकात में सकारात्मक संकेत मिले, लेकिन एक बड़ा मुद्दा–ईरान के मैचों को अमेरिका से हटाकर मेक्सिको में कराने का–अब भी अनसुलझा है। मार्च 2025 के दौरान ईरान की स्थिति काफी अनिश्चित रही। सरकारी स्तर पर यह संकेत दिए गए कि टीम विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सकती या उसे अमेरिका जाने में मुश्किल हो सकती है। यहां तक कि फीफा से यह भी मांग उठी कि ईरान के मैचों को किसी अन्य देश, खासकर मेक्सिको, में स्थानांतरित कर दिया जाए। हालांकि फीफा ने स्पष्ट किया है कि टूर्नामेंट शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं होगा और ईरान को अमेरिका में ही अपने मैच खेलने होंगे।

जूनियर क्लब वर्ल्ड कप : मिनर्वा अकादमी की 'विराट' जीत; अमेरिका की टीम को 4-1 से रौंदा, कोंथौजम चेतन ने दागे दो गोल

चंडीगढ़/मैड्रिड। भारत का प्रतिनिधित्व कर रही मिनर्वा अकादमी ने जूनियर क्लब वर्ल्ड कप में अपने अभियान की धमाकेदार शुरुआत की है। 'वॉरियर्स' के नाम से मशहूर मिनर्वा के युवा खिलाड़ियों ने शारीरिक रूप से मजबूत मानी जाने वाली अमेरिका की बोका ऑरेंज क्लब टीम को 4-1 के बड़े अंतर से धूल चटाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की मजबूत मौजूदगी का संदेश दिया है। रणनीति का जादू: 4-3-3 फॉर्मेशन से ध्वस्त किया अमेरिकी डिफेंस मैच की शुरुआत से ही मिनर्वा ने अपनी रणनीतिक श्रेष्ठता साबित कर दी। कोच ने 4-3-3 फॉर्मेशन के साथ 'हाई-प्रेसिंग' गेम की रणनीति अपनाई, जिसने अमेरिकी टीम की 4-4-2 वाली कॉम्पैक्ट संरचना को बिखरने पर मजबूर कर दिया। हालांकि अमेरिकी टीम ने काउंटर अटैक की कोशिश की, लेकिन भारतीय रक्षकों ने उनके हर वार को नाकाम कर दिया।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रवि शास्त्री से की मुलाकात, पूर्व क्रिकेटर ने भेंट की किताब

मुंबई । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री से अपने आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दी है। देवेंद्र फडणवीस ने अपने एक्स अकाउंट पर रवि शास्त्री के साथ तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'आज मुंबई में अपने आधिकारिक घर पर अनुभवी क्रिकेटर और इंडियन क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री से मिलकर बहुत खुशी हुई। खास तोहफे के लिए शुक्रगुजार हूं।' रवि शास्त्री ने मुख्यमंत्री के साथ मुलाकात के दौरान 'इंडियाज 71-ईयर टेस्ट: द जर्नी टू ट्रायम्फ इन ऑस्ट्रेलिया' किताब भेंट की। आर कौशिक द्वारा लिखी इस किताब में भारतीय क्रिकेट के सफर का एक शानदार चैप्टर दिखाया गया है। मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में शास्त्री द्वारा उपहार स्वरुप मिले इस किताब का भी जिक्र किया है। मुंबई से संबंध रखने वाले रवि शास्त्री भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेले दिग्गज ऑलराउंडरों में से एक रहे हैं।

रिंकू सिंह ने अनिकेत वर्मा का कैच लपककर बनाया रिकॉर्ड, आंद्रे रसेल को छोड़ा पीछे

कोलकाता। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डन्स में IPL 2026 के छठे मैच के दौरान रिंकू सिंह ने बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है। रिंकू ने अनिकेत वर्मा का कैच लपककर केकेआर के लिए सबसे ज्यादा फील्ड कैच का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है और इस मामले में आंद्रे रसेल को पीछे छोड़ दिया है। अनुकूल रॉय ने 10वें ओवर की दूसरी गेंद पर अनिकेत वर्मा को आउट किया, रिंकू सिंह ने कैच लपका!! क्रीज पर बाएं हाथ के बल्लेबाजों के होने की वजह से अनुकूल को गेंदबाजी से दूर रखा गया था। लेकिन जब दो दाएं हाथ के बल्लेबाज आउट हो गए तो उन्हें गेंदबाजी के लिए बुलाया गया और उन्होंने अपनी दूसरी ही गेंद पर विकेट ले लिया। अब IPL में केकेआर के लिए सबसे ज्यादा फील्ड कैच (41) रिंकू सिंह के नाम हो गए हैं। दूसरे नम्बर पर आंद्रे रसेल ने 40 कैच पकड़े हैं। इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर चय्यक्रका जाना माना नाम सुनील नारायण हैं। चौथे नम्बर पर लिस्ट में मनोज तिवारी हैं जिन्होंने चय्यक्रके लिए 30 फील्ड कैच लपके हैं।

चार्ल्सटन ओपन : जेसिका पेगुला ने एलिसाबेट्टा कोच्चियारेटो से लिया बदला, क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका की शीर्ष वरीय और गत चैंपियन जेसिका पेगुला ने शानदार वापसी करते हुए एलिसाबेट्टा कोच्चियारेटो को हराकर चार्ल्सटन ओपन 2026 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। पेगुला ने यह मुकाबला 1-6, 6-1, 7-6 (7/1) से अपने नाम किया। यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें उन्हें जीत के लिए अंतिम सेट के टाईब्रेक तक संघर्ष करना पड़ा। दुनिया की नंबर 5 टेनिस खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने यह जीत उस मुकाबले के एक दिन बाद हासिल की, जिसमें उन्होंने कजाकिस्तान की यूलिया पुतिन्त्सेवा को तीन घंटे से अधिक चले मुकाबले में हराया था। यह जीत उनके लिए खास रही क्योंकि पिछले साल विंबलडन में एलिसाबेट्टा कोच्चियारेटो ने उन्हें हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

मुकाबले की शुरुआत में एलिसाबेट्टा कोच्चियारेटो ने शानदार खेल दिखाते हुए पहला सेट आसानी से जीत लिया। इस दौरान जेसिका पेगुला की सर्विस काफी कमजोर रही और वह पहले सेट में केवल 25 प्रतिशत फर्स्ट सर्व पॉइंट ही जीत सकीं। मैच के बाद उन्होंने अपने प्रदर्शन को लेकर निराशा भी जताई। हालांकि दूसरे सेट में जेसिका पेगुला ने जोरदार वापसी की और मैच को बराबरी पर ला दिया। तीसरे सेट में उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जहां वह एक समय 1-4 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 4-4 कर दिया और मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया। निर्णायक टाईब्रेक में जेसिका पेगुला ने बेहतरीन खेल दिखाया और एलिसाबेट्टा कोच्चियारेटो की गलती का फायदा उठाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने पिछले साल की हार का बदला भी पूरा कर लिया। अब क्वार्टरफाइनल में जेसिका पेगुला का सामना रूस की डायना श्नाइडर से होगा, जिन्होंने कनाडा की लेयला फर्नांडीज को 6-3, 6-0 से हराया। स्विट्जरलैंड की तीसरी वरीय बेलिंडा बेनसिच ने भी अगले दौर में जगह बनाई।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में ओडिशा प्रथम स्थान पर, मेजबान छत्तीसगढ़ पांचवें स्थान पर

एजेंसी

जगदलपुर। धरमपुरा क्रीड़ा परिसर में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के तीसरे दिन खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। हर राज्य के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का दमखम दिखाते नजर आए, जिससे मैदान पर रोमांच चरम पर पहुंच गया। चल रहे खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की एथलेटिक्स प्रतियोगिता में ओडिशा पदक तालिका में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। इसके बाद झारखंड और गुजरात का कब्जा है, जबकि मेजबान छत्तीसगढ़ एक स्वर्ण और तीन रजत के साथ पांचवें स्थान पर है। तक पदक तालिका में ओडिशा ने अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी है। ओडिशा ने अब तक 7 स्वर्ण, 6 रजत और 6 कांस्य पदक जीतकर पहला स्थान सुरक्षित कर लिया है, जिससे वह खिताब का सबसे मजबूत दावेदार बनकर उभरा है। ओडिशा के बाद झारखंड ने 5 स्वर्ण पदकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया है। वहीं गुजरात 3 स्वर्ण सहित कुल 9 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर बना हुआ है। कर्नाटक भी 3 स्वर्ण पदकों के साथ गुजरात को कड़ी टक्कर दे रहा है। मेजबान छत्तीसगढ़ के लिए तीसरा दिन मिला जुला रहा। स्थानीय दर्शकों के उत्साह के बीच टीम ने 1 स्वर्ण और 3 रजत पदक जीते, जिससे वह पदक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। हर राज्य के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का दमखम दिखाते नजर आए, जिससे मैदान पर रोमांच चरम पर पहुंच गया। महाराष्ट्र ने 1 स्वर्ण के साथ कुल 4 पदक हासिल किए हैं, जबकि असम 1 स्वर्ण और 2 कांस्य के साथ दौड़ में बना हुआ है।

अभिषेक शर्मा पर लगा जुर्माना, ऑन-फील्ड रिएक्शन पड़ा भारी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के उपकप्तान अभिषेक शर्मा को उनके ऑन-फील्ड व्यवहार के लिए जुर्माना झेलना पड़ा। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स में खेले गए मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताना उन्हें भारी पड़ गया।

अंपायर के फैसले पर जताई नाराजगी

मैच के दौरान अभिषेक शर्मा को एक कैच आउट दिया गया, जिसे वरुण चक्रवर्ती ने लपका था। हालांकि इस फैसले की जांच भी की गई, लेकिन थर्ड अंपायर ने इसे सही करार दिया। इसके बावजूद अभिषेक शर्मा कुछ देर तक क्रीज पर खड़े रहे और निराशा जताते हुए इशारे करते नजर आए। उनके इस व्यवहार को आचार संहिता का उल्लंघन माना गया।

बीसीसीआई ने लगाया जुर्माना

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए अभिषेक शर्मा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया। इसके साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया। यह कार्रवाई आईपीएल की आचार संहिता के लेवल-1 उल्लंघन के तहत की गई, जिसमें मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्यकारी होता है।

शानदार पारी के बावजूद विवाद

हालांकि इस विवाद के बीच अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने सिर्फ 21 गेंदों में 48 रन की आक्रामक पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उन्होंने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 34 गेंदों में 82 रन की विस्फोटक साझेदारी भी की।

अलाना किंग के पांच विकेट से ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराया, सीरीज में किया क्लीन स्वीप

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को तीसरे वनडे में 9 विकेट से हराकर सीरीज पर क्लीन स्वीप कर लिया। यह मुकाबला बासेटेरे में खेला गया, जहां लेग स्पिनर अलाना किंग के पांच विकेट ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

वेस्टइंडीज की अच्छी शुरुआत, फिर पारी बिखरी

पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने पावरप्ले में 49/1 का मजबूत स्कोर बनाया, लेकिन इसके बाद टीम की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई। 19वें ओवर तक स्कोर 78/5 हो गया।

ओपनिंग में 38 रन की साझेदारी के अलावा रीएलियाना ग्रिमोंड और चिनेल हेनरी के बीच 37 रन की साझेदारी ही कुछ हद तक टीम को संभाल सकी। ग्रिमोंड 27वें ओवर में किंग का शिकार बनीं, जिसके बाद पूरी टीम तेजी से सिमट गई। हेनरी ने 42 रन बनाकर नाबाद पारी खेली, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई खास समर्थन नहीं मिला और वेस्टइंडीज की पूरी टीम 35.4 ओवर में 136 रन पर

ऑलआउट हो गई।

अलाना किंग की घातक गेंदबाजी

अलाना किंग ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 19 रन देकर 5 विकेट झटके और मैच की सबसे बड़ी नायिका रहीं। उनके अलावा एशले गार्डनर ने भी 2 विकेट लेकर टीम की जीत में योगदान दिया।

ऑस्ट्रेलिया की आसान जीत

137 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने तेज शुरुआत की। टीम ने पहले विकेट के लिए 50 रन जोड़कर मैच पर पकड़ बना ली। जॉर्जिया वोल ही एकमात्र बल्लेबाज रहीं जो आउट हुईं। इसके बाद फोएबे लिचफील्ड और एलिस पेरी के बीच 87 रन की नाबाद साझेदारी हुई। लिचफील्ड ने 68 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि पेरी 33 रन बनाकर नाबाद रहीं। ऑस्ट्रेलिया ने 19.4 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

संक्षिप्त स्कोर

वेस्टइंडीजः 136 ऑलआउट (35.4 ओवर)।

चिनेल हेनरी 42*, हेली मैथ्यूज 34

अलाना किंग 5/19, एशले गार्डनर 2/29।

ऑस्ट्रेलियाः 137/1 (19.4 ओवर)

फोएबे लिचफील्ड 68*, एलिस पेरी 33*, अश्मिनी मुनीसर 1/35।

ऑस्ट्रेलिया ने मैच 9 विकेट से जीता।

जेम्स रोड्रिगेज अस्पताल में भर्ती, फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले कोलंबिया को बड़ा झटका

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलंबिया के कप्तान जेम्स रोड्रिगेज को फीफा वर्ल्ड कप 2026 से कुछ महीने पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिससे उनके खेलने को लेकर उनके प्रसंशको के बीच चिंता बढ़ गई है।

रोड्रिगेज ने हाल ही में कोलंबिया राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए फ्रांस राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के खिलाफ खेले गए एक फ्रेंडली मैच में हिस्सा लिया था। इस मुकाबले में कोलंबिया को 1-3 से हार का सामना करना पड़ा और रोड्रिगेज ने करीब एक घंटे तक मैदान पर समय बिताया।

मैच के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। कोलंबिया फुटबॉल संघ ने बयान जारी कर बताया, 'फ्रांस के खिलाफ मैच के अगले दिन खिलाड़ी को गंभीर डिहाइड्रेशन की समस्या हुई, जिसके कारण पिछले

72 घंटों से उन्हें अस्पताल में रखकर निगरानी और रिकवरी कराई जा रही है।'

क्या वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो सकते हैं रोड्रिगेज?

फिलहाल ऐसा कोई संकेत नहीं है कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 में उनकी भागीदारी पर खतरा है। संघ ने साफ किया है कि यह समस्या खेल से जुड़ी नहीं है। संघ के अनुसार, 'मिनेसोटा के एक मेडिकल सेंटर से मिली जानकारी के अनुसार मिडफील्डर एक गैर-खेल संबंधी मेडिकल स्थिति के चलते डॉक्टरों की निगरानी में हैं। यह स्थिति न तो मांसपेशियों से जुड़ी है और न ही उनके फुटबॉल करियर से।'

टीम के लिए कितने अहम हैं जेम्स रोड्रिगेज

जेम्स रोड्रिगेज कोलंबिया के सबसे अनुभवी और प्रभावशाली खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने फीफा वर्ल्ड कप 2014 में गोल्डन बूट जीतकर दुनियाभर में पहचान बनाई थी।

अब तक वह कोलंबिया के लिए 31 गोल और 41 असिस्ट कर चुके हैं और 2024 में टीम को कोपा अमेरिका 2024 के फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है और उम्मीद है कि वह जल्द ही मैदान पर वापसी करेंगे।

ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ के जनजातीय समुदाय ने भारत की हॉकी विरासत को जीवित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। रायपुर के वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में पुरुष टीम ने झारखंड को 4-1 से हराया, जबकि महिला टीम ने रोमांचक मुकाबले में मिजोरम को 1-0 से मात दी। पुरुष वर्ग में झारखंड को रजत और छत्तीसगढ़ को कांस्य मिला, जबकि महिला वर्ग में झारखंड ने कांस्य पदक हासिल कर पोडियम पूरा किया। रायपुर में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में ओडिशा की यह दोहरी स्वर्णिम सफलता केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि यह इस बात का सशक्त उदाहरण है कि कैसे हॉकी ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों में जीवन को नई दिशा दे रही है। खेल प्रतिभा के भंडार माने जाने वाले पूर्वोत्तर राज्यों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जहां मिजोरम की टीम ने फाइनल तक जगह बनाई। ओडिशा की पुरुष टीम ने फाइनल में झारखंड को 4-1 से हराया, जबकि महिला टीम ने कड़े मुकाबले में मिजोरम को 1-0 से पराजित किया। झारखंड और छत्तीसगढ़ की टीमें भी पोडियम तक पहुंचीं, जो इन क्षेत्रों से उभरती प्रतिभा की गहराई को दर्शाता है। पदकों से आगे बढ़कर असली कहानी उन गांवों, जंगलों और समुदायों में छिपी है, जहां हॉकी पहचान और अवसर दोनों बन चुकी है। दशकों से हॉकी जनजातीय संस्कृति का हिस्सा रही है। बच्चे पेड़ की टहनियों से स्टिक बनाकर ऊबड़-खाबड़ मैदानों पर नंगे पांव खेलते हैं। प्रतिभा हमेशा मौजूद थी, लेकिन उसे आगे बढ़ाने का रास्ता नहीं था–जो अब बदल रहा है। केंद्रीय खेल मंत्रालय और राज्यों के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बेहतर बुनियादी ढांचे और संगठित जमीनी कार्यक्रमों के चलते अब एक मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो रहा है।

अंडर 20 जूनियर पुरुष, महिला कुश्ती स्टेट चैम्पियनशिप का बेलवरिया में समापन

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी बेलवरिया में आयोजित तीन दिवसीय अंडर 20 जूनियर पुरुष, महिला कुश्ती स्टेट चैम्पियनशिप का समापन हुआ। प्रतियोगिता के अन्तिम दिन ग्रीको रोमन और फ्रीस्टाइल पांच-पांच भार वर्ग में प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता के ग्रीको रोमन 60 किलो में चितरान्शु आगरा प्रथम स्थान, आकाश यादव जौनपुर दूसरा स्थान, वीर सेन गोंडा तीसरा स्थान, दुर्गेश आजमगढ़ तीसरा स्थान, 72 किलो में विशाल खोखर बागपत प्रथम स्थान, महेश यादव चंदौली दूसरा स्थान, अर्जुन हापुड़ तीसरा स्थान, पवन कुमार स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर तीसरे स्थान पर रहे। इसी क्रम में फ्रीस्टाइल कुश्ती 79 किलो भार वर्ग में सौरभ यादव जौनपुर प्रथम स्थान, सौरव यादव वाराणसी दूसरा स्थान, विशाल

गाजियाबाद तीसरा स्थान, आयांश बिजनौर तीसरा स्थान, 92 किलो में अनुज गौतम अलीगढ़ प्रथम स्थान, जितेंद्र स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर दूसरा स्थान, प्रिंस गौतम बुद्ध नगर और दीपक यादव मऊ को तीसरा स्थान मिला। इसी क्रम में 125 किलो में लक्ष्य वाराणसी प्रथम स्थान, अंकित यादव चंदौली दूसरा स्थान, संदेश बागपत तीसरे स्थान पर रहे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष, वाराणसी कुश्ती संघ गोरख यादव ने बताया कि भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह बबलू के निर्देश पर उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ एवं वाराणसी कुश्ती संघ के समन्वय से यह प्रतियोगिता आयोजित की गई। अध्यक्ष, वाराणसी कुश्ती संघ राजीव सिंह रानू,महासचिव उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ सुरेश चंद्र उपाध्याय ने खिलाड़ियों को पदक प्रदान किया। प्रतियोगिता के आयोजक राजीव सिंह रानू ने बताया कि तीसरे स्टेट चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। हमारा उद्देश्य यही है कि बनारस के पहलवानों को एक अच्छा प्लेटफार्म मिले। इससे बनारस व आसपास के जिलों को नए पहलवानों को ऊर्जा प्राप्त होगी।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (राउंड-अप) : किरण पिस्दा के एकमात्र गोल से छत्तीसगढ़ ने महिला फुटबॉल का स्वर्ण जीता

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की महिला फुटबॉल टीम ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के पहले संस्करण में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फाइनल में झारखंड को 1-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। टीम की कप्तान किरण पिस्दा की व्यक्तिगत प्रतिभा इस जीत की सबसे बड़ी वजह रही। मेज़बान राज्य ने जगदलपुर में ट्रैक एंड फील्ड प्रतियोगिताओं के अंतिम चरण में पुरुषों की 4×400 मीटर रिले में रजत और पुरुषों की 1500 मीटर में कांस्य पदक भी अपने नाम किया। वहीं झारखंड के शिव कुमार सोरेन ने 100 मीटर के बाद 200 मीटर में भी स्वर्ण जीतकर शानदार डबल पूरा किया। छत्तीसगढ़ की महिला टीम ने आक्रामक झारखंड के खिलाफ मिले एकमात्र मौके का पूरा फायदा उठाया, जब कप्तान किरण पिस्दा ने 61वें मिनट में विपक्षी डिफेंस की गलती का फायदा उठाते हुए गोल दागा। इसके बाद मेज़बान टीम ने बढ़त को अंत तक बरकरार रखते हुए खिताब अपने नाम कर लिया।

किरण ने कहा, 'यह हमारे लिए बहुत खास पल है क्योंकि पहली बार इतने सारे दर्शक हमें समर्थन देने आए। मुझे बहुत खुशी है कि हम अपने घरेलू दर्शकों के सामने स्वर्ण पदक जीत सके।' पहली बार आयोजित हो रहे खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के करीब 3800 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, भारोत्तोलन और कुश्ती जैसे सात खेल शामिल हैं, जबकि मल्लखंभ और कबड्डी प्रदर्शन खेल हैं।

जगदलपुर के क्रीड़ा परिसर में एथलेटिक्स के अंतिम दिन सोरेन के अलावा कर्नाटक की रीथुश्री और नागिनी ने भी अपने-अपने दूसरे स्वर्ण पदक जीते। सोरेन, जो इन खेलों के सबसे तेज धावक बने थे, ने 21.51 सेकंड के समय के साथ 200 मीटर का स्वर्ण जीता। इससे पहले रीथुश्री ने 25.87 सेकंड में 200 मीटर जीतकर 400 मीटर के बाद दूसरा स्वर्ण हासिल किया। वहीं नागिनी ने 4:43.87 सेकंड के समय के साथ 800 मीटर और 1500 मीटर दोनों में जीत दर्ज कर डबल पूरा किया। मेज़बान छत्तीसगढ़ ने पुरुषों की 4×400 मीटर रिले में ओडिशा के बाद दूसरे स्थान पर रहकर रजत पदक जीता।

सब जूनियर महिला हॉकी राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दूसरे दिन गोवा, बंगाल, चंडीगढ़ और उत्तराखंड की जीत

एजेंसी

रांची। 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दूसरे दिन डिवीजन 'सी' में गोवा हॉकी ने जीत दर्ज की, जबकि डिवीजन 'बी' में हॉकी बंगाल, हॉकी चंडीगढ़ और हॉकी उत्तराखंड ने अपने-अपने मुकाबले जीते। दिन की शुरुआत डिवीजन 'सी' के पूल-ए मुकाबले से हुई, जिसमें गोवा ने तेलंगाना हॉकी को 6-3 से हराया। गोवा के लिए कप्तान डेलिना मेंडेस (40', 41') और बर्टिला केरकेट्टा (48', 52') ने दो-दो गोल किए, जबकि सीमा तिर्की (3') और विद्या कुमारी (16') ने भी टीम के लिए योगदान दिया। तेलंगाना हॉकी के लिए आनंदी महानंद (30', 36') और नव्याश्री अकुला (15') ने गोल किए।

डिवीजन 'बी' के पूल-ए मुकाबले में हॉकी बंगाल ने दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव हॉकी को 1-0 से हराया। टीम की कप्तान पूजा कुमारी शॉ (21') ने दूसरे क्वार्टर में विजयी गोल दागा। इसके बाद डिवीजन 'बी' के पूल-बी मैच में हॉकी चंडीगढ़ ने हॉकी गुजरात को 12-1 से करारी शिकस्त दी। कप्तान काफ़ी (38', 46', 55', 60') ने चार गोल दागे, जबकि अन्नू (9', 30'), आंचल (12', 14'), नैन्सी कश्यप (13', 18'), भावना (10') और यास्मिन शर्मा (20') ने भी गोल किए। हॉकी गुजरात के लिए कप्तान नियति परमार (23') ने एकमात्र गोल किया।

आरसीबी के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा, 'हम यहां दबदबा बनाने आए हैं'

एजेंसी

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा ने साफ कर दिया है कि टीम का लक्ष्य सिर्फ एक खिताब जीतना नहीं, बल्कि लंबे समय तक दबदबा कायम करना है। आरसीबी पॉडकास्ट पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले सीजन की सफलता टीम के लिए नई शुरुआत है। जितेश ने कहा, 'यह एक साल की बात नहीं है। हम यहां दबदबा बनाने आए हैं। मैं यह साबित करना चाहता हूं कि पिछले सीजन में जो हुआ वह कोई एक बार की बात नहीं थी।'

पिछले सीजन में आरसीबी की ऐतिहासिक खिताबी जीत को याद करते हुए जितेश ने इसे अपने करियर का सबसे खास पल बताया।

उन्होंने कहा, 'आरसीबी के लिए पहला खिताब जीतना एक जादुई एहसास था। सबसे बड़ी खुशी इस बात की थी कि मैं उसमें योगदान दे सका। यह पल हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा।' जितेश शर्मा ने अपने निजी जीवन के मुश्किल दौर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिता के निधन का दर्द आज भी उनके साथ है। उन्होंने कहा, 'जब आप अपने पिता को खोते हैं, तो वह खालीपन कभी नहीं भरता। मैं इसे भूलने की कोशिश नहीं कर रहा हूं, बल्कि

उस भावना को अपने साथ लेकर आगे बढ़ रहा हूं।' उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें इस बात का गर्व है कि उनके पिता ने उन्हें भारत के लिए खेलते और आरसीबी के लिए ट्रॉफी जीतते देखा।जितेश ने अपने खेल और मानसिक मजबूती का श्रेय दिनेश कार्तिक को दिया। उन्होंने कहा कि कार्तिक ने उन्हें न सिर्फ तकनीकी रूप से बेहतर बनाया, बल्कि मुश्किल समय में सही सलाह भी दी।

उन्होंने कहा, 'डीके अन्ना ने मुझे अपने खेल को समझने और मानसिक रूप से मजबूत बनने में काफी मदद की। उन्होंने मुझे कुछ समय के लिए ब्रेक लेकर परिवार के साथ समय बिताने की सलाह दी, जिससे मैं खुद को फिर से संभाल पाया।'

जितेश ने कहा कि अब वह खुद को सिर्फ विकेटकीपर के रूप में नहीं देखते, बल्कि टीम के लिए एक फिनिशर और फील्डर की भूमिका भी निभाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा काम है टीम में जगह बनाना, चाहे जो भी भूमिका मिले। अब मैं खुद को एक ऑलराउंड योगदान देने वाले खिलाड़ी के रूप में देखता हूं।'

भारतीय टीम में वापसी को लेकर जितेश ने कहा कि यह उनका सबसे बड़ा सपना है। उन्होंने कहा, 'भारत के लिए खेलना मेरा अंतिम लक्ष्य है। मुझे लगता है कि मैंने अपना काम किया है और अब मुझे अगले मौके के लिए तैयार रहना है।' पिछले सीजन के फाइनल में 10 गेंदों पर 24 रन की अहम पारी खेलने वाले जितेश ने उस मैच के आखिरी ओवर को याद करते हुए कहा, 'वह छह गेंदें मेरी जिंदगी की सबसे लंबी गेंदें थीं। हम उस जीत को बहुत ज्यादा चाहते थे।' डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में नए सीजन में उतर रही आरसीबी को लेकर जितेश ने कहा कि टीम हर चुनौती के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'इस सीजन में टीमें हमारे खिलाफ और ज्यादा आक्रामक होंगी, और मुझे यह पसंद है। मैं चाहता हूं कि लोग हम पर दबाव डालें, क्योंकि हम भी पूरी ताकत से जवाब देंगे।'

स्टॉक मार्केट में हाईनेस माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स की प्रीमियम एंट्री, मुनाफे में निवेशक

नई दिल्ली। डिजिटल इमेजिंग सॉल्यूशन के काम में लगी कंपनी हाईनेस माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 120 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 4.16 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 125 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 131.15 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। हालांकि, बाद में मुनाफा वसूली होने पर इसके भाव में थोड़ी गिरावट भी आई। दिन भर का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 129.50 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह से पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 9.50 रुपये यानी 7.92 प्रतिशत का फायदा हो गया। हाईनेस माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का 21.67 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 193.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 81.95 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 362.12 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 185.11 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए के चार वर्ष पूरे, द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को मिली मजबूती

नई दिल्ली। भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (ईसीटीए) के चार वर्ष पूरे होने के साथ द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को नई मजबूती मिली है। निर्यात में मजबूत वृद्धि के बीच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 24.1 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में फरवरी तक भारत का ऑस्ट्रेलिया के साथ कुल व्यापार 19.3 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। भारत और ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते के हस्ताक्षर को आज 4 वर्ष पूरे हो गए हैं। 2 अप्रैल, 2022 को हस्ताक्षर किए जाने के बाद से इस समझौते ने व्यापार बढ़ाने, उद्योग संबंधों को सुदृढ़ करने और व्यवसाय, उद्यमिता व रोजगार के नए अवसर सृजित करने में अहम योगदान दिया है। पिछले चार वर्षों में इस समझौते ने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और मजबूती प्रदान की है, जिससे दोनों पक्षों को बेहतर बाजार पहुंच और व्यापार बाधाओं में कमी का लाभ मिला है। ऑस्ट्रेलिया को भारत से होने वाला निर्यात दोगुने से ज्यादा बढ़ गया है।

सेल ने 2025-26 में बिक्री, उत्पादन में बनाये नये रिकॉर्ड

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) ने वित्त वर्ष 2025-26 में बिक्री और उत्पादन दोनों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। पूरे वित्त वर्ष के दौरान कंपनी ने 201.4 लाख टन की अब तब की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की जो एक साल पहले के 180.7 लाख टन की तुलना में 11.5 प्रतिशत अधिक है। कंपनी की जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि अपनी ब्रांड उपस्थिति और ग्राहकों तक पहुंच को मजबूत करते हुए हासिल की गयी यह वृद्धि व्यापक रही और सभी उत्पाद श्रेणियों में बिक्री में उछाल देखा गया।

सेल SAIL

उत्पादन के मोर्चे पर, सेल ने 194.3 लाख टन का अपना सर्वश्रेष्ठ कच्चा इस्पात उत्पादन और 191.76 लाख टन का बिक्री योग्य इस्पात उत्पादन दर्ज किया, जिसने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिये। वित्त वर्ष के दौरान सेल ने भारतीय रेलवे को 12.5 लाख टन की रिकॉर्ड आपूर्ति की और अपनी यूनिवर्सल रेल मिल से अब तक का सबसे ज्यादा उत्पादन किया जो कंपनी की कार्यकुशलता और देश के रेल नेटवर्क को बढ़ाने में उसके रणनीतिक योगदान को दिखाता है। कंपनी के निर्यात में भी 162 प्रतिशत की भारी बढ़त देखी गयी, जो 2.9 लाख टन तक पहुंच गया है। सेल ने अब भूटान समेत नये विदेशी बाजारों में भी अपना विस्तार किया है।

केके सिंह ने सेल के सीएमडी का अतिरिक्त प्रभार संभाला

नई दिल्ली। सेल के निदेशक (कार्मिक) कृष्ण कुमार सिंह ने गुरुवार को भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया। श्री सिंह के पास प्रचालन, मानव संसाधन विकास, सतर्कता और कार्मिक एवं प्रशासन जैसे विविध क्षेत्रों में लगभग चार दशकों का गहन अनुभव है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1987 में भिलाई इस्पात संयंत्र में एक प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में की थी, जहां उन्होंने मानव संसाधन विकास विभाग में जाने से पहले 'ब्लूमिंग एंड बिलेट मिल' में एक दशक से अधिक समय तक अपना योगदान दिया।

गैस आपूर्ति में तेजी: 5 दिनों में 55 हजार से ज्यादा पीएनजी कनेक्शन शुरू, एलपीजी की भी पर्याप्त उपलब्धता

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कहा कि पिछले पांच दिनों में 110 भौगोलिक क्षेत्रों (जीए) में 55,000 से अधिक पीएनजी कनेक्शनों में गैस की आपूर्ति शुरू की गई है। साथ ही बताया कि 23 मार्च से अब तक 4.3 लाख से अधिक 5 किलोग्राम एफटीएल सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। एलपीजी से पीएनजी में परिवर्तन से जुड़े राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को वाणिज्यिक एलपीजी का अतिरिक्त 10 प्रतिशत आवंटन दिया गया है, और सुधार पर ध्यान केंद्रित करने वाले राज्यों के लिए अतिरिक्त आवंटन की सिफारिश की जा रही है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'फिलहाल, आठ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को यह अतिरिक्त आवंटन प्रदान किया जा रहा है, और तीन अन्य राज्यों से प्राप्त आवेदन वर्तमान में विचाराधीन हैं।' बयान में आगे कहा गया कि सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं, कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है और

पेट्रोल व डीजल का भी पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा जा रहा है। घरेलू खपत को पूरा करने के लिए रिफाइनरियों से एलपीजी उत्पादन बढ़ा दिया गया है।

देश भर में सभी खुदरा दुकानें सामान्य रूप से चल रही हैं। मंत्रालय ने कहा, 'पेट्रोल और डीजल के नियमित खुदरा मूल्य अपरिवर्तित हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (ओएमसी) अपनी लागत से पेट्रोल पर 24.40 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 104.99 रुपए प्रति लीटर कम वसूल रही है।' सरकार ने जनता से अफवाहों पर विश्वास न करने की सलाह दोहराई है और राज्य सरकारों से नियमित प्रेस ब्रीफिंग के माध्यम से सटीक जानकारी प्रसारित करने का अनुरोध किया है। इसके अलावा, घरेलू पीएनजी और सीएनजी (परिवहन) को 100 प्रतिशत आपूर्ति के साथ प्राथमिकता आवंटन जारी है। बयान में कहा गया है, 'ग्रिड से जुड़े औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को आपूर्ति औसत खपत के लगभग 80 प्रतिशत पर बनाए रखी गई है। सीजीडी संस्थाओं को रेस्तरां, होटल और कैंटीन जैसे वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए पीएनजी कनेक्शन को प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है।'

अधिकांश राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार गैर-घरेलू एलपीजी के आवंटन के आदेश जारी किए हैं। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में वाणिज्यिक संस्थाओं द्वारा 14 मार्च से अब तक कुल 60,370 मीट्रिक टन एलपीजी की आपूर्ति की गई है।

संचालित यूरिया संयंत्रों को आपूर्ति पिछले छह महीनों की औसत खपत के लगभग 70-75 प्रतिशत पर स्थिर है। मंत्रालय ने कहा कि पाइपलाइन संचालन को बनाए रखने के लिए अतिरिक्त एलएनजी और आरएलएनजी आपूर्ति की व्यवस्था की जा रही है।

यूपीआई ने मार्च में 22.64 अरब लेनदेन का रिकॉर्ड बनाया: डीएफएस

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में एकीकृत भुगतान व्यवस्था (यूपीआई) के जरिये होने वाले लेन-देन की संख्या मार्च महीने में 22.64 अरब के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने यह जानकारी दी है। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने एक्स पोस्ट में बताया, ''यूपीआई के जरिये मार्च 2026 में 22.64 अरब लेन-देन हुए हैं। डिजिटल भुगतान को अपनाने और इस क्रांति को आगे बढ़ाने के लिए भारत का धन्यवाद। आइए, लेन-देन का तरीका बदलने की इस यात्रा को जारी रखें।'' डीएफएस ने कहा कि संख्या के लिहाज से इस महीने 22.64 अरब लेन-देन हुए, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह संख्या 18.3 अरब थी, जो 24 फीसदी की वृद्धि को दर्शाती है। वहीं, फरवरी में यूपीआई लेन-देन की संख्या 20.39 अरब रही थी। वित्तीय सेवा विभाग के अनुसार हाल ही में जारी आरबीआई के 'दो-स्तरीय सत्यापन' नियम का पालन करते हुए यूपीआई लेन-देन करना सुरक्षित होने के साथ उपयोग में भी आसान है। इसमें पहला सत्यापन बैंक से जुड़ा मोबाइल नंबर है, जबकि दूसरा पहलू यूपीआई खाते का पिन है। इससे लेन-देन तेजी से होता है और अनधिकृत पहुंच से रोकथाम मिलती है।डीएफएस ने बताया कि आज भारत में होने वाले कुल डिजिटल लेन-देन में यूपीआई की हिस्सेदारी 85 फीसदी है। इसका असर राष्ट्रीय सीमाओं से परे भी है और इसकी वैश्विक स्तर पर वास्तविक समय में होने वाले डिजिटल भुगतान का लगभग 50 फीसदी हिस्सेदारी है।

इंडिगो 19 अप्रैल से दिल्ली-इस्तांबुल मार्ग पर एयरबस ए321एक्सएलआर करेगा तैनात

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की बजट एयरलाइन इंडिगो ने कहा कंपनी अपनी अंतरराष्ट्रीय विस्तार की यात्रा में लगातार आगे बढ़ रही है। एयरलान ने बताया कि वह 19 अप्रैल से दिल्ली-इस्तांबुल मार्ग पर एयरबस ए321एक्सएलआर तैनात करेगा। एयरलाइन ने जारी एक बयान में कहा कि इंडिगो 19 अप्रैल से ज्यादा ट्रैफिक वाले दिल्ली-इस्तांबुल रूट पर अपना दूसरे एयरबस ए321एक्सएलआर विमान को लगाकर अंतरराष्ट्रीय विस्तार करेगी। यह इसके एक अहम अंतरराष्ट्रीय सेक्टर में क्षमता और प्रोडक्ट के मामले में एक बड़ा अपग्रेड है। इंडिगो ने कहा कि एयरलाइन अपनी अंतरराष्ट्रीय विस्तार की यात्रा में लगातार आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में 19 अप्रैल से दिल्ली-इस्तांबुल रूट पर दूसरा एयरबस ए321एक्सएलआर विमान सेवा में शामिल किया जाएगा। यह रूट एयरलाइन के लिए रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। इसके जरिए इंडिगो तुर्की एयरलाइंस के साथ अपनी कोडशेयर पार्टनरशिप

के तहत 50 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय जगहों के लिए बिना किसी रुकावट के आगे की यात्रा की सुविधा दे पाएगी। एयरलाइन के मुताबिक इस सेक्टर पर पहली बार इंडिगो दो तरह की सीट व्यवस्था पेश करेगा, जिसमें 183 इकोनॉमी सीटें और 12 इंडिगोस्ट्रेच सीटें होंगी। इंडिगोस्ट्रेच, इंडिगो का खास तौर पर तैयार किया गया बिजनेस प्रोडक्ट है। दोनों ही केबिन के यात्री दुनियाभर और स्थानीय व्यंजनों से प्रेरित मुफ़्त गर्म भोजन और पेय पदार्थों का आनंद ले सकेंगे। इसमें शाकाहारी भोजन डिफ़ॉल्ट रूप से उपलब्ध होगा, जबकि मांसाहारी भोजन की प्री-बुकिंग की जा सकेगी। कंपनी ने बताया कि इकोनॉमी क्लास में शराब वाले पेय पदार्थ खरीदे जा सकते हैं या उनकी प्री-बुकिंग की जा सकती है, जबकि इंडिगोस्ट्रेच के यात्रियों के लिए ये मुफ़्त उपलब्ध होंगे। इसके अलावा, इस विमान में अगली पीढ़ी का डिजिटल इन-फ़्लाइट मनोरंजन सिस्टम लगा है, जिससे यात्री अपने निजी डिवाइस पर ही भारतीय और अंतरराष्ट्रीय फ़िल्में, टीवी शो, गेम्स, एनीमे और अन्य कई तरह के कंटेंट का सीधा आनंद ले सकेंगे। इंडिगो इसी साल की शुरुआत में इंडिगो एयरबस ए321एक्सएलआर विमान को अपने बेड़े में शामिल करने वाली पहली भारतीय एयरलाइन बनी थी, और उसने एथेंस के लिए अपनी उड़ानें शुरू की थीं।

पश्चिम एशिया तनाव के चलते कच्चे तेल की कीमतें कई वर्षों के उच्चतम स्तर पर, ब्रेंट क्रूड में 8 प्रतिशत की वृद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में शुक्रवार को तेज उछाल देखा गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर अगले 2-3 हफ्तों में संभावित सैन्य हमले की चेतावनी देने के बाद बाजार में सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ गई है। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 8 प्रतिशत बढ़कर 109.24 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) फ्यूचर्स 111.54 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा था। सप्ताह के दौरान यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड में पिछले शुक्रवार के मुकाबले 11.94 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि ब्रेंट क्रूड में इसी अवधि में 3.14 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब पांचवें हफ्ते में पहुंच गया है, जिससे वैश्विक बाजार से हर दिन लाखों बैरल तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है। इसके चलते ऊर्जा कीमतें कई साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) से गुजरने वाली सप्लाई पर निर्भर देशों में ईंधन की कमी भी देखने को मिल रही है। दुनिया के करीब 20

प्रतिशत तेल की आपूर्ति इसी मार्ग से होती है। इस हफ्ते दिए गए अपने भाषण में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका आने वाले हफ्तों में ईरान पर 'बेहद कड़ा प्रहार' कर सकता है। हालांकि, उन्होंने इस अहम समुद्री मार्ग को दोबारा खोलने की कोई स्पष्ट योजना नहीं बताई और अन्य देशों से इसे सुचारू करने की जिम्मेदारी लेने को कहा। विश्लेषकों का कहना है कि अगर पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ता है, तो कच्चे तेल की कीमतों, भारतीय रुपए और उभरते बाजारों में विदेशी निवेश पर दबाव बना रह सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर स्थिति में सुधार होता है तो कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और करेंसी में स्थिरता आ सकती है, लेकिन तनाव बढ़ने पर बाजार में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति और बढ़ेगी। कीमती धातुओं की बात करें तो कॉमेक्स गोल्ड फ्यूचर्स 0.48 प्रतिशत गिरकर 4,679.70 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था, क्योंकि निवेशक अनिश्चितता के बीच सुरक्षित निवेश विकल्प तलाश रहे हैं। इस बीच, गुड फ्राइडे के कारण घरेलू कमोडिटी बाजार सुबह के सत्र में बंद रहे। वहीं, पश्चिम एशिया के बढ़ते तनाव और करेंसी में उतार-चढ़ाव के चलते भारतीय शेयर बाजार लगातार छठे हफ्ते गिरावट के साथ बंद हुए, जहां दोनों प्रमुख बेंचमार्कों - सेंसेक्स और निफ्टी - में कमजोरी रही।

बंगाल कोयला घोटाला जांच : तीन राज्यों में आई-पैक से जुड़े कई ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

एजेंसी

बेंगलुरु/नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बंगाल कोयला तस्करी घोटाले के सिलसिले में प्रशांत किशोर के स्वामित्व वाली आई-पीएसी से जुड़े कई मवेशियों पर छापेमारी की। बेंगलुरु, दिल्ली और हैदराबाद में कई जगहों पर छापे मारे गए। प्रशांत किशोर अभी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अहम विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति बनाने में मदद कर रहे हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की कि यह पूरे भारत में चलाया जा रहा एक ऑपरेशन है। ईडी की टीमें, स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर, सुबह आई-पैक के दफ्तर पहुंचीं और तलाशी और जब्ती का काम शुरू किया।

याद दिला दें कि ईडी के अधिकारियों ने पहले भी पश्चिम बंगाल में आई-पैक के दफ्तरों पर छापे मारे थे; उस दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद दफ्तर पहुंची थीं, जिससे काफी हंगामा हुआ था, क्योंकि उन्हें मीडिया के सामने फाइलें लेकर जाते हुए देखा गया था।

ईडी ने चिंता जताई और अपने काम में कथित रुकावट पर कड़ा एतराज जताया। एजेंसी ने पहले हाई कोर्ट और बाद में भारत के सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) से एक स्वतंत्र जांच की मांग की; इसके लिए एजेंसी ने राज्य सरकार के कथित दखल और एक निष्पक्ष जांच की जरूरत का हवाला दिया। हालांकि, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इन आरोपों से इनकार किया और कहा कि केंद्रीय एजेंसी ने अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया है।

अधिकारियों ने बताया कि कोयला घोटाले की चल रही जांच के तहत, ईडी ने अब नए सिरे से छापे मारे हैं।

छापों के बारे में और जानकारी का इंतजार है, क्योंकि ईडी ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि उनके पास इस घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के सबूत मौजूद हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, बेंगलुरु में आई-पैक से जुड़े एक व्यक्ति के घर की भी तलाशी ली गई।

आरोप है कि अपराध से कमाए गए लगभग 10 करोड़ रुपए हवाला चैनलों के जरिए आई-पैक तक पहुंचाए गए; बताया जाता है कि इस फर्म को 2022 के गोवा विधानसभा चुनावों में अपनी भूमिका के लिए अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस से पेमेंट मिली थी।

यह ध्यान देने लायक है कि पश्चिम बंगाल कोयला तस्करी मामला, जो 2020 में शुरू हुआ था, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के लीज वाले इलाकों से कोयले की अवैध खुदाई और चोरी से जुड़ा है; इस चोरी की कीमत सैकड़ों करोड़ रुपए होने का अनुमान है। मुख्य आरोपी अनूप माझी (लाला) के नेतृत्व वाले इस गिरोह में ईसीएल के अधिकारी और सीआईएसएफ के जवान शामिल हैं, और इसमें कई राजनेता और कंसल्टेंसी फर्म भी फंसे हुए हैं।

अनूप माझी ने 2024 में आसनसोल की विशेष सीबीआई अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया था, और इस मामले में कई अधिकारियों और कर्मचारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। ईडी की जांच से इन फंड्स और राजनीतिक कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के बीच संबंधों का पता चला है। ईडी ने पश्चिम बंगाल सरकार पर अपनी जांच में बाधा डालने का आरोप लगाया है, जिसके चलते संघीय एजेंसियों और राज्य के अधिकारियों के बीच कानूनी कार्रवाई और तनाव की स्थिति पैदा हो गई है।

अनुराग कपिल ने एनएमडीसी में निदेशक वित्त का पदभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली।भारतीय रेलवे लेखा सेवा (आईआरएएस) के 1998 बैच के अधिकारी अनुराग कपिल ने भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड में निदेशक (वित्त) के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। इस्पात मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि अनुराग कपिल ने भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड में निदेशक (वित्त) के रूप में पदभार ग्रहण किया।

कपिल के पास भारतीय रेलवे और सीपीएसयू में 26 वर्षों से अधिक के करियर के साथ वित्तीय प्रबंधन और सार्वजनिक क्षेत्र के अभिशासन में परिचालन विशेषज्ञता तथा रणनीतिक विजन का अनुभव है। मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने भारतीय रेलवे में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, एफए एंड सीएओ (ट्राफिक), एफए एंड सीएओ (वित्त एवं जनरल) तथा उप मुख्य सतर्कता अधिकारी सहित प्रमुख पदों पर कार्य किया है। उन्होंने कोयला मंत्रालय में निदेशक के रूप में भी कार्य किया है तथा कार्य के दौरान मंत्रालय में महत्वपूर्ण नीति और क्षेत्रीय कार्यों का भी सुव्यवस्थित रूप से संचालन किया है।

इस्पात मंत्रालय के मुताबिक एनएमडीसी में कार्यग्रहण से पूर्व वे रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक, वित्त (व्यय) के रूप में कार्यरत थे, जहां उन्होंने भारतीय रेलवे के लिए वित्तीय नीति मामलों, व्यय प्रबंधन, योजना, परियोजना निगरानी तथा उत्पादकता विश्लेषण का दायित्व भी निभाया था। उन्होंने रेलवे के सभी सीपीएसई में पूंजी पुनर्गठन, समझौता ज्ञापनों, विनिवेश प्रस्तावों और वित्तीय अनुमोदन से संबंधित पहल सहित पीएसयू अभिशासन को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारती एयरटेल 650 मिलियन यूजर्स के साथ बनी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारती एयरटेल ने घोषणा की कि उसने दुनिया भर में 650 मिलियन (65 करोड़) ग्राहकों का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके साथ ही कंपनी सब्सक्राइबर बेस के लिहाज से दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम ऑपरेटर बन गई है। सुनील भारती मित्तल के नेतृत्व वाली इस दूरसंचार कंपनी ने भारत और अफ्रीका में अपनी मजबूत मौजूदगी बनाई है। जीएसएमए इंटेलिजेंस के आंकड़ों के अनुसार, अकेले भारत में ही एयरटेल के 368 मिलियन से ज्यादा मोबाइल यूजर्स हैं। इसमें 13 मिलियन घर ऐसे हैं जो फिक्स्ड ब्रॉडबैंड से जुड़े हैं और 15 मिलियन ग्राहक कंपनी की डिजिटल टीवी सेवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं।

अफ्रीका में इसकी सहायक कंपनी एयरटेल अफ्रीका 14 देशों में 179 मिलियन ग्राहकों को सेवाएं दे रही है। यहां कंपनी हाई-स्पीड डेटा, वॉयस सेवाएं और मोबाइल मनी जैसी सुविधाएं देती है, जहां 52 मिलियन से ज्यादा यूजर्स इसके फाइनेंशियल सर्विस प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं।

इस वैश्विक उपलब्धि के बावजूद भारत में एयरटेल अभी भी दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी है, क्योंकि रिलायंस जियो ने पिछले साल 500 मिलियन से ज्यादा यूजर्स का आंकड़ा पार कर लिया था, हालांकि उसकी सेवाएं केवल भारत तक सीमित हैं।इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए एयरटेल के एग्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन गोपाल विट्ठल ने कहा कि 650 मिलियन ग्राहकों तक पहुंचना एक बड़ी जिम्मेदारी है और कंपनी नवाचार और भरोसेमंद सेवाओं के जरिए ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने पर ध्यान देती रहेगी।

उन्होंने कहा कि एयरटेल का लक्ष्य टेलीकॉम इंडस्ट्री में नए और ऊंचे मानक स्थापित करना है। कंपनी तकनीकी विकास के मामले में भी आगे रही है और भारत में 5जी सेवाएं शुरू करने वाली शुरुआती कंपनियों में शामिल रही है।कोटक इक्विटीज की रिपोर्ट के अनुसार, एयरटेल का सब्सक्राइबर बेस लगातार बढ़ रहा है, और वित्त वर्ष 2021 से वित्त वर्ष 2026 के बीच इसकी औसत वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) 2.9 प्रतिशत रही है।

सबसे खास बात यह है कि कंपनी के डेटा यूजर्स 9.7 प्रतिशत की दर से बढ़े हैं, जो यह दिखाता है कि ज्यादा वैल्यू वाले ग्राहक तेजी से जुड़ रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अभी कंपनी के पास आगे बढ़ने की काफी संभावनाएं हैं, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों और मोबाइल ब्रॉडबैंड में। इसमें यह भी बताया गया है कि एयरटेल के करीब 20 प्रतिशत यूजर्स अभी भी 2जी और 3जी नेटवर्क पर हैं, जिससे कंपनी को इन्हें तेज और बेहतर सेवाओं (जैसे 4जी और 5जी) में अपग्रेड करने का बड़ा मौका मिल सकता है।

रुपये ने दिखाया दम, आरबीआई के दखल के बाद भारतीय मुद्रा में 13 साल की सबसे बड़ी तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रुपये की कीमत में लगातार आ रही गिरावट को रोकने के लिए दखल देने के बाद भारतीय मुद्रा आज 13 साल की सबसे बड़ी रिकवरी करने में सफल रही। आज के कारोबार में भारतीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 92.82 के हाई लेवल तक पहुंची। हालांकि बाद में इसकी कीमत में गिरावट आई। पूरे दिन के कारोबार के बाद भारतीय मुद्रा 1.77 प्रतिशत की मजबूती के साथ 93.10 रुपये प्रति डॉलर (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट (करेंसी मार्केट) में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 1.25 रुपये की तेजी के साथ 93.53 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। कारोबार शुरू होने के बाद आरबीआई की दखल का परिणाम नजर आने लगा। इस दखल की वजह से रुपये की स्थिति में और सुधार आने लगा। इंट्रा-डे में रुपया डॉलर की तुलना में रिकवरी कर 92.82 के स्तर तक आ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद भारतीय मुद्रा 93.10 रुपये प्रति डॉलर (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले इसी सप्ताह रुपये ने 95 रुपये के भी नीचे लुढ़क कर कमजोरी का नया रिकॉर्ड बनाया था।करेंसी मार्केट के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) और यूरो के मुकाबले भी मजबूत प्रदर्शन किया। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 2.86 रुपये की तेजी के साथ 122.91 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 1.67 रुपये की मजबूती के साथ 107.32 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारत में बैंकों को ट्रेडिंग के सबसे मशहूर तरीके रूपी ऑफशोर को ऑफर करने से रोक दिया गया है। आरबीआई ने ये कदम लगातार गिर रहे हैं रुपये को संभालने के लिए सख्ती के तौर पर उठाया है। केंद्रीय बैंक के इस कदम से रुपये की सट्टेबाजी पर रोक लगाई जा सकेगी। इसके साथ ही रुपये को भी प्रत्यक्ष सपोर्ट दिया जा सकेगा। पिछले सप्ताह ही शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक ने लेंडर्स के डेली ओनशोर करेंसी पोजीशंस की अधिकतम सीमा 10 करोड़ डॉलर तय कर दी थी।

अनुराग कपिल ने एनएमडीसी में निदेशक वित्त का पदभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे लेखा सेवा (आईआरएएस) के 1998 बैच के अधिकारी अनुराग कपिल ने भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड में निदेशक (वित्त) के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। इस्पात मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि अनुराग कपिल ने भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड में मंगलवार को निदेशक (वित्त) के रूप में पदभार ग्रहण किया। कपिल के पास भारतीय रेलवे और सीपीएसयू में 26 वर्षों से अधिक के करियर के साथ वित्तीय प्रबंधन और सार्वजनिक क्षेत्र के अभिशासन में परिचालन विशेषज्ञता तथा रणनीतिक विजन का अनुभव है।

मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने भारतीय रेलवे में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, एफए एंड सीएओ (ट्राफिक), एफए एंड सीएओ (वित्त एवं जनरल) तथा उप मुख्य सतर्कता अधिकारी सहित प्रमुख पदों पर कार्य किया है। उन्होंने कोयला मंत्रालय में निदेशक के रूप में भी कार्य किया है तथा कार्य के दौरान मंत्रालय में महत्वपूर्ण नीति और क्षेत्रीय कार्यों का भी सुव्यवस्थित रूप से संचालन किया है। इस्पात मंत्रालय के मुताबिक एनएमडीसी में कार्यग्रहण से पूर्व वे रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक, वित्त (व्यय) के रूप में कार्यरत थे, जहां उन्होंने भारतीय रेलवे के लिए वित्तीय नीति मामलों, व्यय प्रबंधन, योजना, परियोजना निगरानी तथा उत्पादकता विश्लेषण का दायित्व भी निभाया था।

अमेरिका व्यापार वार्ता में तरजीही बाजार पहुंच चाहता है भारत: पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत, अमेरिका में अपने उत्पादों के लिए तरजीही बाजार पहुंच की उम्मीद कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ देश के संबंध बहुत मज़बूत हैं, जिसमें प्रौद्योगिकी, रक्षा, व्यापार और निवेश के क्षेत्रों में गहरी रणनीतिक साझेदारी शामिल है।

पीयूष गोयल ने यहां आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का अमेरिका के साथ व्यापार समझौता, उसके प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में सबसे अच्छा है। उन्होंने कहा कि भारत अपने उत्पादों के लिए अमेरिका में तरजीही बाजार पहुंच चाहता है। अमेरिका के साथ व्यापार को बढ़ावा देने के मामले में देश बहुत अच्छी स्थिति में है। गोयल ने कहा, दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने के नाते भारत में निवेशकों के लिए अपार संभावनाएं हैं, जो भविष्य में भारत के अवसरों को और भी बड़ी संख्या में और ज़्यादा महत्व के साथ देखते रहेंगे। उन्होंने बताया कि 27 मार्च को कैमरून के याउंडे में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर के साथ एक बैठक की और भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की वार्ताओं में अगले कदमों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि दोनों विश्व व्यापार संगठन के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के दौरान मिले।केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कैमरून में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) में भारत की भागीदारी और रचनात्मक जुड़ाव विषय पर यहां आयोजित संवाददाता

सम्मेलन को संबोधित किया। पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में डब्ल्यूटीओ सुधारों पर गहन विचार-विमर्श में भारत की सक्रिय भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि डब्ल्यूटीओ-एमसी14 में अपने नागरिकों, विशेष रूप से किसानों और मछुआरों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की। इसके अलावा इस बात पर भी ज़ोर दिया कि भारत ने एक निष्पक्ष, पारदर्शी और नियमों पर आधारित बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली सुनिश्चित करने के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को किस प्रकार दोहराया है। गोयल ने मीडिया को बताया कि हमने 'निवेश सुविधा विकास समझौता' (आईएफडी) जैसे बहुपक्षीय समझौतों का विरोध किया और डब्ल्यूटीओ-एमसी14 में उचित सुरक्षा उपायों तथा आम सहमति के बिना उन्हें डब्ल्यूटीओ के ढांचे में शामिल करने पर अपनी सहमति नहीं दी। पीयूष गोयल ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में भारत ने डब्ल्यूटीओ-एमसी14 में सार्वजनिक स्टॉकहोल्डिंग और विशेष सुरक्षा तंत्र के लिए एक स्थायी समाधान की आवश्यकता को दोहराया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसान हितों की रक्षा और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

नेपाल में स्पीकर के लिए आरएसपी के डीपी अर्याल ने भरा नामांकन, कांग्रेस और कम्युनिस्ट ने दिया समर्थन

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में संघीय संसद के प्रतिनिधि सभा में स्पीकर पद के लिए सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की तरफ से डोल प्रसाद (डीपी) अर्याल ने संसद सचिवालय में जाकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। प्रमुख विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी ने अर्याल को ही समर्थन देने का फैसला लिया है। डीपी अर्याल के प्रस्तावक प्रतिनिधि सभा सदस्य और पार्टी अध्यक्ष रवि लामिछाने रहे, जबकि उनका समर्थन वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले, कानून मंत्री सोबिता गौतम और भौतिक पूर्वाधार मंत्री सुनील लम्साल ने किया है। प्रमुख विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी ने स्पीकर पद के लिए आरएसपी के अर्याल को ही समर्थन देने का फैसला किया है, जबकि यूएमएल अपना भी उम्मीदवार उतारने पर विचार कर रही है। कांग्रेस के महामंत्री प्रदीप पौडेल ने बताया कि सत्तापक्ष के पास संसद में पर्याप्त बहुमत है और स्पीकर एक साझा पद होता है, इसलिए पार्टी ने उम्मीदवार न देने का निर्णय लिया है और आरएसपी के ही उम्मीदवार के पक्ष में रहने का फैसला किया है। इसी तरह प्रचण्ड के नेतृत्व वाली नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी ने भी स्पीकर पद पर उम्मीदवार न उतारने का निर्णय लिया है और आरएसपी के उम्मीदवार अर्याल को समर्थन देने की घोषणा की है।

अपने ही संसदीय दल के नेता के बयान पर यूएमएल को आपत्ति, बुलाई आकस्मिक बैठक

काठमांडू। सीपीएन-यूएमएल ने प्रतिनिधि सभा की हुई पहली बैठक के दौरान संसदीय दल के नेता और कार्यवाहक अध्यक्ष राम बहादुर थापा 'बादल' द्वारा दिए गए बयान को लेकर पार्टी पदाधिकारियों में असंतोष के बाद आपातकालीन सचिवालय बैठक बुलाई गई है। यह बैठक शुक्रवार को दोपहर 1:00 बजे निर्धारित की गई है, जिसमें इस बात पर चर्चा होगी कि प्रतिनिधि सभा में थापा के बयान पार्टी की स्थापित नीतियों के अनुरूप नहीं थे। पार्टी के शीर्ष नेताओं के अनुसार, बैठक का मुख्य एजेंडा थापा के उन बयानों की समीक्षा करना है, जिनसे वरिष्ठ नेताओं के बीच असंतोष पैदा हुआ है। एक दिन पहले ही उन्हें संसदीय दल का नेता बनाए जाने को लेकर भी पार्टी के भीतर सवाल उठे हैं, और प्रतिनिधि सभा की पहली बैठक में दिए गए उनके बयानों ने आंतरिक तनाव को और बढ़ा दिया है। संसद सत्र के पहले दिन पार्टी की तरफ से बोलते हुए यूएमएल के संसदीय दल के नेता थापा ने वर्तमान जनादेश को विदेशी शक्ति की आड़ में प्राप्त बताया। उन्होंने नेपाल पुलिस से लेकर नेपाली सेना तक की भूमिका को चुनाव के दौरान संदिग्ध होने की बात कही। अपने पहले संबोधन में थापा ने कहा वर्तमान सरकार नेपाल के जनादेश से नहीं बल्कि पश्चिमी शक्तियों के बल पर बनी है जिसके लिए नेपाली सेना से लेकर बारबरा फाउंडेशन तक का सहयोग है। यह नेपाली जनता का जनादेश हो ही नहीं सकता है।

अब नेपाल में सभी सरकारी विज्ञापन सिर्फ सरकारी संचार माध्यम से दिए जायेंगे

काठमांडू। नेपाल सरकार ने सभी प्रकार के सरकारी विज्ञापन और सूचनाएं केवल सरकारी संचार माध्यमों के जरिए ही प्रकाशित और प्रसारित करने के लिए तीनों स्तर (संघ, प्रदेश और स्थानीय) के सरकारी निकायों को निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय ने शुक्रवार को निर्णय लेते हुए सभी संबंधित निकायों को यह परिपत्र जारी किया।पत्र में कहा गया है कि सभी सार्वजनिक निकायों को अपने विज्ञापन केवल सरकारी अखबार गोरखपत्र, द राइजिंग नेपाल, सरकारी एफएम रेडियो नेपाल और सरकारी टीवी चैनल नेपाल टेलीविजन जैसे सरकारी या सरकारी स्वामित्व वाले संचार माध्यमों में ही देना होगा। इसके अलावा विज्ञापन के भुगतान की राशि संबंधित संचार संस्था के आधिकारिक बैंक खाते में ही जमा करनी होगी। विज्ञापन की दर और छूट से संबंधित मामलों को भी संबंधित सरकारी संचार माध्यम से ही स्वीकृति लेनी होगी। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय के सचिवालय का कहना है कि विज्ञापन बाजार में फैली अव्यवस्था को रोकने के लिए यह नीति लागू की गई है। सचिवालय के अनुसार अधिकांश विज्ञापन तथाकथित 'क' श्रेणी के ऐसे अखबारों में प्रकाशित हो रहे थे, जो केवल नाम मात्र के हैं और आम जनता तक नहीं पहुंचते, जिससे राज्य कोष का दुरुपयोग हो रहा था।

खाड़ी देशों में फंसे नेपाली नागरिकों की वापसी के लिए भेजे जाएंगे विशेष विमान

काठमांडू। सरकार ने युद्धग्रस्त खाड़ी देशों में फंसे नेपाली नागरिकों को वापस लाने के लिए विशेष उड़ानें संचालित करने का निर्णय लिया है। विदेश मंत्री शिशिर खनाल के समन्वय में सरकार के विभिन्न निकायों के बीच हुई चर्चा के बाद खाड़ी देशों में फंसे नेपाली नागरिकों को स्वदेश वापस लाने के लिए आज से विशेष विमान भेजे जाने की योजना बनाई गई है। विदेश मंत्रालय के अनुसार पश्चिम एशिया में जारी तनाव और सुरक्षा स्थिति के कारण इन क्षेत्रों के लिए नियमित उड़ानें 28 फरवरी से स्थगित थीं। खाड़ी देशों में युद्ध शुरू होने के बाद नेपाल सरकार ने स्वदेश वापसी की इच्छा रखने वाले नेपाली नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन देने की अपील की थी। अब तक करीब 70 हजार नेपाली नागरिकों ने स्वदेश वापसी के लिए ऑनलाइन आवेदन दिया है। सरकार ने नेपाल एयरलाइंस के माध्यम से 3 अप्रैल से तीन दिनों तक चार उड़ानें संचालित की जाएंगी।

होर्मुज खोलने के लिए यूएन में बहरीन के प्रस्ताव पर रूस ने लगाया वीटो

एजेंसी

मास्को। होर्मुज स्ट्रेट को लेकर रूस का रुख हमेशा से ही ईरान के समर्थन में रहा है। खासतौर से रूस इस मामले में अमेरिका के हस्तक्षेप के खिलाफ रहा है। होर्मुज के बंद रहने से कई देशों को भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच बहरीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसके तहत देशों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित आवागमन करने के लिए सभी जरूरी बचाव के तरीके इस्तेमाल करने का अधिकार होगा। हालांकि, रूस ने इस प्रस्ताव को पहले ही वीटो कर दिया है। इन सबके बीच सवाल ये उठता है कि यूएन में इस प्रस्ताव को पास ना किए जाने के बाद क्या अमेरिका होर्मुज में अपनी ताकत का इस्तेमाल करेगा? संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के बिना, अमेरिका के लिए बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करना अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत चुनौतीपूर्ण होगा। रूस और चीन पहले ही अपना पक्ष स्पष्ट कर चुके हैं कि वे किसी भी एकतरफा सैन्य हस्तक्षेप को अवैध मानेंगे। हालांकि, अमेरिका ऐतिहासिक रूप से 'नेविगेशन की स्वतंत्रता' के नाम पर अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में अपने हितों की रक्षा के लिए अकेले कदम उठाता रहा है।

बहरीन के प्रस्ताव पर यूएन में रूस के वीटो के बाद अमेरिका संभवतः अपने सहयोगी देशों को होर्मुज स्ट्रेट में सैनिकों की तैनाती और कार्रवाई के लिए मना सकता है। हालांकि, फ्रांस और ब्रिटेन समेत कई देशों ने शुरुआत से ही होर्मुज स्ट्रेट में अपने युद्धपोत भेजने या किसी भी तरह से अपनी ताकत को इस संघर्ष में झोकने से इनकार कर दिया है।

फ्रांस का कहना है कि यह युद्ध अमेरिका ने शुरू किया है, इसलिए उसे खुद इस मामले से उलझना चाहिए। अमेरिका के लिए इस वक्त स्थिति काफी गंभीर बने हुए हैं। एक तरफ तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से यूएस पर वैश्विक दबाव बन रहा है। दूसरी तरफ ट्रंप सरकार के लिए पीछे हटना इस संघर्ष में हार मानने जैसा है। अमेरिका तमाम रोकथाम के बावजूद भी ईरान के खिलाफ हमले जारी रखे हुए है। अमेरिका में किसी भी देश पर हमला करने से पहले कांग्रेस में इसपर चर्चा की जाती है और उसपर सहमति बनने के बाद ही अमेरिकी किसी देश पर हमला कर सकता है। अमेरिकी कांग्रेस में ये आरोप लगाए गए कि ट्रंप सरकार ने ईरान पर हमला करने से पहले सीनेट में इस बात को नहीं रखा।

ट्रंप सरकार ने अब तक कानून की अनदेखी करते हुए अब तक वहीं किया,जो उन्हें करना था। ऐसे में बहरीन के प्रस्ताव पर सहमति ना बनने के बाद भी अगर यूएस होर्मुज में सैनिक भेजता है, तो यह सीधे तौर पर यूएन की प्रभावशीलता पर प्रश्न चिन्ह लगा देगा। यूएन चार्टर के हिसाब से अगर अमेरिका सैनिक भेजता है, तो यह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन होगा।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना प्रमुख को पद छोड़ने का दिया आदेश, पेंटागन में बड़े फेरबदल के संकेत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अमेरिकी आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज को तत्काल पद छोड़ने और सेवानिवृत्त होने का निर्देश दिया है। रक्षा मंत्री के इस आदेश के बाद जनरल जॉर्ज ने प्रभावी रूप से अपना पद त्याग दिया है। ईरान के साथ जारी भीषण तनाव के बीच, हेगसेथ का यह कड़ा फैसला पेंटागन में बड़े प्रशासनिक फेरबदल का संकेत दे रहा है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने एक बयान में कहा, 'जनरल रैंडी ए. जॉर्ज आर्मी के 41वें चीफ ऑफ स्टाफ के पद से तत्काल प्रभाव से रिटायर हो रहे हैं। रक्षा विभाग देश के लिए उनकी दशकों की सेवा के लिए उनका आभारी है और उनके रिटायरमेंट के लिए शुभकामनाएं देता है।' अमेरिकी सेना और रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्टि की है कि हेगसेथ ने जॉर्ज से पद छोड़ने के लिए कहा था। उनकी जगह सेना के उप सेनाध्यक्ष जनरल क्रिस्टोफर लानेव जिम्मेदारी संभालेंगे। जनरल क्रिस्टोफर लानेव सीनेट से उनके उत्तराधिकारी की पुष्टि होने तक एक्टिंग चीफ के तौर पर काम करेंगे।

हता दें, जनरल रैंडी ए. जॉर्ज सितंबर 2023 में सेना के प्रमुख बने थे, उनके पास आम तौर पर चार साल के कार्यकाल में लगभग डेढ़ साल बाकी थे। हेगसेथ के ऑफिस संभालने के बाद जॉर्ज पद छोड़ने वाले सबसे नए वरिष्ठ सैन्य अधिकारी बन गए हैं। यह बदलाव सिर्फ एक पोस्ट से कहीं ज्यादा है। रिपोर्टिंग में बताए गए रक्षा अधिकारियों के मुताबिक, जॉर्ज के साथ दो और आर्मी जनरलों को भी हटा दिया गया।

पाकिस्तान के खैबर पखतूनख्वा में पुलिस स्टेशन पर आत्मघाती हमला, पांच की मौत

एजेंसी

खैबर पख्तूनख्वा। पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू इलाके में एक आत्मघाती हमले की घटना सामने आई है। शुक्रवार को बन्नू के डोमेल पुलिस स्टेशन पर एक सुसाइड कार बम धमाका हुआ। इस धमाके में हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक पुलिसवाले समेत 13 लोग घायल हो गए। डिस्ट्रिक्ट इमरजेंसी ऑफिसर बख्तुल्लाह वजीर ने इसकी पुष्टि की। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, मरने वालों में एक ही परिवार के पति, पत्नी, बेटी और बेटा शामिल हैं। धमाका तब हुआ, जब विस्फोटकों से भरी एक गाड़ी पुलिस स्टेशन के पिछले हिस्से से टकरा गई, जिससे एक जोरदार धमाका हुआ और फिर गोलीबारी शुरू हो गई। शुरुआती रिपोर्ट में पाकिस्तानी मीडिया डॉन ने बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि इसकी आवाज मीलों दूर तक सुनी गई। धमाके में पुलिस स्टेशन की संतरी पोस्ट पूरी तरह से तबाह हो गई, जबकि बिल्डिंग का एक बड़ा हिस्सा मलबे में बदल गया। धमाके से आसपास के

रिहायशी इलाकों को भी बहुत नुकसान हुआ, कई घर गिर गए और कई लोग मलबे में फंस गए। रेस्क्यू 1122 के मुताबिक, घायलों को तुरंत पास के अस्पतालों में ले जाया गया, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

डिस्ट्रिक्ट इमरजेंसी ऑफिसर बख्तुल्लाह वजीर ने कहा कि धमाके के बाद सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। जब तक इलाका पूरी तरह से साफ नहीं हो जाता, तब तक ऑपरेशन जारी रहेगा।

इसके पहले बन्नू में ही घोरा गांव में एक जोरदार धमाका हुआ, जिसमें एक सरकारी स्कूल तबाह हो गया। डॉन के अनुसार, बदमाशों ने बन्नू के बाका खेल इलाके के घोरा गांव में सरकारी प्राइमरी स्कूल नूर जान बाका खेल में विस्फोटक लगाए और बिल्डिंग को उड़ा दिया।

डॉन ने बताया कि धमाके की वजह से स्कूल का स्ट्रक्चर पूरी तरह तबाह हो गया। पुलिस सूत्रों ने दावा किया है कि आतंकवादी कथित तौर पर स्कूल के अंदर रह रहे थे और जब धमाका हुआ तो वे एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईडी) तैयार कर रहे थे। हालांकि इस दावे की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अमेरिका ने पेटेंट वाली दवाओं पर लगाया 100 प्रतिशत टैरिफ

एजेंसी

वॉशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका आयातित पेटेंट दवाओं पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसके पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों और विदेशी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भारी निर्भरता को कारण बताया है। जारी घोषणा में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दवाइयां और उनसे जुड़े घटक 'इतनी मात्रा में और ऐसी परिस्थितियों में अमेरिका में आयात किए जा रहे हैं कि वे संयुक्त राज्य की राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुँचा सकते हैं।' यह घोषणा पेटेंट दवाओं और सक्रिय औषधीय घटकों (एपीआई) को निशाना बनाती है। ये नागरिक स्वास्थ्य सेवाओं और सैन्य तैयारी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। प्रशासन ने चेतावनी दी कि विदेशी उत्पादन पर निर्भरता भू-राजनीतिक या आर्थिक संकट के दौरान 'जीवन रक्षक दवाओं' की उपलब्धता को बाधित कर सकती है। आदेश के तहत, अधिकांश आयातित पेटेंट दवाओं पर 100 प्रतिशत का मूल्य-आधारित (एड वैलोरेम) शुल्क लगाया जाएगा। जो कंपनियां उत्पादन को अमेरिका में स्थानांतरित करने का वादा करेंगी, उन्हें 20 प्रतिशत का कम शुल्क देना होगा, जो चार साल बाद बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगा।

घोषणा में प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के लिए अलग-अलग शुल्क दरों का भी उल्लेख है। यूरोपीय संघ, जापान, दक्षिण कोरिया और स्विट्ज़रलैंड से आयात पर लगभग 15 प्रतिशत का कम शुल्क लगेगा, जबकि अनाथ दवाएँ, परमाणु दवाएँ और जीन थेरेपी जैसी कुछ विशेष श्रेणियाँ इस शुल्क से मुक्त रहेंगी।

फिलहाल जेनेरिक दवाओं और बायोसिमिलर्स को इस शुल्क व्यवस्था से बाहर रखा गया है। घोषणा में कहा गया, 'जेनेरिक दवाएँ और उनसे जुड़े घटक... इस समय शुल्क के अधीन नहीं होंगे।'

अधिकारियों ने बताया कि यह नीति घरेलू दवा निर्माण को मजबूत करने और आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। व्हाइट हाउस में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर ने कहा कि ध्यान केवल शुल्क पर नहीं बल्कि उत्पादन के दीर्घकालिक पुनर्गठन पर भी है।

उन्होंने कहा, 'मुद्दा सिर्फ शुल्क दर का नहीं है बल्कि उन समझौतों का है जो हम देशों और कंपनियों के साथ कर रहे हैं ताकि आपूर्ति श्रृंखलाएँ सुरक्षित रहें और उत्पादन अमेरिका में हो।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि कंपनियां पहले से ही इस नीति पर प्रतिक्रिया दे रही हैं। उन्होंने अमेरिका में हो रहे निवेश की ओर इशारा करते हुए कहा, 'हम नए फार्मास्युटिकल संयंत्रों के निर्माण में ठोस प्रगति देख रहे हैं।' ये शुल्क 31 जुलाई 2026 से चरणबद्ध तरीके से लागू किए जाएंगे और कुछ कंपनियों को मौजूदा समझौतों के आधार पर समयसीमा में छूट दी जाएगी।

ट्रंप ने ईरान के खिलाफ कार्रवाई बच्चों के भविष्य में निवेश जैसी, हमले तेज करने की दी चेतावनी

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आने वाले हफ्तों में ईरान के खिलाफ हमले और तेज करने की बात कही और चेतावनी दी है कि ये हमले अभी कुछ हफ्तों तक और चलेगा। ट्रंप ने कहा कि हम अगले दो से तीन हफ्तों में उन पर बहुत जोरदार हमला करने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के खिलाफ इन हमलों को बच्चों के भविष्य में निवेश बताया। देश के नाम अपने संबोधन में स्थानीय समयानुसार ट्रंप ने कहा कि ईरान के खिलाफ ऑपरेशन एक महीने से थोड़ा ज्यादा चला है, लेकिन अमेरिका ने पहले ही उस चीज को खत्म कर दिया है जिससे बड़ा खतरा बताया था। उन्होंने कहा, 'हम इस सैन्य ऑपरेशन में 32 दिनों से हैं और देश को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है और असल में अब कोई खतरा नहीं है।' उन्होंने कैंपेन की रफ्तार में तेजी को दिखाने के लिए इसकी तुलना पिछले अमेरिकी युद्धों के समय से की। ट्रंप ने कहा, 'पहले विश्व युद्ध में अमेरिका की भागीदारी एक साल, सात महीने और पांच दिन तक चली। दूसरा वर्ल्ड वॉर तीन

साल, आठ महीने और 25 दिन तक चला। कोरियाई युद्ध तीन साल, एक महीने और दो दिन तक चला। वियतनाम युद्ध 19 साल, पांच महीने और 29 दिन तक चला और इराक युद्ध आठ साल, आठ महीने और 28 दिन तक चला।' ईरान ऑपरेशन को बहुत तेज बताते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने ऐसी रफ्तार से नतीजे दिए हैं जो मॉडर्न लड़ाई में बहुत कम देखी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'लड़ाई के इतिहास में कभी किसी दुश्मन को कुछ हफ्तों में इतना साफ, भयानक और बड़े पैमाने पर नुकसान नहीं हुआ।' उन्होंने कहा कि लड़ाई का कम समय सैन्य ताकत और रणनीतिक स्पष्टता दोनों को दिखाता है। ट्रंप ने कहा, 'हम अमेरिका और दुनिया के लिए ईरान के खतरे को खत्म करने की कगार पर हैं।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'हम तब तक काम करते रहेंगे, जब तक हमारे मकसद पूरी तरह पूरे नहीं हो जाते। हमने जो प्रक्रिया की है, उसकी वजह से मैं कह सकता हूं कि हम बहुत जल्द अमेरिका के सभी मकसद पूरे करने की राह पर हैं।' उन्होंने ईरान को यह भी चेतावनी दी है कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ, तो हम उनके हर बिजली बनाने वाले प्लांट पर बहुत जोरदार हमला करेंगे और शायद एक साथ।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस लड़ाई को अमेरिका के लिए बेहतर और सुरक्षित भविष्य पक्का करने की कोशिश बताया है। ट्रंप ने कहा, 'यह आपके बच्चों और आपके नाती-पोतों के भविष्य में एक सच्चा निवेश है।

नेपाल में 130 करोड़ का रेस्क्यू घोटाला, 32 लोगों के खिलाफ मुकदमा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि भारत सहित कई देशों के साथ हुए नए व्यापार समझौतों ने अमेरिकी व्यापार घाटे को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। यह बयान डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति के एक साल पूरे होने पर जारी किया गया, जिसे प्रशासन 'लिबरेशन डे' के रूप में देखता है। व्हाइट हाउस के अनुसार, इन नीतियों के चलते अमेरिकी अर्थव्यवस्था पहले से अधिक मजबूत, प्रतिस्पर्धी और सुरक्षित बनी है। प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा, 'एक साल पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने 'फ्री ट्रेड' के भ्रम को खत्म कर 'अमेरिका फर्स्ट' को प्राथमिकता दी। इसके नतीजे चौंकाने वाले रहे हैं, जिसमें 20 से अधिक नए व्यापार समझौते, मैन्युफैक्चरिंग में खरबों डॉलर का निवेश, दवाओं की कीमतों में कमी और व्यापार घाटे में गिरावट शामिल।' प्रशासन का कहना है कि अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच अमेरिका का वस्तु व्यापार घाटा पिछले साल की तुलना में 24 प्रतिशत तक घटा है। खास बात यह है कि नीति में बदलाव के बाद से हर महीने साल-दर-साल आधार पर घाटा कम होता गया है। आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका के 63 प्रतिशत से अधिक व्यापारिक साझेदारों के साथ द्विपक्षीय व्यापार संतुलन में सुधार हुआ है। चीन के साथ व्यापार घाटा पिछले एक साल में 32 प्रतिशत और अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच 46 प्रतिशत तक घटा है। व्हाइट हाउस ने यह भी बताया कि साल 2000 के बाद पहली बार चीन अब वह देश नहीं रहा, जिसके साथ अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापार घाटा है। वहीं यूरोपीय संघ के साथ भी घाटा लगभग 40 प्रतिशत तक कम हुआ है। इसके अलावा, स्विट्जरलैंड के साथ अमेरिका ने 2012 के बाद पहली बार वस्तु व्यापार में सरप्लस दर्ज किया है।

2030 तक चंद्रमा पर स्थायी ठिकाना स्थापित करने को लेकर अमेरिकी विधेयक पेश

एजेंसी

वॉशिंगटन। एक अमेरिकी सांसद ने ऐसा विधेयक पेश किया है, जिसमें नासा को 2030 तक चंद्रमा पर स्थायी ठिकाने के प्रारंभिक ढांचे स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। उनका कहना है कि यह कदम अंतरिक्ष में चीन से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच अमेरिका की नेतृत्व भूमिका बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। कीथ सेल्फ ने नासा को 2030 तक चंद्रमा पर स्थायी ठिकाने की स्थापना के लिए निर्देशित करने वाला विधेयक पेश किया, जो आर्टेमिस द्वद्व मिशन के प्रक्षेपण के एक दिन बाद सामने आया। यह मिशन पांच दशकों से अधिक समय में पहली मानवयुक्त उड़ान है जो चंद्र कक्षा तक गई। इस प्रस्ताव का उद्देश्य मौजूदा अमेरिकी अंतरिक्ष कानून में संशोधन करना है और 31 दिसंबर 2030 तक प्रारंभिक ठिकाना स्थापित करने की समयसीमा तय करता है।

कीथ सेल्फ ने कहा, 'कल रात

अमेरिका ने दुनिया को याद दिलाया कि हम पृथ्वी के सबसे महान अंतरिक्ष यात्री देश हैं लेकिन जश्न मनाना कोई रणनीति नहीं है। अगर हमें अंतरिक्ष में अपनी नेतृत्व भूमिका बनाए रखनी है, तो हमें चंद्रमा पर स्थायी रूप से मानव उपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी।'

विधेयक के अनुसार, नासा प्रशासक को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर प्रारंभिक बुनियादी ढांचा स्थापित करना होगा। यह क्षेत्र जल-बर्फ की मौजूदगी के कारण रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है, जिसे रॉकेट ईंधन में बदला जा सकता है। साथ ही, यहां हीलियम-3 और दुर्लभ खनिज भी पाए जाते हैं। सेल्फ ने इस मिशन को आर्थिक और रणनीतिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, 'चंद्रमा केवल एक गंतव्य नहीं है बल्कि यह एक नए औद्योगिक युग की नींव है। यहां के संसाधन अंतरिक्ष निर्माण, खनन और निर्माण कार्यों की अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाएंगे।'

उन्होंने कहा कि अमेरिकी कंपनियां पहले से ही इस दिशा में तकनीक विकसित कर रही हैं लेकिन उन्हें सरकार के निरंतर समर्थन और चंद्रमा पर स्थायी उपस्थिति की जरूरत है।

यह विधेयक ऐसे समय में आया है जब चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने भी दशक के अंत तक चंद्रमा के इसी क्षेत्र में एक अनुसंधान स्टेशन स्थापित करने की योजना बनाई है।

सेल्फ ने कहा, 'चीन की कम्युनिस्ट पार्टी अंतरिक्ष में हमारा साझेदार नहीं बल्कि प्रतिस्पर्धी है और वह जीतने के इरादे से आगे बढ़ रही है। चंद्र संसाधनों पर अंतरराष्ट्रीय कानून अभी स्पष्ट नहीं है। जो देश पहले वहां स्थायी उपस्थिति स्थापित करेगा, वही नियम तय करेगा।'

ऑस्ट्रेलिया ने दवाइयों पर शुल्क लगाने के मुद्दे पर अमेरिका से बातचीत से किया इनकार

एजेंसी

कैनबरा। ऑस्ट्रेलियाई सरकार अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क के दबाव के बावजूद दवाओं के लिए अपनी सब्सिडी योजना में कोई बदलाव नहीं करेगी। स्वास्थ्य मंत्री मार्क बटलर ने शुक्रवार को सरकार का पक्ष रखा। बटलर ने सेवन नेटवर्क को बताया कि ऑस्ट्रेलिया अमेरिकी प्रशासन के साथ फार्मास्युटिकल बेनेफिट्स स्कीम (पीबीएस) के 'मूलभूत सिद्धांतों' पर कोई बातचीत नहीं करेगा। इस योजना के तहत केंद्रीय सरकार प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की कीमतों में सब्सिडी देती है। बटलर ने कहा, 'हम अमेरिका को यह सबसे स्पष्ट संदेश लगातार भेज रहे हैं क्योंकि हम जानते हैं कि वहां बड़ी दवा कंपनियां अपने दबाव में हमारे पीबीएस और दुनिया के अन्य देशों की समान योजनाओं को कमजोर करने की कोशिश करती हैं। हम इन मूलभूत सिद्धांतों पर बातचीत नहीं कर रहे हैं।' बटलर यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कुछ पेटेंट वाली दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के बाद दे रहे थे। मार्च के अंत में ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापारिक शिकायतों की अद्यतन सूची में अमेरिकी प्रशासन ने कहा कि पीबीएस अमेरिकी नवाचार का मूल्य कम करके दिखाता है और अनुचित दवा मूल्य निर्धारण प्रथाओं के माध्यम से अमेरिकी उद्योग को प्रभावित करता है। इस योजना के तहत,

फार्मास्युटिकल निर्माता सीधे ऑस्ट्रेलियाई सरकार के साथ बिक्री पर बातचीत करते हैं ताकि वाणिज्यिक बोली युद्धों को रोका जा सके। संयुक्त राष्ट्र के कॉमट्रेड डेटा के अनुसार, 2025 में ऑस्ट्रेलियाई दवा निर्यात अमेरिका में 1.3 बिलियन डॉलर का था। बायोटेक्नोलॉजी कंपनी सीएसएल ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी दवा निर्माता कंपनी है, लेकिन बटलर ने कहा कि सरकार को भरोसा है कि मेलबर्न स्थित इस कंपनी को नए शुल्क से छूट मिलेगी क्योंकि इसका अमेरिका में बड़ा उत्पादन आधार है।व्यापार मंत्री डॉन फैरेल के प्रवक्ता ने आस्ट्रेलियन ब्राडकास्टिंग कार्पोरेशन को शुक्रवार को बताया कि सरकार अमेरिकी दवा शुल्क से निराश है और 'अनुचित और गैर-जरूरी' शुल्क को हटाने के लिए दबाव डालना जारी रखेगी।

नेपाल के गृहमंत्री कार्यालय के सोफे पर सोये, सोशल मीडिया पर तस्वीर वायरल

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के गृहमंत्री सूदन गुरूंग ने मंत्रालय के दफ्तर के सोफे पर सोते हुए अपनी एक तस्वीर सार्वजनिक की है। उन्होंने यह तस्वीर फेसबुक के माध्यम से साझा की, जिसमें वे कार्यालय के भीतर ही सोते हुए दिखाई दे रहे हैं।फेसबुक पर फोटो पोस्ट करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'निर्माता से बड़ा निर्माण नहीं होता, जनता से ऊपर सरकार नहीं होती।' तस्वीर में वे सोफे पर रजाई ओढ़कर सोते हुए नजर आ रहे हैं।

उनके करीबी लोगों का कहना है कि जब से सुदन गुरूंग ने गृह मंत्रालय का कार्यभार संभाला है तब से वो अपने घर पर नहीं गए हैं। उन्हें कई दिन तक भी देर रात तक मंत्रालय में सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक करते देख गया है। गृह मंत्री बनने के दिन ही गुरूंग ने देर रात तक सुरक्षा अधिकारियों से बैठक कर उन्हें जेन-जी आंदोलन में दमन करने के आरोप में कार्रवाई का आदेश दिया।

गुरूंग के ही निर्देश पर पद संभालने के दूसरे दिन ही तत्कालीन प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली और गृहमंत्री रमेश लेखक को गिरफ्तार किया गया। पुराने प्रधानमंत्री मंत्री नेता शीर्ष अधिकारी सभींके खिलाफ जितने भी मामले लंबित हैं सभी पर कार्रवाई के लिए वो लगातार जांच एजेंसियों पर दबाव बना रहे हैं।

नौसेना में शामिल हुआ युद्धपोत तारागिरी, दुश्मन पर हमला और दोस्तों की करेगा मदद

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना में शुक्रवार को एक नवीनतम स्टील्थ युद्धपोत, 'तारागिरी' शामिल किया गया है। इस युद्धपोत को विशाखापत्तनम में 3 अप्रैल की दोपहर नौसेना में कमीशन किया गया। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहे। 'तारागिरी' नामक यह युद्धपोत सुपरसोनिक मिसाइलों से लैस है। ये मिसाइल सतह से सतह पर मार कर सकती हैं। इसमें मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और एक विशेष पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली भी है। अत्याधुनिक युद्ध प्रबंधन प्रणाली व घातक हथियारों से लैस यह युद्धपोत दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'तारागिरी' को एक स्टेट ऑफ द आर्ट वॉरशिप करार दिया। उन्होंने कहा कि तारागिरी की कमीशनिंग, भारत की बढ़ती हुई सामुद्रिक शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमारी नौसेना भारत के मूल्यों और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आईएनएस तारागिरी की कमीशनिंग , भारतीय नौसेना की ताकत में, मूल्यों में, तथा प्रतिबद्धता में और वृद्धि करेगी। गौरतलब है कि मानवीय मूल्यों के प्रति सजग भारतीय नौसेना आपदा के दौरान देश ही नहीं विदेशों में भी आपदा राहत के कार्य में शामिल होती है। नौसेना का यह नया युद्धपोत तारागिरी भी मानवीय संकट व आपदा के दौरान राहत पहुँचाने में बड़ी मदद कर सकता है।

इसकी अनुकूल मिशन प्रोफाइल इसे उच्च-तीव्रता वाले युद्ध के साथ साथ मानवीय सहायता और आपदा राहत के लिए एक आदर्श समुद्री जहाज बनाती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि 'तारागिरी' हमारे राष्ट्रीय गौरव और सामूहिक प्रतिबद्धता का

प्रतीक है। जब यह जहाज समुद्र की लहरों को चीरते हुए आगे बढ़ेगा, तो यह पूरी दुनिया को यह संदेश देगा कि भारत की ताकत भारत के लोगों में है, उनकी मेहनत में है, उनकी क्षमता में है और उनके अटूट संकल्प में है।

इस युद्धपोत का निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा किया गया है। यह युद्धपोत अपने पूर्ववर्ती युद्धपोतों के डिजाइनों की तुलना में एक पीढ़ीगत विकास का प्रतिनिधित्व करता है। इसके निर्माण में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। इस अवसर पर रक्षामंत्री ने मझगांव डॉक शिपयार्ड लिमिटेड और भारतीय नौसेना समेत सभी देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड की भूमिका, इसमें बहुत महत्वपूर्ण रही है। दशकों से यह संस्थान, देश के लिए एडवांस नौसैनिक प्लेटफार्म तैयार कर रहा है। कुशल वर्कफोर्स, आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता ने, इसे एक विश्वसनीय नाम बना दिया है। गौरतलब है कि भारत में बड़े स्तर पर स्वदेशी रक्षा उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है। इसके चलते देश का रक्षा निर्यात भी बढ़ा है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में देश का कुल रक्षा निर्यात बढ़कर 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 62.66 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दर्शाता है। हथियार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम, गोला-बारूद, जहाज बनाने और अन्य सैन्य उपकरणों पर बड़ा खर्च किया गया। सेना, वायु सेना और नौसेना के लिए कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम हुआ, जैसे मल्टी रोल फाइटर विमान, लंबे समय तक उड़ान भरने वाले ड्रोन, नौसेना के खास जहाज और मिसाइल सिस्टम।

page 1 and 8 Apr 4_page 1 Mar 25 final ds.qxd 4/4/2026 12:19 AM Page 2

आंवला की खेती के मुख्य पहलू-

उचित समय- पौधारोपण के लिए जुलाई-अगस्त (बरसात) सबसे अच्छा समय है, लेकिन फरवरी-मार्च में भी लगाया जा सकता है।

मिट्टी और जलवायु- बलुई दोमट मिट्टी सबसे उपयुक्त है, लेकिन इसे क्षारीय/ऊसर (pH 9.0 तक) भूमि में भी उगाया जा सकता है।

पौधे की तैयारी कलम वाले पौधे ही लगाएं, क्योंकि बीज से उगे पौधे 7-8 साल में फल देते हैं, जबकि कलम वाले 3-4 साल में ही फल देना शुरू कर देते हैं।

गड्ढे की तैयारी 1×1×1 मीटर के गड्ढे खोदकर 1 महीने धूप लगने दें, फिर गोबर की खाद (15-20 किलो), सिंगल सुपर फास्फेट (किलो) और मिट्टी के मिश्रण से भरें।

देखरेख शुरुआती 2-3 साल गर्मियों में पानी (ड्रिप सिंचाई) और पाले से सुरक्षा जरूरी है। गर्मी में आंवला तुड़ाई के बाद 3 महीने पानी न दें।

पैदावार और कमाई 5 साल का एक स्वस्थ पेड़ लगभग 60-70 किलो से अधिक उत्पादन दे सकता है।

इंटरक्रॉपिंग (फसली खेती) शुरुआती 3-4 सालों तक आंवले के बगीचे में उड़द, मूंग या सब्जियों जैसी छोटी फसलें उगाकर अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सकती है।

महत्वपूर्ण किस्में

बनारसी-जल्दी पकने वाली (मई-जून)।

ह्व-7 (नरेन्द्र आंवला-7) सबसे अधिक प्रचलित और ज्यादा पैदावार देने वाली।

चकाय मध्यम और अधिक उपज।

कृष्णा अधिक उत्पादन के लिए उपयुक्त।

आंवला का पौधा

आंवला के बीज कब लगाएं

गार्डन या गमले की मिट्टी में आंवला के बीज लगाने का बेस्ट टाइम जनवरी से फरवरी और जुलाई से सितम्बर का महीना होता है। मिट्टी का तापमान लगभग 25-35एष्ट होने पर आंवला के बीज अच्छी तरह से जर्मिनेट होते हैं।

आंवला के पौधे लगाने के लिए कंटेनर या गमला

आप आँवला के पौधों को निम्न आकार के गमले या ग्रो बैग में लगा सकते हैं, जो निम्न हैं-

12 X 15 इंच (चौड़ाई X ऊंचाई)

15 X 15 इंच (चौड़ाई X ऊंचाई)

15 X 18 इंच (चौड़ाई X ऊंचाई)

18 X 18 इंच (चौड़ाई X ऊंचाई)

नोट - अगर आप आँवला के पौधे की छोटी किस्मों को लगा रहें हैं, तो कम आकार के गमले या ग्रो बैग का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

आंवले के पौधे को बहुत शुभ माना जाता है और साथ ही इसके फल पोषक तत्वों से भी भरपूर होते हैं जिनके सेवन से समय से पहले बाल सफेद न होना, आँखों की रोशनी बढ़ना जैसे कई सारे फायदे शरीर को होते हैं, इसीलिए हर किसी को अपने घर में आंवले के पौधे को जरूर लगाना चाहिए। यह एक ऐसा पेड़ है जिसे एक बार लगा देने पर बड़ा होने के बाद यह कई सालों तक फल देता रहता है। यदि आप भी जानना चाहते हैं कि आंवले को घर पर बीज से कैसे उगाएं तो यह लेख आपके लिए ही है। घर पर आँवला या इंडियन गूसबेरी के बीज कब लगाएं, गमले में आँवला के बीज लगाने की विधि क्या है तथा अमला या आंवला के पेड़ की देखभाल या केयर कैसे करें, के बारे में संपूर्ण जानकारी के लिए लेख को लास्ट तक जरूर पढ़ें।

आंवला प्लांट लगाने के लिए मिट्टी

इंडियन गूसबेरी या आंवला के पौधे को उगाने के लिए दोमट मिट्टी या चिकनी मिट्टी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, लेकिन ध्यान रखें कि, मिट्टी न तो बहुत अधिक जलभराव वाली होनी चाहिए और न ही बहुत अधिक रेतीली। आंवला के पौधे थोड़ी अम्लीय और थोड़ी क्षारीय मिट्टी में (6.5-9.5 PH) अच्छे से ग्रो होते हैं।

गमले में आंवला के बीज कैसे लगाएं

आंवले का पेड़ काफी बड़ा (लगभग 20-25 फुट लम्बा) होता है, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि, इसे उगाने के लिए बड़ा गार्डन ही चाहिए। आप इसे आसानी से अपने घर के छोटे गार्डन में या छत पर गमले में भी बीज से उगा सकते हैं। आप इन सरल स्टेप्स को फॉलो करके गमले में आंवला के पौधे आसानी से उगा सकते हैं, जैसे

1. सबसे पहले आप जिस भी वैरायटी के आंवला उगाना चाहते हैं, उसके बीज खरीद लें या उन्हें आँवला के फल से भी निकाल कर लगा सकते हैं।
2. आँवला के पौधे के लिए अच्छा पॉटिंग मिक्स तैयार करने के लिए आप 50न बलुई या चिकनी मिट्टी, 20न गोबर की खाद, 20% वर्मीकंपोस्ट और 10% नीम खली को मिक्स करें।
3. अब पॉटिंग मिक्स युक्त, सीडलिंग ट्रे या उचित आकार के ग्रो बैग (6 से 10 इंच) में आंवले के बीज को 0.6 सेंटीमीटर (1/4 इंच) की गहराई में लगा दें।
4. बीज लगाने के बाद मिट्टी में पानी डालें, ताकि मिट्टी नम हो जाए।
5. अब गमलों को आंशिक छाया वाली जगह पर ब्राइट लाइट में रख दें।
6. मिट्टी में नमी को बनाये रखें, इसके लिए समय-समय पर गमलों या सीडलिंग ट्रे (जिसमें बीज लगाएं हों) को चेक करते रहें।
7. अनुकूल जलवायु मिलने पर आंवला के बीज 30 से 50 दिन में जर्मीनेट हो जाते हैं।
8. यदि आप नर्सरी से खरीद कर आंवले का पौधा लाये हैं या फिर आपके द्वारा बीज से लगाए गए पौधे की लम्बाई 5-10 इंच हो जाए, तब आप पौधों को बड़े गमले या ग्रो बैग में रिपॉट अर्थात् स्थानांतरित कर सकते हैं।

आंवले के पेड़ की देखभाल कैसे करें

घर पर गमले या गार्डन की मिट्टी में लगे आँवला के पौधे लगभग 5-8 साल में फल देने लगते हैं, इसलिए लम्बे समय तक इसकी देखभाल करने की जरूरत होती है। होम गार्डन में लगे आंवला के पेड़ की देखभाल करने के लिए निम्न टिप्स को फॉलो करें, जो इस प्रकार हैं

आंवला के पौधों को शुरूआत में नियमित रूप से पानी देने की आवश्यकता होती है, लेकिन जैसे-जैसे पौधा परिपक्व होता जाता है, उसे कम पानी की आवश्यकता होती है। आँवला के पौधे बड़े होने पर पानी तभी दें, जब पौधे की मिट्टी की ऊपरी परत सूखी दिखाई दें। आप मिट्टी में ऊँगली डालकर जांच कर सकते हैं कि, मिट्टी गीली है या सूखी। एक बात का विशेष ध्यान रखें कि, आंवला के पौधों में फल आते समय जरूरत के अनुसार पौधों को पानी जरूर दें। पौधों को पानी देने के लिए आप वॉटर केन और स्प्रे पंप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सन लाइट

आंवला या इंडियन गूसबेरी के पौधों को अच्छी तरह से ग्रो करने के लिए भरपूर धूप की आवश्यकता होती है, इसलिए पौधे लगे गमले या ग्रो बैग को ऐसे स्थान पर रखें, जहां पौधे को आवश्यकता अनुसार धूप प्राप्त हो सके। गर्मी के मौसम में तेज धूप के दौरान पौधे को आंशिक छाया में रखें, क्योंकि तेज धूप के कारण पौधे मुरझा सकते हैं या खराब हो सकते हैं। आप पौधों को तेज धूप से बचाने के लिए शेड नेट का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

तापमान और आर्द्रता

गर्मी के मौसम में आँवला के पेड़ में अधिक फूल खिलते हैं, जबकि बरसात (जुलाई से अगस्त) के मौसम में उच्च आर्द्रता की जलवायु फलों की ग्रोथ के लिए हेल्पफुल होती है। अच्छी तरह से ग्रो हो चुका, आँवला का पेड़ 0एष्ट-45एष्ट के टेम्प्रेचर को भी सहन कर सकता है।

खाद और उर्वरक

गमले या ग्रो बैग की मिट्टी (मृदा) में लगे आँवला के पौधे की ग्रोथ के लिए समय-समय पर पुरानी गोबर खाद, वर्मीकम्पोस्ट और घर में सब्जियों के छिलकों से बनी जैविक खाद दे सकते हैं। इसके अलावा आप इंडियन गूसबेरी में फूल लगने के 2-3 सप्ताह पहले खाद दे सकते हैं, ताकि पौधे में अच्छी तरह से फूल खिलने के बाद फल लग सकें।

कीट और रोग

आँवला का पौधा कैटरपिलर, मिली बग्स जैसे कीटों और रस्ट रोग से संक्रमित हो सकता है। रस्ट रोग के कारण आँवला के पौधे के तने, पत्तियों व फलों पर लाल रंग के गोल, अंडाकार धब्बे बन जाते हैं। आप घरेलू कीटनाशकों जैसे नीम तेल, साबुन का स्प्रे आदि का उपयोग करके इन अवांछित कीटों से छुटकारा पा सकते हैं। एक लीटर पानी में 3-4ml नीम तेल और लिक्विड सोप की कुछ बूंदे मिलाएं और इस घोल को स्प्रे पम्प में भरकर पौधे के कीट व रोग ग्रस्त भाग पर छिड़काव करें।

प्रूनिंग

आँवला प्लांट की सूख चुकी ,डैमेज, रोगग्रस्त और उलझी हुई ब्रान्चेस को समय-समय पर हटा देना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से पौधा साफ-सुथरा हो जाता और रोग व कीट लगने की संभावना भी कम होती है। इसके अतिरिक्त पौधे से डैमेज भाग हटा देने से पौधे की ऊर्जा व्यर्थ नहीं जाती है, क्योंकि पौधे की जो ऊर्जा खराब भागों में नष्ट हो जाती थी, अब वह पौधे के विकास में उपयोग होती है और फलस्वरूप पौधा हरा-भरा बना रहता है।

मल्चिंग

स्प्रिंग सीजन के बाद घांस, पत्तों से आँवला प्लांट की मल्चिंग कर देना चाहिए, ताकि गर्मी के महीनों में पौधे की मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे, लेकिन मल्चिंग करने से पौधे की मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहती है, जिसके कारण पौधे में कीट व रोग लगने की संभावना होती है, इसलिए समय-समय पर पौधे का निरीक्षण करते रहें।

आंवला हार्वेस्टिंग टाइम

आमतौर पर बीज लगाने के लगभग 5-8 साल में आंवला के पेड़ में फल आने लगते हैं। मार्च-अप्रैल में आंवला प्लांट में नई पत्तियां और फूल खिलते हैं तथा फल जुलाई से सितंबर के महीने तक आते रहते हैं। -

तिल की खेती

By Bhupender

तिल खरीफ ऋतु में उगाये जाने वाली भारत की मुख्य तिलहनी फसल है, जिसका हमारे देश में बहुत प्राचीन इतिहास रहा है। तिल की फसल प्राय: गर्म जलवायु में उगायी जाती है और इसकी खेती भारतवर्ष के विभिन्न प्रदेशों में की जाती है, जैसे- पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान, आन्ध्रप्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल तथा हिमाचल प्रदेश, जम्मू, इत्यादि।

इसकी खेती शुद्ध एवं मिश्रित रूप से की जाती है। मैदानी क्षेत्रों में प्राय: इसे ज्वार, बाजरा तथा अरहर के साथ बोते हैं। तिल की उत्पादकता बहुत कम है।

इसका अधिक उत्पादन उन्नत किस्मों के प्रयोग व आधुनिक सस्य क्रियाओं के अपनाने से लिया जा सकता है। इस लेख में तिल की वैज्ञानिक तरीके से खेती का उल्लेख है।

तिल की अच्छी पैदावार के लिये लम्बा गर्म मौसम ठीक रहता है। तापमान 20 सेन्टिग्रेड से नीचे होने पर तिल का अंकुरण रूक जाता है। इसकी खेती के लिये 25 से 2। सेन्टिग्रेड तापमान उपयुक्त है। अधिक वर्षा वाले क्षेत्र इसकी खेती के लिये उपयुक्त नहीं हैं, क्योंकि इन क्षेत्रों में फफूद जनित रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है।

उचित जल निकास होने पर तिल लगभग सभी प्रकार की भूमियों में उगाया जा सकता है। लेकिन पर्याप्त नमी की अवस्था में बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती हैं। अत्यधिक बलुई क्षारीय भूमि इसकी खेती के लिये उपयुक्त नहीं हैं। तिल 8 पी एच मान वाली भूमि में भी आसानी से उगाया जा सकता है।

तिल का बीज बहुत छोटा होता है, इसलिये भूमि भुरभुरी होनी चाहिये ताकि बीज का अंकुरण अच्छा हो। एक जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा आवश्यकतानुसार 2 से 3 जुताईयां देशी हल, कल्टीवेटर या हैरो चलाकर करें। खेत तैयारी के समय ध्यान रखना चाहिये की बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी हो ताकि अंकुरण अच्छा हो।

तिल की प्रमुख उन्नत किस्में, जैसे- टी- 4 टी- 12, टी- 13, टी- 78, राजस्थान तिल- 346, माधवी, शेखर, कनिकी सफेद, प्रगति, प्रताप, गुजरात तिल- 3, हरियाणा तिल, तरूण, गुजरात तिल- 4, पंजाब तिल- 1, ब्रजेश्वरी (टी एल के- 4) आदि है।

बीज की मात्रा

सामान्यत: शाखा वाली किस्मों के लिये 2.5 से 3 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर और शाखारहित किस्मों के लिये 3 से 4 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर बीज पर्याप्त रहता है। बीज और मिटटी उपचार तिल की बुवाई से पूर्व जड़ व तना गलन राग से बचाव के लिये बीजों को 1 ग्राम कार्बोन्डिजम + 2 ग्राम थाईरम या 2 ग्राम कार्बोन्डिजम या 4 ग्राम ट्राइकोडर्मा विरिडी प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित करें।

जीवाणु अंगमारी रोग से बचाव हेतु बीजों को 2 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन का 10 लीटर पानी में घोल बनाकर बीज उपचार करें। कीट नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 70 डब्लू एस की 1.5 ग्राम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर बुवाई करें। बुवाई से पूर्व 2.5 किलोग्राम ट्राईकोडर्मा को 2.5 टन गोबर की सड़ी खाद में मिलाकर खेत में प्रयोग करने में जड़ और तना गलन रोग की रोकथाम में मदद मिलती है।

तिल का बीज आकार में छोटा होता है, इसलिये इसे गहरा नही बोना चाहिये। इसकी बुवाई कम वर्षा वाले क्षेत्रों तथा रेतीली भूमियों में 45 × 10 सेंटीमीटर पर करने से अधिक पैदावार प्राप्त होती है। सामान्य अवस्था में लाइन से लाइन की दूरी 30 × 10 सेंटीमीटर रखी जाती है।

तिल की बुवाई उचित समय पर करें, मानसून की प्रथम वर्षा के बाद जुलाई के प्रथम सप्ताह में बुवाई करें। बुवाई में देरी करने से फसल के उत्पादन में कमी होती जाती है। बुवाई के समय यदि तापमान 25 से 27 डिग्री सेन्टिग्रेड हो तो वह अंकुरण के लिये अच्छा रहता है।

खाद और उर्वरक का प्रयोग मिटटी जांच के आधार पर करें। फसल के अच्छे उत्पादन के लिये बुवाई से पूर्व 250 किलोग्राम जिप्सम का प्रयोग लाभकारी रहता है। बुवाई के समय 2.5 टन गोबर की खाद के साथ ऐजोटोबेक्टर व फास्फोरस विलय बैक्टिरिया (पी एस बी) 5 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर प्रयोग करें। तिल बुवाई से पूर्व 250 किलोग्राम नीम की खली का प्रयोग भी लाभदायक है।

तिल की भरपूर पैदावार के लिए अनुमोदित और संतुलित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग आवश्यक है। मिट्टी की जांच संभव न होने की अवस्था में सिंचित क्षेत्रों में 40 से 50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 20 से 30 किलोग्राम फॉस्फोरस और 20 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर देनी चाहिए। लेकिन वर्षा आधारित फसल में 20 से 25 किलोग्राम नाइट्रोजन और 15 से 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तिल का बीज बहुत छोटा होता है, इसलिये भूमि भुरभुरी होनी चाहिये ताकि बीज का अंकुरण अच्छा हो। एक जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा आवश्यकतानुसार 2 से 3 जुताईयां देशी हल, कल्टीवेटर या हैरो चलाकर करें। खेत तैयारी के समय ध्यान रखना चाहिये की बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी हो ताकि अंकुरण अच्छा हो। फॉस्फोरस की मात्रा का प्रयोग करें।

मुख्य तत्वों के अतिरिक्त 10 से 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर गंधक का उपयोग करने से तिल की पैदावार में आशातीत वृद्धि की जा सकती है। सिंचित क्षेत्रों में नाइट्रोजन की आधी मात्रा और अन्य उर्वरकों की पूरी मात्रा जबकि असिंचित क्षेत्रों में सभी उर्वरकों की पूरी मात्रा बुवाई के समय बीज से 3 से 4 सेंटीमीटर गहराई पर प्रयोग करें। नाइट्रोजन की आधी मात्रा को बुवाई के 30 से 35 दिन बाद खड़ी फसल में प्रयोग करें।

तिल खरीफ की फसल है, जिसमे खरपतवारों की संख्या अधिक होती है। यदि खरपतवार समय पर नियन्त्रित नहीं किये जाते हैं तो पैदावार में भारी गिरावट आती है। खरपतवार की रोकथाम के लिये बुवाई के 3 से 4 सप्ताह बाद

निराई-गुड़ाई कर खरपतवार निकालें। जहां निराई-गुड़ाई संभव नहीं हो वहां एलोक्लोर 2 किलोग्राम दाने या 1.5 लीटर तरल प्रति हैक्टेयर की दर से बुवाई से पूर्व प्रयोग करें फिर आवश्यकतानुसार 30 दिन बाद एक निराई-गुड़ाई अवश्य करें।

अन्तराशष्य- अच्छे उत्पादन के लिये तिल की मोठ या मूंग के साथ बुवाई करें। तिल को मोठ या मूंग के साथ 2:2 लाइनों में बुवाई करने से दूसरी फसलों की अपेक्षा अधिक उत्पादन मिलता है, जिसमें प्रति ईकाई उत्पादन के साथ आमदनी बढ़ती है।

पत्ती व फली छेदक- इस कीट का प्रकोप जुलाई से अक्टूबर तक रहता है। इसकी सूंडी पत्तियों, फूलों व फलियों को हानि पहुचाती है। कीट की लटें जाला बनाती हैं, जिससे पौधे की बढ़वार रूक जाती है। जब तिल की फसल में पत्ती एवं फली छेदक कीट का प्रकोप 10 प्रतिशत या इससे अधिक हो तो कीटनाशी का प्रयाग करें।

कीट के नियंत्रण के लिये क्यूनालफॉस 25 ई सी एक लीटर या कारबोरिल 50 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण 2 से 3 किलोग्राम या सेवीमोल 2.5 से 3 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर के हिसाब से फूल व फली आते समय छिड़काव करें। कीड़ों का प्रकोप अधिक होने की अवस्था में आवश्यकता पड़ने पर इस छिड़काव को 15 दिन के अन्तराल पर पुन: करें।

फसल में कीट नियंत्रण के लिये बुवाई के 35 दिन बाद क्यूनालफॉस 25 ई सी एक लीटर प्रति हैक्टेयर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें। इसके बाद 45 दिन की अवस्था पर नीम के तेल की 10 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर एक समान छिडकाव करें।

पत्ती और फली छेदक कीट के प्रकोप को कम करने के लिये तिल की मूंग के साथ मिश्रित खेती करें। इससे फसल में कीटों का प्रकोप कम होने के साथ ही पैदावार भी बढ़ती है।

कीट नियंत्रण के लिये प्रोफेनोफॉस 50 ई सी 2 मिलीलीटर या स्पाईनोसेड 45 एस सी 0.15 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के हिसाब से फसल पर 30 से 40 और 45 से 55 दिन की अवस्था पर छिड़काव करें। गाल मक्खी, सैन्यकीट, हॉक मॉथ एवं फड़का का नियंत्रण फली छेदक कीट के लिये प्रयोग की गयी दवाओं से हो जाता है।

बिना रासायनिक कीटनाशीयों के कीट नियन्त्रण- तिल की बुवाई पूर्व नीम की खली 250 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर और मित्र फफूद ट्राइकोडरमा विरिडी 4 ग्राम प्रति किलोग्राम के हिसाब से बीज उपचार व 2.5 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर को भूमि में मिलायें तथा फसल पर 30 से 40 और 40 से 55 दिन की अवस्था पर नीम आधारित कीटनाशी एजेडिरीक्टीन 3 मिलीलीटर प्रति लीटर के हिसाब से छिड़काव करें।

तिल में समन्वित कीट नियन्त्रण- तिल के बीजों को थाइरम 0.2 प्रतिशत + कार्बोन्डिजम 50 डब्ल्यू. पी. 0.1 प्रतिशत से बीज उपचार कर बुवाई करें तथा 30 से 45 दिन की फसल होने पर मेन्कोजेब 0.2 प्रतिशत + क्यूनालफॉस 0.05 प्रतिशत का घोल बनाकर छिड़काव करें। आवश्यक होने पर इस छिड़काव को 45 से 55 दिन की अवस्था पर पून: दोहराएं।

झुलसा एवं अंगमारी- इस बीमारी में पत्तियों पर छोटे भूरे रंग के शुष्क धब्बे दिखाई देते हैं। ये धब्बे बड़े होकर पत्तियों को झुलसा देते हैं। इसका प्रकोप अधिक होने पर तने पर भी गहरी धारियों के रूप में दिखाई देता है।

नियंत्रण- फसल पर रोग के लक्षण दिखाई देते ही मैन्कोजेब या जाईनेब डेढ़ किलोग्राम या कैप्टान दो से ढाई किलोग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें। 15 दिन पश्चात छिड़काव पुन: दोहराएं।

छाछ्या (पाउडरी मिल्ड्यू)- छाछिया का प्रकोप सितम्बर माह के आरम्भ में शुरू होता है। इसमें पत्तियों की सतह पर सफेद पाउडर सा जमा हो जाता है। प्रकोप बढ़ने पर पत्तियां पीली पड़ कर सूखने और झड़ने लगती हैं।

नियंत्रण- रोग के लक्षण दिखाई देते ही 20 किलोग्राम गन्धक चूर्ण का भुरकाव या 200 ग्राम कार्बोन्डिजम या 2 किलोग्राम घुलनशील गंधक का प्रति हैक्टेयर के हिसाब से छिडकाव करें। आवश्यक होने पर भुरकाव या छिड़काव को पुन: दोहराएं।

जड तथा तना गलन- इस रोग से प्रभावित पौधों की जड़ एवं तना भूरे हो जाते हैं। प्रभावित पौधे को ध्यान से देखने पर तने, पत्तियों, शाखाओं और फलियों पर छोटे-छोटे काले दाने दिखाई देते हैं।

नियंत्रण- नियंत्रण के लिये बुवाई से पूर्व 1 ग्राम कार्बण्डिजम + 2 ग्राम थाइम या 2 ग्राम कार्बण्डिजम या 4 ग्राम ट्राइकोडरमा विरिडी प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित कर बुवाई करें।

पर्ण कुचन लीफ कर्ल- यह रोग विषाणु से होता है और सफेद मक्खी से फैलता है। रोगी पौधे की पत्तियां नीचे की तरफ मुड़ जाती हैं। पत्तियां गहरी हरी छोटी रह जाती हैं। रोग के उग्र होने पर पौधा छोटा रह जाता है व बिना फलियां आये ही पौधा सूख जाता है।

नियंत्रण- रोगी पौधे खेत में दिखाई देते ही इन्हें उखाड़ कर नष्ट कर दें। मिथाइल डिमेटॉन 25 ई सी, 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर या थायोमिथोक्सम 25 डब्ल्यू जी, 100 ग्राम तथा एसिटायोप्रिड़ 20 एस पी, 100 ग्राम प्रति हैक्टेयर पानी का घोल बनाकर छिड़काव करें। आवश्यक होने पर छिड़काव पुन: दोहराएं।

तिल में समन्वित रोग नियंत्रण- तिल के बीजों को थाइम 0.2 प्रतिशत + कार्बोन्डिजम 50 डब्ल्यू. पी. 0.1 प्रतिशत से बीज उपचार कर बुवाई करें और 30 से 45 दिन की फसल होने पर मेन्कोजेब 0.2 प्रतिशत + क्यूनालफॉस 0.05 प्रतिशत का घोल बनाकर छिडकाव करें। आवश्यक होने पर इस छिडकाव को 45 से 55 दिन की अवस्था पर पून: दोहराएं।

फसल पकने पर तने और फलियों का रंग पीला पड़ जाता है, जो फसल कटाई का उपयुक्त समय है। खेत में पकी फसल को ज्यादा समय तक रखने पर फलियां फटने लगती हैं, जिससे बीज बिखरने लगते हैं। अत: उचित समय पर फसल कटाई करें। फसल सूखने पर गहाई करें, गहाई बाद बीजों को साफ करके धूप में सुखायें। भण्डारण से पूर्व बीजों में 8 प्रतिशत से कम नमी होनी चाहये।

कृषि की उपरोक्त उन्नत तकनीक अपनाकर तिल की फसल से 8 से 12 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक पैदावार प्राप्त की जा सकती है।

हमारे देश में तिल खरीफ और जायद की एक महत्वपूर्ण तिलहनी फसल है। तिल की उन्नत किस्मों का चयन क्षेत्र की अनुकूलता को ध्यान में रखकर करने से पैदावार पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है। अनुवांशिक शुद्धता और 70 से 80 प्रतिशत वाले बीजों का चयन कृषक बन्धुओं को करना चाहिए,

राज्य- मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़

बुवाई का उचित समय- खरीफ- जुलाई के दूसरे पखवाड़े में, जायद- फरवरी अन्त से मार्च शुरू तक।

प्रमुख किस्में- एन- 32, जे टी- 2, टी के जी- 21, टी के जी- 22, टी के जी- 55, उमा, बी- 67, रामा आदि।

राज्य- गुजरात

बुवाई का उचित समय- खरीफ- जून के अंत से जुलाई के पहले सप्ताह तक, जायद- जनवरी से फरवरी, अर्ध रबी- अगस्त के अंत में।

प्रमुख किस्में- गुजरात तिल नं- 1, गुजरात तिल नं- 2, आर टी- 54, आर टी- 103, पूरवा- 1, आर टी- 103 आदि।

बुवाई का उचित समय- खरीफ- जून मध्य से जुलाई, जायद- फरवरी, रबी- सितम्बर से अक्तूबर

प्रमुख किस्में- फुले तिल नं-1, तासी, पदमा, आर टी- 54, आर टी- 103, एन- 8, डी एम- 1, तासी पूरवा- 1, आर टी- 54, आर टी- 103 आदि।

राज्य- बिहार और उड़ीसा

बुवाई का उचित समय- खरीफ- जून से जुलाई, जायद- फरवरी।

प्रमुख किस्में- कृष्ण, पटना- 64, कांके सफेद, विनायक, कालिका, कनक उमा, उषा, बी- 67आदि।

राज्य- पश्चिम बंगाल और असम

बुवाई का उचित समय- खरीफ- मई के अंत से जून के अंत तक

प्रमुख किस्में- उमा, पंजाब तिल- 1, आर टी- 125, टी के जी- 21, टी के जी- 22, टी के जी- 55 आदि।

राज्य- तमिलनाडु और केरल

बुवाई का उचित समय- खरीफ- जून से जुलाई, रबी- नवम्बर से दिसम्बर, अर्ध रबी- अगस्त से सितम्बर जायद- जनवरी से फरवरी।

प्रमुख किस्में- टी एम वी- 4, टी एम वी- 5, टी एम वी- 6, वी आर आई- 1, प्यायूर- 1, सोमा, सूर्या, चिलक रामा, सूर्या, बी- 67, सूर्या, सी ओ- 1, सोमा आदि।

बुवाई का उचित समय- खरीफ- जून से जुलाई, जायद- जनवरी के दूसरे पखवाड़े में।

प्रमुख किस्में- गौरी, माधवी, टी- 85, आर टी- 54, आर टी- 103 गौरी, माधवी, राजेश्वरी, वर्षा राजेश्वरी आदि।

तिल की उन्नत किस्मों की विशेषताएं और पैदावार

आर टी 46- तिल की यह 100 से 125 सेन्टीमीटर ऊंची किस्म है, जिसमें पत्ती व फली छेदक कीट और गॉलमक्खी कम लगती है तथा गमोसिस रोग कम लगता है। फूल 30 से 35 दिन में आते हैं और पौधों में 4 से 6 शाखायें होती हैं। फसल 75 से 90 दिन में पकती है एवं औसत उपज 6 से 8 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। बीज का रंग सफेद और तेल की मात्रा 49 प्रतिशत होती है। इसका दाना मध्यम आकार का, 1000 दानों का वजन 2.55 ग्राम होता है। शुष्क खेती व सिंचित क्षेत्रों दोनों के लिये उपयुक्त इस किस्म में मेक्रोफोमिना व आल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग के लिये अधिक प्रतिरोधक क्षमता है।

आर टी 125- तिल की यह किस्म भारी मिट्टी के लिये उपयुक्त 90 से 120 सेन्टीमीटर ऊंची, इस किस्म में 3 से 5 शाखायें होती हैं। 75 से 85 दिन में पकने वाली इस किस्म के बीज सफेद और इसकी सभी फलियां एक साथ पकती हैं। इसलिये झड़ने से नुकसान कम होता है। औसत उपज 9 से 12 क्विण्टल प्रति हैक्टेयर है। इसकी यह विशेषता है, कि इसकी पत्तियां, तना व फलियाँ सहित सम्पूर्ण पौधा पकने की अवस्था पर पीला पड़ जाता है। यह बीमारियों व कीटों के प्रति सहनशील है। इस किस्म में फिल्लोडी का प्रकोप आर टी- 46 किस्म की तुलना में कम होता है। इसके 1000 दानों का वजन लगभग 2.5 से 3.15 ग्राम और तेल की मात्रा 48.8 प्रतिशत होती है। आर टी 127- यह एक सूखा रोधी किस्म, जिसके पौधों की ऊंचाई 90 से 135 सेंटीमीटर हैं। इस किस्म में गॉल मक्खी व वरूथी (माइटस) का प्रकोप अन्य किस्मों की तुलना में अपेक्षाकृत कम होता है। इसमें जड़ व तना गलन रोग, फिलोड़ी और जीवाणु पत्ती धब्बा रोग के प्रति सहनशीलता है। इस किस्म में फूल 30 से 35 दिन में आते है और फसल 75 से 84 दिन में पककर तैयार हो जाती है एवं इसकी औसत उपज 6 से 9 क्विंटल प्रति हैक्टेयर हैं।